CMYK

www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार ...

छत्तीसगढ़ का पहला राष्ट्रीय दैनिक

संपर्क करें : bilaspurdeshbandhu@gmail.com

पत्र नहीं मित्र

देशबन्धु

बिलासपुर, शनिवार, 7 अक्टूबर 2023 I वर्ष – 33 I अंक –159 I पृष्ठ –12 I मूल्य – 4.00

अपर भद्रा परियोजना के लिए एक भी रुपया जारी नहीं किया गया: कर्नाटक सीएम पृष्ठ 3

अभिमत
■ देश की सभी मीडिया कंपनियों का 'मनी रूट' बता दीजिए! पृष्ठ 4

■ 'बेल्ट एंड रोड' पहल में व्यापक विकास संभावनाएं हैं: पुतिन
■ सीरिया में कैडेट ग्रेजुएशन सेरेमनी पर ड्रोन हमले में 1 की मौत पृष्ठ 9

अभियान का समापन जापान को हरा कांसा जीत कर करना चाहते हैं : सविता पृष्ठ 10

चुनाव से पहले लोकलुभावन योजनाओं पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

राजस्थान, मप्र व केंद्र को नोटिस

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। पांच राज्यों में चुनाव से पहले सरकारों की लोकलुभावन योजनाओं पर सुप्रीम कोर्ट ने सख्ती दिखाई है। एक तरह से मतदाताओं को लालच देने वाली इस योजनाओं के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट में केंद्र सरकार, मध्य प्रदेश सरकार, राजस्थान सरकार और चुनाव आयोग को नोटिस भेजा है।

चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अदालत ने इनसे 4 हफ्ते में जवाब मांगा है। सुप्रीम कोर्ट ने एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए यह नोटिस जारी किया है। सुप्रीम कोर्ट ने नई जनहित याचिका को पहले से चल रही अन्य याचिकाओं के साथ जोड़ दिया है। सभी मामलों की सुनवाई अब एकसाथ होगी। बता दें, सभी राज्यों में मौजूदा सरकारों की कोशिश है कि आदर्श आचार संहिता लगने से पहले बड़ी घोषणाएं कर दी जाएं। खासतौर पर मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में ऐसा तेजी से हो रहा है। लगभग हर रोज ही सरकारें बड़ी घोषणाएं कर रही हैं। इनके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई और रोक लगाने की मांग की गई। याचिकाकर्ता की दलील है कि इन लोकलुभावन योजनाओं के जरिए एक तरह से वोटर्स को लालच दिया जा रहा है। सरकारें पांच साल काम नहीं करती हैं और आखिरी में इस तरह जनता के टैक्स का पैसा लुटाकर वोट बटोरने की कोशिश होती है। साथ ही मांग की गई है कि राजनीतिक दलों के घोषणा-पत्रों पर भी नजर रखी जाना चाहिए। नेताओं से पूछा जाना चाहिए कि घोषणा-पत्र में किए गए बड़े-बड़े दावों को कैसे पूरा किया जाएगा।जनवरी 2022 में भाजपा नेता अश्विनी उपाध्याय फ्रीबीज के खिलाफ एक जनहित याचिका लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंचे थे। अपनी याचिका में उपाध्याय ने चुनावों के दौरान राजनीतिक पार्टियों के वोटर्स से फ्रीबीज या मुफ्त उपहार के वादों पर रोक ➤➤ शेष पृष्ठ 2 पर ➤

- चुनाव आयोग से भी चार हफ्ते में मांगा जवाब
- पांच राज्यों में इसी साल होने हैं विधानसभा चुनाव

महिला जजों की संख्या में वृद्धि उत्साह बढ़ाने वाली : चंद्रचूड़

हाल ही में भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की जबलपुर पीठ के कार्यक्रम में कहा था कि न्यायपालिका में महिलाओं की भूमिका बेहद अहम है। अब भारत के प्रधान न्यायाधीश डी.वाई चंद्रचूड़ ने महिला न्यायिक अधिकारियों की संख्या को लेकर बड़ी बात कही है। उन्होंने कहा कि महिला जजों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि उत्साह बढ़ाने वाली है। उन्होंने कहा, यह देशव्यापी चलन है। शुक्रवार को सीजेआई ने कहा ➤➤ शेष पृष्ठ 2 पर ➤

बिहार में जातीय गणना के सर्वे पर नहीं लगेगी रोक

हाल ही में भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की जबलपुर पीठ के कार्यक्रम में कहा था कि न्यायपालिका में महिलाओं की भूमिका बेहद अहम है। अब भारत के प्रधान न्यायाधीश डी.वाई चंद्रचूड़ ने महिला न्यायिक अधिकारियों की संख्या को लेकर बड़ी बात कही है। उन्होंने कहा कि महिला जजों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि उत्साह बढ़ाने वाली है। उन्होंने कहा, यह देशव्यापी चलन है। शुक्रवार को सीजेआई ने कहा कि हम कुछ खुशखबरी साझा करना चाहते हैं। यहां अदालत कक्ष में महाराष्ट्र के सिविल जज जूनियर डिवीजन के 75 न्यायाधीश हैं। 75 जजों के बेच में ➤➤ शेष पृष्ठ 2 पर ➤

लोकतंत्र की नींव पंचायत में, गांव में, नगर पालिकाओं में बसती है : प्रियंका

कांकेर, 6 अक्टूबर (देशबन्धु)। बस्तर के प्रवेशद्वार कहे जाने वाले शहर कांकेर में आयोजित नगरीय निकाय एवं पंचायती राज महासम्मेलन में पहुंची प्रियंका गांधी ने भूपेश सरकार की जमकर तारीफ की उन्होंने कहा कि एक समय था जब जनप्रतिनिधियों की संख्या बहुत कम थी, उससे यह होता था कि जितने निर्णय लेने थे वह सभी एक जगह केंद्रित हो जाते थे। कई ऐसे कार्य होते थे जिन्हें होने में बहुत समय लगता था या कई ऐसे कार्य होते थे जिनकी जरूरत ही नहीं थी लेकिन इन सब में बहुत समय लगता था। दिल्ली जाना पड़ता था, रायपुर आना पड़ता था तो जब पंचायती राज की बात हुई तब मंशा ये थी कि लोकतंत्र को गांवों तक पहुंचाया जाए। इसका मतलब है कि जो गांव का विकास है, इसका निर्णय गांव करें, गांव के ही प्रतिनिधि करें।आप सब यहां बैठे हैं, आप जानते हैं कि ग्राम पंचायत में किस तरह के काम होने हैं और किस तरह के कामों को होना चाहिए। आप अपने लोगों के हित में निर्णय ले सके, यही मूल बात है।

प्रियंका गांधी ने कहा कि लोकतंत्र की नींव पंचायत में, गांव में, नगर पालिकाओं में बसती है। आप सब की जिम्मेदारियां बहुत बड़ी हैं। मैं जानती हूं अपनी जिम्मेदारियां को आप बहुत परिश्रम के साथ पूरा करते हैं। इंदिरा जी 1972 में बस्तर में आई थी, शायद आपने वो फ़ोटो देखी होगी जिसमें वह बस्तर की महिलाओं के साथ नाच रही थी।

बस्तर से मेरा बहुत पुराना नाता है। इंदिरा जी ने उस समय जो कहा था, भूपेश बघेल आज उसे पूरा कर रहे हैं। स्वामी आत्मानंद जी के नाम से आज प्रदेशभर में विद्यालय, महाविद्यालय खोले गए हैं। आज बस्तर एक अंतरराष्ट्रीय नाम बन गया है। मॉडल बन गया है। छत्तीसगढ़ में आज देश का सबसे बड़ा मिलेट प्रोसेसिंग प्लांट है।

गांधी ने कहा कि आपका भरोसा हमारे साथ बना हुआ है। जब इंदिरा जी छत्तीसगढ़ आयी थी तब उन्होंने स्वामी आत्मनन्द से कहा कि शिक्षा का विकास करना है, आज भूपेश बघेल की सरकार यह कार्य कर रही है। आज आपकी सरकार आपको आगे ➤➤ शेष पृष्ठ 2 पर ➤

गौठान से दूर हुई आवारा पशुओं की समस्या

कांग्रेस महासचिव ने कहा कि उत्तर भारत में आवारा पशुओं की समस्या बनी हुई है, यहां छत्तीसगढ़ में मैं गर्व के साथ कहना चाहती हूं, गौठान बनने से आवारा पशुओं की समस्या हल हुई है और आपको लाभ भी हुआ है। खेती में देशभर में किसान परेशान है, यहां का किसान खुश है कर्ज माफ किया गया है, समर्थन मूल्य में धान खरीदी हुई है। आपकी उपज के लिए अतिरिक्त लाभ मिल रहा है, प्रदेश में जितना संसाधन है उसे आपको हाथों में वापस दिया जा रहा है। भूमिहीन मजदूरों को 7 हजार रुपये आर्थिक सहायता दी जा रही है, गोबर से भी पशुपालकों को बहुत लाभ हो रहा है। हमारी सरकार ने तेंदूपत्ता का दाम 4 हजार रुपये किया।

रामवनगमन पथ का किया जा रहा निर्माण

प्रियंका ने भूपेश सरकार के कामकाज गिनाते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में 5 लाख तक मुफ्त इलाज और सरकारी कॉलेजों में छात्राओं के लिए मुफ्त शिक्षा की व्यवस्था की गई है। स्व-सहायता समूह की महिलाओं का करोड़ों रुपए का कर्ज माफ किया गया। इस तरह की योजनाएं आपके लिए बनाई गई ताकि आपको सीधा लाभ मिले। आज छत्तीसगढ़ का पूरे देश मे पहचान है, सम्मान है। छत्तीसगढ़ आज सामाजिक और सांस्कृतिक तौर पर विकसित हो रहा, यहां भगवान राम जी 14 वर्ष बिताए, जहां समय बिताए उसका रामवनगमन पथ के रूप में विकास कर रहे है।

सार संक्षेप

ईडी ने संजय सिंह के तीन करीबियों को भेजा समन

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय ने दिल्ली शराब नीति मामले में आम आदमी पार्टी नेता और सांसद संजय सिंह के तीन करीबियों को समन भेजा है। इनमें विवेक त्यागी, सर्वेश मिश्रा और कंवरबीर सिंह का नाम शामिल है। जानकारी के मुताबिक ईडी इन तीनों से संजय सिंह के सामने पूछताछ करेगी। आप सांसद फिलहाल 1 अक्टूबर तक ईडी की हिरासत में हैं। सिंह को बुधवार 4 अक्टूबर को उनके दिल्ली वाले घर से ईडी ने दिनभर की पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया था।

पी-20 सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे मोदी

नई दिल्ली। भारत में जी-20 शिखर सम्मेलन के सफल आयोजन के बाद अब 12 अक्टूबर से तीन दिवसीय पी-20 शिखर सम्मेलन हो रहा है जिसमें जी-20 के सदस्यों के साथ ही 3 देशों के प्रतिनिधि शामिल होंगे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस वैश्विक सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। पी-20 शिखर सम्मेलन 12, 13 और 14 अक्टूबर को यहां इंडिया इंटरनेशनल कन्वेंशन एंड एक्सपो सेंटर-यशोभूमि में आयोजित किया जाएगा जिसमें 3 देशों के 35 से अधिक प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे।

मुंबई में इमारत में आग लगने से आठ की मौत

मुंबई। मुंबई के गोरेगांव में स्थित एक इमारत में शुक्रवार तड़के भीषण आग लगने से करीब आठ लोगों की जलकर मौत हो गई और 39 घायल हो गए। अग्निशमन विभाग के सूत्रों के अनुसार आजाद मैदान के पास एमजी रोड पर जय भवानी बिल्डिंग में तड़के करीब तीन बजे आग लग गई जिससे आठ लोगों की जलकर मौत हो गई और 39 लोग घायल हो गए।

ओडिशा में चक्रवात को लेकर 45 दिनों के लिए अलर्ट

नई दिल्ली। ओडिशा में चक्रवात को लेकर राज्य सरकार अलर्ट मोड पर है। इसको लेकर राज्य सरकार ने शुक्रवार को बड़े स्तर पर बैठक कर 45 दिनों के लिए अलर्ट जारी किया है। बता दें कि ओडिशा में अक्तूबर और नवम्बर महीने को चक्रवात काल कहा जाता है क्योंकि पिछले कई वर्षों से इन दिनों ही दस्तक देता है। इस बीच एक अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार को मुख्य सचिव पीके जेना ने चक्रवात को लेकर बड़ें स्तर पर बैठक की।

प्रदेश में महुआ बोर्ड का होगा गठन

छग स्टेट पॉवर कंपनी के कर्मचारियो को पुरानी पेंशन देने सहित केबिनेट ने लिए कई फैसले

रायपुर, 6 अक्टूबर (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की अध्यक्षता में आज शाम उनके निवास कार्यालय में मंत्रिपरिषद की बैठक आयोजित हुई। बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए ।महुआ के संग्रहण, मूल्य संवर्धन, प्रसंस्करण एवं उपयोग को बढ़ावा देने के लिए छत्तीसगढ़ में राज्य महुआ बोर्ड के गठन का महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया।

राज्य में महुआ के वृक्ष बहुतायत में पाये जाते हैं। महुआ के फूल का पशु, पक्षी एवं मनुष्य सभी उपयोग करते है। महुए के बीज से तेल भी निकलता है।इसके खाद्य एवं औषधीय उपयोग के साथ-साथ प्रसंस्करण को भी बढ़ावा मिल सके तथा बायोडीजल या एथनॉल के उत्पादन हेतु उद्योगों की स्थापना भी संभव हो सके। इन उद्देश्यों की पूर्ति के लिये राज्य महुआ बोर्ड की स्थापना की गई है।

■ स्वास्थ्य कर्मियों पर एस्मा कानून शून्य घोषित

मुख्यमंत्री की घोषणा पर लिया तुरंत फैसला

मुख्यमंत्री द्वारा आज कांकेर के गोविंदपुर में आयोजित नगरीय निकाय एवं पंचायती राज महासम्मेलन में छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज के अधिकारी-कर्मचारी जो एक जनवरी 2004 अथवा उसके बाद नियुक्त हुए है उनके लिए नवीन अंशदान पेंशन योजना के स्थान पर पुरानी पेंशन योजना बहाल करने का निर्णय लिया गया। इस निर्णय से स्टेट पॉवर कंपनीज के करीब 10 हजार अधिकारी-कर्मचारी लाभान्वित होंगे। छत्तीसगढ़ माल और सेवा कर (संशोधन) अध्यादेश, 2023 के प्रारूप में निहित संशोधन का अनुमोदन किया गया। ग्राम पंचायत भोरिंग, जिला-महासमुंद को नगर पंचायत बनाये जाने हेतु निर्धारित मापदण्ड में छूट प्रदान करने का निर्णय लिया गया।

➤➤ शेष पृष्ठ 2 पर ➤

1 नवंबर से कोदो-कुटकी की खरीदी

प्रदेश में 1 नवंबर से धान के साथ ही समर्थन मूल्य पर कोदो-कुटकी की खरीदी शुरु होगी। राज्य सरकार ने कोदो का समर्थन मूल्य 3200 रुपए व कुटकी का समर्थन मूल्य 3350 रुपए प्रति क्विंटल किया है।

सिक्किम में बाढ़ का तांडव जारी, सात हजार लोग फंसे

गंगटोक, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। सिक्किम में गत तीन अक्टूबर को बादल फटने के बाद तीस्ता नदी में बाढ़ आ गई थी। जान गंवाने वालों की संख्या शुक्रवार को बढ़कर 25 हो गई। लापता हुए सेना के 23 जवानों में से 7 के शव बरामद कर लिए गए हैं। लापता जवानों में से एक को बचा लिया गया था। 15 जवान समेत कुल 143 लोग अभी भी लापता हैं।

चुनाव पूरी तरह हो हिंसा मुक्त : चुनाव आयोग

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। पांच राज्यों में विधानसभा चुनावों के कार्यक्रम की घोषणा से पहले चुनाव आयोग ने शुक्रवार को बैठक की। इस दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने पर्यवेक्षकों के साथ एक बैठक की और उनसे यह सुनिश्चित करने को कहा कि धनबल की समस्या को पूरी तरह से नियंत्रित किया जाए। चुनाव आयोग के पुलिस, सामान्य और व्यय पर्यवेक्षकों की दिनभर चली बैठक का उद्देश्य यह सुनिश्चित करने के लिए रणनीति को सुव्यवस्थित करना था कि आदर्श आचार संहिता प्रभावी ढंग से लागू हो और धन व बाहुबल चुनावों के दौरान समान अवसर को बाधित न करे। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार के साथ पर्यवेक्षकों की बैठक में उन्होंने कहा कि यह तय करना है कि चुनावों में कोई भी मनी पावर और मसल्स पावर से वोटरों को प्रभावित न कर सके। मॉडल कोड प्रभावी ढंग से लागू हो। चुनाव पूरी तरह हिंसा मुक्त हों। मिजोरम की विधानसभा का कार्यकाल इस साल 17 दिसम्बर को समाप्त हो रहा है। भाजपा की सहयोगी मिजो नेशनल फ्रंट (एमएनएफ) पूर्वोत्तर राज्य में सत्ता में है। तेलंगाना, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और राजस्थान की विधानसभाओं का कार्यकाल अगले साल जनवरी में अलग-अलग तारीखों पर खत्म हो रहा है। तेलंगाना में के. चंद्रशेखर राव के नेतृत्व वाली भारत राष्ट्र समिति का शासन है, जबकि मध्य प्रदेश में भाजपा की सरकार है।

- धनबल की समस्या को पूरी तरह से नियंत्रित करेन के दिए निर्देश
- पांच राज्यों में विधानसभा चुनावों की बैठक

➤➤ शेष पृष्ठ 2 पर ➤

शराब घोटाला मामला

हाईकोर्ट से ढेबर सहित चारों आरोपियों की जमानत याचिका खारिज

बिलासपुर, 6 अक्टूबर (देशबन्धु)। शराब घोटाला मामले में आरोपी बनाए गए अनवर ढेबर समेत चार लोगों की जमानत याचिका को हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया है। हाईकोर्ट ने सभी आरोपियों अरुणपति त्रिपाठी, नितेश पुरोहित और पप्पू ढिल्लन समेत अनवर ढेबर की की अंतरिम बेल भी खारिज कर दी है।

बता दें कि ईडी ने अनवर ढेबर को 2 हजार करोड़ रुपए के शराब घोटाला का दोषी बताया है। गिरफ्तारी के बाद ढेबर को हाईकोर्ट ने स्वास्थ्यगत कारणों को लेकर अन्तरिम जमानत पर छोड़ा है, लेकिन रेगुलर याचिका खारिज होने के बाद अनवर ढेबर की समस्या बढ़ गई है।

ईडी ने छापामार कार्रवाई के बाद आरोप लगाया कि प्रदेश में 2 हजार करोड़ रुपए का शराब घोटाला हुआ है। पूछताछ के बाद बाद ईडी ने रायपुर निवासी कारोबारी अनवर ढेबर को गिरफ्तार किया। स्वास्थ्यगत कारणों को लेकर अनवर के वकील ने हाईकोर्ट में जमानत याचिका दाखिल किया। कोर्ट ने स्वास्थ्य के मद्देनजर अनवर ढेबर को अन्तरिम जमानत पर मुहर लगाया था। मामले में पिछले दिनों ढेबर की तरफ से हाईकोर्ट में रेगुलर याचिका के लिए आवेदन दाखिल किया ➤➤ शेष पृष्ठ 2 पर ➤

खरगे व राहुल से मिले पवार

नईदिल्ली, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) प्रमुख शरद पवार ने शुक्रवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी से मुलाकात की। बताया जा रहा है कि उन्होंने विपक्षी गठबंधन इंडिया के लिए आगे की योजना पर चर्चा की। सूत्रों ने कहा कि विपक्षी गुट की मुंबई के बाद से कोई बैठक नहीं हुई है और जल्द ही ऐसा होने की संभावना है। इंडिया गठबंधन की आखिरी बैठक 31 अगस्त और एक सितंबर को मुंबई में हुई थी। तीनों नेताओं ने मौजूदा राजनीतिक स्थिति और गठबंधन के लिए आगे की राह पर चर्चा की, जो आगामी विधानसभा और आम चुनावों में भाजपा का मुकाबला करना चाहता है। यह मुलाकात करीब 40 मिनट तक चली। सूत्रों ने बताया कि उन्होंने इंडिया गठबंधन की अगली बैठक की योजना भी तैयार की। खरगे ने बाद में पवार के साथ अपनी बैठक की तस्वीरें एक्स पर पोस्ट कीं और कहा कि आज राहुल गांधी के साथ देश के लोगों की आवाज को आगे बढ़ाने के लिए राकांपा प्रमुख शरद पवार से मुलाकात की। उन्होंने इंडिया गठबंधन की टैगलाइन जीतेगा इंडिया, जुड़ेगा भारत का इस्तेमाल करते हुए कहा कि हम हर चुनौती के लिए तैयार हैं। पवार ने भी बैठक की अपनी तस्वीरें एक्स पर पोस्ट कीं और कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष सांसद मल्लिकार्जुन खरगे से उनके आवास पर शिष्टाचार भेंट हुई।

एनसीपी इलेक्शन सिंबल पर नौ को फिर सुनवाई

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। चुनाव आयोग ने शुक्रवार को एनसीपी के इलेक्शन सिंबल के अधिकार पर सुनवाई की। कमीशन ने शरद और अजित दोनों गुटों को पर्सनल सुनवाई के लिए बुलाया। ये दोनों ही गुट पार्टी पर अपना दावा कर रहे हैं। अधिकारी ने बताया कि इस मामले में अब 9 अक्टूबर को फिर सुनवाई होगी। शरद पवार इलेक्शन कमीशन की बैठक में खुद मौजूद थे। अजित पवार ने पार्टी के नाम और चुनाव चिह्न पर दावा करते हुए इलेक्शन कमीशन का रुख किया था। अजित गुट ने महाराष्ट्र में 42 और नगालैंड में सात विधायकों के समर्थन का दावा किया। अजित ने दावा किया कि उन्हें महाराष्ट्र में 53 में से 42 विधायकों, नौ में से छह एमएलसी, नगालैंड में सभी सात विधायकों और राज्यसभा और लोकसभा के एक-एक सदस्य का समर्थन प्राप्त है।

एससी, एसटी व ओबीसी वर्ग के लिए केंद्र का बड़ा फैसला

संविदा नौकरियों में मिलेगा आरक्षण

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर (देशबन्धु)। केंद्र सरकार ने अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति व अन्य पिछडे वर्ग के लिए बड़ा फैसला लिया है। अब इस समुदाय के लोगों के लिए संविदा सेवाओं में भी आरक्षण देने की व्यवस्था लागू हो गई है। हालांकि इसके लिए नियम तय किया गया है कि यह आरक्षण व्यवस्था 45 दिनों या इससे ज्यादा दिनों की सेवाओं पर ही लागू होगी।

केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में शपथ पत्र देकर कहा है कि सभी मंत्रालयों को इस बारे में पत्र लिखकर निर्देश दे दिया गया है कि आरक्षण की इस व्यवस्था को सख्ती से लागू किया जाए। आरक्षण की यह व्यवस्था केंद्र सरकार के मंत्रालयों व विभागों में खाली पड़े सभी अस्थायी पदों पर लागू होगी। बता दें कि अभी तक एससी, एसटी और ओबीसी समुदाय के लिए आरक्षण की व्यवस्था सिर्फ सरकार नौकरियों व शिक्षा तक ही सीमित थी। माना जा रहा है कि केंद्र सरकार के इस फैसले के बाद अब इस समुदाय के लिए सरकारी नौकरियां हासिल करना ज्यादा आसान हो जाएगा।

संविदा की इन नौकरियों की अवधि एक साल से लेकर पांच साल तक बढाई जा सकती है। उल्लेखनीय है कि अस्थाई सरकारी पदों में आरक्षण को लेकर संसदीय समिति की एक रिपोर्ट में कहा गया था कि सरकार के निर्देशों का नियमानुसार अनुपालन नहीं हो रहा है। इसी मामले को लेकर सर्वोच्च न्यायालय सुनवाई कर रहा था।

- 45 दिनों या इससे ज्यादा दिनों की सेवाओं पर लागू होगी आरक्षण व्यवस्था

सम्मान ईरान में महिलाओं के दमन के खिलाफ लड़ी लड़ाई

जेल में कैद नरगिस मोहम्मदी को मिला नोबेल शांति पुरस्कार

तेहरान, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। नार्वे की नोबल समिति ने ईरान की मानवाधिकार कार्यकर्ता नरगिस मोहम्मदी को साल 223 के लिए नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया है। उन्होंने ईरान में महिलाओं के दमन के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी। उन्होंने ईरान में मानवाधिकारों को बढ़ावा दिया और सभी के लिए स्वतंत्रता का समर्थन किया।

- सरकार ने 31 साल जेल व 154 कोड़ों की सजा दी
- नरगिस 19वीं महिला जिन्हें मिला सर्वोच्च सम्मान

नोबेल समिति ने कहा कि नरगिस को इसके लिए निजी कीमत चुकानी पड़ी। उन्हें अब तक 13 बार गिरफ्तार किया जा चुका है। यही नहीं 5 बार दोषी ठहराया जा चुका है। नरगिस ने 31 साल जेल में बिताए हैं। यही नहीं उन्हें 154 कोड़े भी मारे गए हैं। समिति ने कहा कि इस साल का नोबेल शांति पुरस्कार उन सैकड़ों-हजारों लोगों को भी पहचान देता है, जिन्होंने महिलाओं को निशाना बनाने वाली भेदभाव और धार्मिक शासन की उत्पीड़क नीतियों के खिलाफ आवाज उठाई है। ईरान में महिलाओं के हक के लिए लड़ने वाली नरगिस मोहम्मदी को नोबेल शांति पुरस्कार दिया गया है। वह 19वीं महिला ➤➤ शेष पृष्ठ 2 पर ➤

आठ साल से बच्चों से नहीं मिलीं नरगिस

जून में न्यूयॉर्क टाइम्स को दिए एक इंटरव्यू में नरगिस ने कहा था कि उन्होंने 8 साल से अपने बच्चों को नहीं देखा है। उन्होंने आखिरी बार अपनी जुड़वा बेटियों अली और कियाना की आवाज एक साल पहले सुनी थी। नरगिस की दोनों बेटियां उनके पति तागी रहमानी के साथ फ्रांस में रहती हैं। दरअसल, तागी भी एक पॉलिटिकल एक्टिविस्ट हैं। जिन्हें ईरान की सरकार ने 14 साल जेल की सजा दी थी।

आया है मुझे फिर याद वो जालिम गुजरा जमाना बचपन का

- पेंड्रा में गुजरा प्रदीप शर्मा का बचपन
- पेंड्रा पहुंचकर बचपन की पुरानी यादों में खो गए मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार

गौरेला पेंड्रा मरवाही, 6 अक्टूबर (देशबन्धु)। व्यक्ति चाहे जितने भी बड़े पद में पहुंच जाए चाहे जितनी ऊंचाई पर पहुंच जाए वह अपने गुजरे बचपन के दिनों को कभी भूल नहीं पाता। गुजरा समय अच्छा बीता या बुरा इससे फर्क नहीं पड़ता, बचपन की यादें कभी भी उसका पीछा नहीं छोड़ती। ऐसा ही कुछ होता है प्रदीप शर्मा के साथ जो वर्तमान में छत्तीसगढ़ शासन के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के राजनीतिक सलाहकार हैं। वे जब भी पेंड्रा आते हैं अपने राजकीय कामकाज से समय निकालकर पुराने दिनों को जीने की कोशिश करते हैं।

दरअसल मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार प्रदीप शर्मा का बचपन पेंड्रा में बीता है। उनके पिता 1970 से लगभग 1985 तक के दशक में पेंड्रा में ही शासकीय सेवा में थे और पेंड्रा के विद्यानगर कॉलोनी में रहते थे। तब प्रदीप शर्मा बिल्कुल छोटे थे और उनके प्राथमिक तथा पूर्व माध्यमिक तथा हाई स्कूल की शिक्षा विद्यानगर में ही हुई थी। यह वह दौर था जब पेंड्रा एक छोटा सा कस्बा हुआ करता था। वही प्रदीप शर्मा जब मुख्यमंत्री के सलाहकार हैं परंतु पेंड्रा के अपने उन सहपाठियों के लिए बिल्कुल वैसे हैं जैसे बचपन के दिनों में हुआ करते थे। 6 अक्टूबर को उनका पेंड्रा आना हुआ। उनके साथ पर्यटन मंडल छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष अटल श्रीवास्तव भी थे परंतु प्रदीप शर्मा तो जैसे पेंड्रा में अपने पुराने सहपाठियों से मिलने आए थे और उन्होंने अपना पूरा दिन उन स्थानों पर गुजारा जहां उनकी बचपन की यादें जुड़ी हुई है। सुबह से लेकर देर शाम तक वह अपने पुराने सहपाठियों के साथ पेंड्रा विद्यानगर के अलावा निजी लोगों से मिलने में बिताया। जिन लोगों से मिले अत्यंत आत्मिक भाव से लिए पुराने दिनों को याद करते हुए मिले। फिर चाहे केदारी और कुबेर बगीचा से आम ,बिही और

गुलाब जामुन दीवार फांदकर कर तोड़ना तथा बागवान के दौड़ाने पर भागना। बचपन की यह पुरानी यादें उन्हें ऐसे याद है जैसे कल की ही बात हो? उन दोनों को याद करते हुए वे विद्यानगर स्थित उसे पुराने स्विमिंग पूल में भी गए जिसका निर्माण शासकीय बहुउद्देशीय उच्चतर माध्यमिक शाला पेंड्रा के पुराने छात्रों ने किया था और जिसका जिर्णोद्धार नगर पंचायत पेंड्रा ने आधुनिक रूप से कराया है। अपने पुराने स्विमिंग पूल को देखकर वे अपने को रोक नहीं सके तथा बचपन के पुराने दोनों को तरोताजा करते हुए स्विमिंग पूल में अपने पुराने सहपाठियों को बुलाकर देर तक समय बिताते हुए डुबकियां लगाई। इसके बाद प्रदीप शर्मा नवनिर्मित माधवराव सप्रे प्रेस क्लब भवन गए और वहां लाइब्रेरी में आने

पुराने स्विमिंग पूल में लगाई डुबकियां, सहपाठियों से पुरानी यादों को साझा किया

वाले छात्र-छात्राओं से मुलाकात की। श्री शर्मा हाल ही में दिवंगत हुए राकेश शर्मा के शोक संतृप्त परिवार से भी मुलाकात की और राकेश शर्मा के आसमयिक निधन पर गहरा शोक प्रकट किया उनके बच्चों से मिलें और उन्हें सांत्वना दी , इसके बाद वहां से वह पुराने गढ़ी स्थित श्री काली मंदिर भी दर्शन करने गए , गड़ी में स्थित पुरानी यादों को ताजा करते हुए वहां के परिसर का भी मुआयना किया, घड़ी परिसर में स्थित भगवन ब्रह्मा की दुर्लभ मूर्ति का भी अवलोकन करते हुए उसके विशेषता के संबंध में भी बताया कि यह कितनी दुर्लभ एवं पुरानी मूर्ति है, श्री प्रदीप शर्मा अपने इस व्यस्ततम दौरे पर अपने शिक्षकों को भी याद किया वह एनपी गुप्ता, शिव नारायण सर के घर गए उन्हें साल एवं माला से सम्मानित किया। उसके बाद अपने निजी मित्रों के घर में भी जाकर उनसे मुलाकात की। मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार होने के बावजूद प्रदीप शर्मा तमाम तरह के प्रशासनिक तामझाम से दूर अपने सहपाठियों के साथ पूरा दिन अत्यंत आत्मिक भाव से बिताया। जिस तरह वह अपने सहपाठियों से मिले उसे देखकर तो यही लगता है कि व्यक्ति चाहे जितना भी बड़ा हो जाए वह अपने बचपन के दिनों को भूल नहीं सकता। यादें कभी भी किसी का पीछा नहीं छोड़ती यह बात और है कि व्यक्ति पद प्रतिष्ठा पाने के बादभले ही भूलने का नाटक करे परंतु प्रदीप शर्मा उन लोगों में से नहीं है पुराने लोगों और पुरानी बातों को भूल जाए। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2020 में जब प्रदीप शर्मा मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के साथ अरपा महोत्सव के समापन अवसर पर भी आए थे तब भी उन्होंने मंच पर से ही पेंड्रा में अपने गुज़रे दिनों को याद करते हुए भाव विभोर हो गए थे। पेंड्रा स्थित अरपा उद्गम को संरक्षित करने के लिए भी प्रदीप शर्मा विशेष रूप से प्रयासरत है।

आशीष सिंह ठाकुर ने किया विकास कार्यों का भूमिपूजन

तखतपुर, 6 अक्टूबर (देशबन्धु)। नगरपालिका क्षेत्र तखतपुर में लगभग 6 करोड़ के विकास कार्यो का भूमिपूजन कांग्रेस नेता आशीष सिंह ठाकुर ने किया। जिसमें विभिन्न समाज के भवन, आहातें, स्कूल के अतिरिक्त सहित अन्य कार्य शामिल है। संबोधित करते हुए आशीष सिंह ठाकुर ने कहा कि आज जब से छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार बनी है तब से अनवरत रूप से नगरपालिका क्षेत्र का विकास हो रहा है पिछले 15 वर्षो में बीजेपी के कार्यकाल में भी इतने कार्य नही हुए है जितना की कांग्रेस ने अपने पांच वर्ष के कार्यकाल में नगरपालिका तखतपुर में कर दिखाया है। आज हर समाज के लिए सर्वसुविधा युक्त भवन उपलब्ध है जहां पर वे अपनी सामाजिक गतिविधियों के साथ साथ अन्य कार्यो का आयोजन बड़ी सुगमता से कर पा रहे हैं जब क्षेत्र के प्रतिनिधित्व करने का अवसर विधायक के रूप में श्रीमती रश्मि सिंह को मिला तो सब मिल बैठकर योजना बद्ध ढंग से कार्य की स्वीकृति के लिए प्रयास किया गया। इसी का परिणाम है कि आज नगरपालिका क्षेत्र का एक विकसित स्वरूप नजर आ रहा है। आगे भी क्षेत्र का विकास अनवरत रूप से चलता रहेगा। नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा मुन्ना श्रीवास ने कहा कि नगरपालिका क्षेत्र के 15 वार्डो में समान रूप से कार्य कराए जा रहे हैं किसी वार्ड के कार्य के लिए कोई भेदभाव नही है समान रूप से कार्य स्वीकृत भी हो रहे हैं और पूरे भी हो रहे है। नगर पालिका परिषद तखतपुर द्वारा नगर क्षेत्रान्तर्गत विभिन्न स्वीकृत कार्यो जैसे मुख्यमंत्री घोषणा अंतर्गत 150 लाख रूपए के 9 कार्य, मुख्यमंत्री स्कुल जतन योजना अंतर्गत 52.89 लाख रू. के कुल 02 कार्य, अधोसरचना मद अंतर्गत 245.77 लाख रू के कुल 40 कार्य.. राज्य प्रवर्तित योजना अंतर्गत 129.26 लाख रू. के कुल 03 कार्यो का भूमिपूजन किया गया। जिसमें मुख्यमंत्री घोषणा अंतर्गत विभिन्न समाज ब्राम्हण समाज, सिख समाज मुस्लिम समाज, ईसाई समाज कुर्मी समाज, देवांगन समाज, सूर्यवंशी समाज श्रीवास समाज को मांग अनुसार विभिन्न निर्माण कार्य की स्वीकृति की सौगात प्रदेश के मुख्यमंत्री भुपेश बघेल द्वारा दी गई थी। इस अवसर पर नगरपालिका अध्यक्ष पुष्पा मुन्ना श्रीवास, जिला पंचायत सदस्य जितेंद्र पाण्डेय, इंजीनियर कोकिला प्रधान, पार्षद मुकीम अंसारी, टेकचंद कारड़ा, लक्ष्मी यादव, हरविंदर हूरा, कैलाश देवांगन, सुनील आहुजा, बिहारी देवांगन, सुरेश सिंह ठाकुर, अभिषेक पाण्डेय, मोहित सिंह राजपूत, विमला जांगड़े, चंद्रप्रकाश देवांगन, नद्दू जायसी, दिनेश देवांगन, गिरीश कश्यप, सुरेंद्र प्रधान, अवधेश शुक्ला, बबलू गुप्ता, संदीप पटेल, जितेंद्र राज, आवेश जान, जय दुबे, आनंद श्रीवास, शैलेंद्र आहुजा, जावेद खान, अजय लूथर, आशीष वानी, कादिर खान, सनत मसीह, नित्यार्थना राय, रामाधार देवांगन, गुरूचरण सिंह हूरा, उपेंद्र खुराना, गुलजीत खुराना, चोवादास खाण्डेकर, सुनील जांगड़े, घनश्याम जांगड़े, दिनेश दुबे, अरविंद शर्मा, संजय शर्मा सहित अन्य उपस्थित रहे।

प्रथम पृष्ठ का शेष

राजस्थान, मप्र व ...

लगाने की अपील की। इसमें मांग की गई है कि चुनाव आयोग को ऐसी पार्टियां की मान्यता रद्द करनी चाहिए। केंद्र सरकार ने अश्विनी से सहमति जताते हुए सुप्रीम कोर्ट से फ्रीबीज की परिभाषा तय करने की अपील की। केंद्र ने कहा कि अगर फ्रीबीज का बंटना जारी रहा तो ये देश को भविष्य की आर्थिक आपदा की ओर ले जाएगा। फ्रीबीज मामले की सुनवाई पूर्व चीफ जस्टिस एनवी रमना की अगुआई में तीन सदस्यीय बेंच ने अगस्त 2022 में शुरू की थी। इस बेंच में जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस हिमा कोहली भी थे। फ्रीबीज मामले की सुनवाई पूर्व चीफ जस्टिस एनवी रमना की अगुआई में तीन सदस्यीय बेंच ने अगस्त 2022 में शुरू की थी। इस बेंच में जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस हिमा कोहली भी थे। चुनाव आयोग ने कहा था फ्री स्कीम्स की परिभाषा आप ही तय करें सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान 11 अगस्त को चुनाव आयोग ने कहा था कि फ्रीबीज पर पार्टियां क्या पॉलिसी अपनाती हैं, उसे रेगुलेट करना चुनाव आयोग के अधिकार में नहीं है। चुनावों से पहले फ्रीबीज का वादा करना या चुनाव के बाद उसे देना राजनीतिक पार्टियों का नीतिगत फैसला होता है। इस बारे में नियम बनाए बिना कोई कार्रवाई करना चुनाव आयोग की शक्तियों का दुरुपयोग करना होगा। कोर्ट ही तय करें कि फ्री स्कीम्स क्या हैं और क्या नहीं। इसके बाद हम इसे लागू करेंगे।

महिला जजों की संख्या में ...

कि हम कुछ खुशखबरी साझा करना चाहते हैं। यहां अदालत कक्ष में महाराष्ट्र के सिविल जज जूनियर डिवीजन के 75 न्यायाधीश हैं। 75 जजों के बैच में से 42 महिलाएं और 33 पुरुष हैं। न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा के साथ मामले की सुनवाई के लिए बेंच में बैठे सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा यह चलन पूरे देश में दिख रहा है। महिला न्यायाधीशों की संख्या अधिक है। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा कि वह दोपहर के भोजन के दौरान महिला न्यायाधीशों सहित सभी न्यायिक अधिकारियों से मुलाकात का प्रयास करेंगे। चीफ जस्टिस की टिप्पणी के बाद सुप्रीम कोर्ट में वरिष्ठ वकील दुष्यंत दवे समेत कुछ वकीलों ने सीजेआई से शीर्ष अदालत में महिला न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाने के लिए पर्याप्त कदम उठाने की अपील की।

बिहार में जातीय गणना के...

से 42 महिलाएं और 33 पुरुष हैं। न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा के साथ मामले की सुनवाई के लिए बेंच में बैठे सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा यह चलन पूरे देश में दिख रहा है। महिला न्यायाधीशों की संख्या अधिक है। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा कि वह दोपहर के भोजन के दौरान महिला न्यायाधीशों सहित सभी न्यायिक अधिकारियों से मुलाकात का प्रयास करेंगे। चीफ जस्टिस की टिप्पणी के बाद सुप्रीम कोर्ट में वरिष्ठ वकील दुष्यंत दवे समेत कुछ वकीलों ने सीजेआई से शीर्ष अदालत में महिला न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाने के लिए पर्याप्त कदम उठाने की अपील की।

लोकतंत्र की नींव पंचायत ...

बढाने का काम कर रही है, यहां का मिलेट्स प्रोसेसिंग प्लांट एशिया का सबसे बड़ा प्लांट है। प्रियंका ने आगे कहा कि बस्तर आज प्रमुख पर्यटन स्थल बन गया है, बहुत लोगो को रोजगार मिल रहा है। 60 से ज्यादा वनोपज समर्थन मूल्य पर खरीदे जा रहे हैं। इतना सारा काम आपके क्षेत्र में हो रहा है, लोग पहले यहां आने से डरते थे, हर तरफ हिंसा भय और उत्पीड़न था, आज सरकार ने इस रास्ते से आपको निकाला है।जनता की भलाई के लिए नियत की जरूरत है। इंदिरा जी की नीयत सही थी इसलिए आज भी उन पर भरोसा है। बघेल जी पर भी भरोसा है क्योंकि उन्होंने सभी वर्ग के लिए काम किये हैं। मनरेगा योजना भी हमारी सरकार ने लायी है। प्रियंका गांधी ने कहा कि आज आपके प्रदेश की चर्चा पूरे देश में है, कितना काम और कितना तेजी से विकास हो रहा है। यहां विकास गांव में हो रहा है यहां का किसान खुश है और जितने भी कार्य हो रहे हैं, यहां स्थानीय निकायों से कार्य हो रहा है। मौजूदा छत्तीसगढ़ सरकार ने पेसा कानून लागू करके इसे और भी सशक्त बनाया। आज भी अरबों रुपये के विकास कार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण हुआ है।यहां छत्तीसगढ़ की सरकार ने 24 घण्टे के भीतर ही ऋणमाफी करने का काम किया था। आज छत्तीसगढ़ की सरकार पुरानी पेंशन दे रही है। यहां 5 सालो में करोड़ो रुपये जनता के जेब में डाले गए हैं, 40 लाख लोग गरीबी रेखा से बाहर आये हैं।

प्रदेश में महुआ बोर्ड का...

नगर पंचायत अम्बागढ़ चौकी को नगर पालिका उन्नयन किये जाने हेतु निर्धारित मापदण्ड में छूट प्रदान करने का निर्णय लिया गया। नगर पंचायत नवागढ़, जिला-बेमेतरा को नगर पालिका परिषद बनाये जाने हेतु निर्धारित मापदण्ड में छूट प्रदान करने का निर्णय लिया गया। स्वास्थ्य विभाग के हड़ताल में शामिल अधिकारियों-कर्मचारियों पर एस्मा कानून के तहत बर्खास्तगी संबंधी कार्यवाही को शून्य घोषित करने का निर्णय लिया गया। श्री कल्याण सेवा आश्रम, अमरकंटक द्वारा छत्तीसगढ़ में आदिवासी एवं पिछड़ा वर्ग के कल्याण हेतु संस्कार अध्ययन शाला, चिकित्सालय एवं गौशाला निर्माण हेतु आबंटित भूमि के प्रब्याजि, वार्षिक भू-भाटक, पर्यावरण उपकर तथा अधोसंरचना उपकर में रियायत देने का निर्णय लिया गया।

चुनाव पूरी तरह हो ...

छत्तीसगढ़ और राजस्थान में कांग्रेस की सरकारें हैं। पांच राज्यों में विधानसभा चुनावों के कार्यक्रम की घोषणा से पहले, चुनाव आयोग ने राजस्थान, मिजोरम, मध्य प्रदेश, तेलंगाना और छत्तीसगढ़ में चुनाव तैयारियों का जायजा लिया है।

2-3 दिन में तारीखों के ऐलान की उम्मीद

देश के 5 राज्यों राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिजोरम में विधानसभा चुनाव होने हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, इन राज्यों में 15 नवम्बर से 7 दिसंबर तक मतदान हो सकते हैं। तारीखों का ऐलान 8 अक्टूबर के बाद कभी भी हो सकता है। 2018 में 6 अक्टूबर को तारीखों का ऐलान हुआ था।

हाईकोर्ट से ढेबर सहित ...

गया। आज सुनवाई के बाद न्यायमूर्ति गौतम भादुडी की कोर्ट ने अनवर ढेबर की रेगुलर याचिका को खारिज करते हुए जमानत देने से इंकार कर दिया है। ईडी ने मई महीने में अनवर ढेबर को अरेस्ट किया और कहा कि साल 2019 से 2022 तक 2000 करोड़ का अवैध धन शराब के जरिए कमाया, जिसे दुबई में अपने साथी विकास अग्रवाल के जरिए खपाया। ईडी की ओर से कहा गया कि अनवर ने अपने साथ जुड़े लोगों को परसेंटेज के मुताबिक पैसे बांटे और बाकी की बड़ी रकम अपने पॉलीटिकल मास्टर्स को दी है। इसके बाद जिस मामले में आबकारी विभाग के अधिकारी एपी त्रिपाठी, कारोबारी त्रिलोक ढिल्लन, नितेश पुरोहित और अरुनपति त्रिपाठी को भी गिरफ्तार किया गया था, इस केस में फिलहाल अनवर देवर को मेडिकल ग्राउंड पर जमानत पर छोड़ा गया है। इस मामले में ईडी ने अरुनपति त्रिपाठी और अफसर अनिल टुटेजा से 121। 87 करोड़ की 119 अचल संपत्ति अटैच की है। शराब घोटाला मामले में अब तक प्रदेश में कुल 180 करोड़ की संपत्ति अटैच की जा चुकी है।

जेल में कैद नरगिस मोहम्मदी को ...

हैं, जिन्हें यह पुरस्कार मिला है। नोबेल मिलने के बाद नरगिस को 8.33 करोड़ का इनाम और एक गोल्ड मेडल दिया जाएगा। नरगिस ने एक किताब भी लिखी है, जिसका नाम व्हाइट टॉर्चर है। ईरानी हुकूमत की तमाम कोशिशों के बावजूद, मोहम्मदी की आवाज दबाई नहीं जा सकी। जेल में रहते हुए उन्होंने साथी कैदियों की तकलीफ को दर्ज करना शुरू किया। आखिरकार कैदियों से बातचीत के पूरे ब्योरे को उन्होंने व्हाइट टॉर्चर किताब में उतार दिया। 2022 में उन्हें रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स के साहस पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया था।

अब तक 111 लोगों को मिला शांति का नोबेल

नोबेल शांति पुरस्कार की शुरुआत 1901 में हुई थी। अब तक यह सम्मान 111 लोग और 30 संस्थाओं को मिला है। नरगिस का जन्म कुर्दिस्तान ईरान के जंजन शहर में 21 अप्रैल 1972 में हुआ। उन्होंने फिजिक्स की पढ़ाई की थी। पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने इंजीनियर के तौर पर काम किया। वो कॉलमनिस्ट भी रहीं। कई अखबारों के लिए लिखती थीं। 1990 के दशक से ही नरगिस महिलाओं के हक के लिए आवाज उठा रही थीं। 2003 में उन्होंने तेहरान के डिफेंडर्स ऑफ ह्यूमन राइट सेंटर में काम शुरू किया।

नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं **अतुल कुमार शुक्ला** पिता **सुदामा प्रसाद शुक्ला** निवासी मकान नं.09 ग्रीन पार्क कॉलोनी जरहाभाठा बिलासपुर (छ.ग.) अपना पुराना नाम **अतुल शुक्ला** पिता **सुदामा प्रसाद शुक्ला** को त्याग कर नया नाम **अतुल कुमार शुक्ला** पिता **सुदामा प्रसाद शुक्ला** रख लिया हूं अत: आज से मुझे समस्त शासकीय व अन्य दस्तावेजों में मेरे नए नाम **अतुल कुमार शुक्ला** पिता **सुदामा प्रसाद शुक्ला** के नाम से जाना और पहचाना जावे।

अतुल कुमार शुक्ला
मकान नं.- 09,
ग्रीन पार्क कॉलोनी
जरहाभाठा
बिलासपुर (छ.ग.)

नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं Nilesh Gendale S/o Panchram Gendale निवासी मकान नं. 17 मिनी बस्ती जरहाभाठा, बिलासपुर (छ.ग.) अपना पुराना नाम Nilesh Gendle S/o Panchram Gendale को त्याग कर नया नाम Nilesh Gendale S/o Panchram Gendale रख लिया है अत: आज से मुझे समस्त शासकीय अर्ध शासकीय व अन्य दस्तावेजों में मेरे नए नाम Nilesh Gendale S/o Panchram Gendale के नाम से जाना और पहचाना जावे।

Nilesh Gendale
मकान नं.- 17,
मिनी बस्ती जरहाभाठा
बिलासपुर (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार बिल्हा जिला-बिलासपुर (छ.ग.)

ईश्तहार

क्र/ /वा./तह./2023
बिल्हा दिनांक 29/9/2023

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि, आवेदक अध्यक्ष श्री अग्रसेन शिक्षण समिति बिल्हा के द्वारा ग्राम उमरिया स्थित शासकीय भूमि ख.नं.6 में से रकबा 2.111 हे. भूमि स्कूल भवन के लिए भूमि आबंटन की मांग की गयी है।

उक्त संबध में जिस किसी भी व्यक्ति/ संस्था को किसी प्रकार की आपत्ति हो तो वह अपना आपत्ति दावा इस न्यायालय में स्वत: या अपने अभिभाषक के माध्यम से दिनांक 16.10.23 तक प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित तिथि पश्चात दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 29/9/2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी किया गया।

सील
तहसीलदार
बिल्हा,
जिला-बिलासपुर (छ.ग.)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार गनियारी
तहसील सकरी जिला बिलासपुर (छ.ग.)

// ईश्तहार //

रा.प्र.क्र. 202307075200077
अ-6-अ/ 2022-23
ग्राम नेवरा प.ह.न.21

एतद् द्वारा सर्व साधारण आम जनता ग्राम नेवरा प.ह.न. 21 रा.नि.म. गनियारी तहसील सकरी जिला बिलासपुर के आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदिका/आवेदक जगन्नाथ पिता स्व. राजाराम जाति नाई निवासी चिरमिरी तहसील चिरमिरी जिला मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (छ.ग.) के द्वारा ग्राम नेवरा प.ह.नं. 21 स्थित भूमि ख.नं. 335 340/1, 360/1, 360/3, 340/4, 340/7 रकबा 0.69, 0.48, 1.00, 0.16, 0.20 एकड़ आवेदक के स्वामित्व की भूमि है जो खरीदी हक के आधार पर आवेदक के नाम पर दर्ज हुआ है। उक्त भूमि वर्तमान में अनावेदक के नाम पर दर्ज हुआ है। जो कि त्रुटिपूर्ण है। जिसे सुधारकर अपने नाम पर राजस्व रिकार्ड अभिलेख में दर्ज कराने हेतु आवेदन पत्र अनुविभागीय अधिकारी (रा.) तखतपुर में प्रस्तुत किया है जो जांच प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय का प्राप्त हुआ है।

उपरोक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/ संस्था को आपत्ति हो तो वह मेरे न्यायालय में दिनांक 11.10.2023 को 10.30 बजे स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति पेश कर सकता है बाद में प्राप्त आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 27.09.2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा सेजारी किया गया।

सील
न्यायालय
तहसीलदार
गनियारी

कार्यालय नगर पालिक निगम बिलासपुर (छ.ग.)
जोन क्र.01 सकरी
द्वितीय मैनुअल निविदा सूचना

निविदा क्र./51/जोन क्र.01 सकरी/जन.कार्य.वि./2023 — सकरी, दिनांक 05/10/2023

कार्यालय नगर पालिक निगम, बिलासपुर, जोन क्रं-01 (सकरी) में निम्नांकित कार्य हेतु एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से मैनुअल निविदा दिनांक 20.10.2023 को सायं 3:00 बजे तक पंजीकृत डाक/स्पीड पोस्ट के माध्यम से निविदा आमंत्रित किया जाता है:-

क्र.	कार्य का नाम	प्राक्कलन राशि (लाख में)	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	निविदा प्रपत्र
1	वार्ड क्र. 01 रामरतन टेलर के घर से रजक वेल्डर के घर तक सीसी रोड निर्माण कार्य। (पिडब्लू.डी. रोड/भवन एसओआर 01.01.2015)	1.90	2000	750	प्रपत्र-अ

नोट:- कार्य का विस्तृत विवरण/निविदा शर्तें एवं अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में कार्यालय में देखी जा सकती है। जानकारी www.bilaspurnagarnigam.com में देखी जा सकती है।

वृक्षारोपण कार्य महान, एक वृक्ष सौ पुत्र समान

जोन कमिश्नर, जोन क्र.01
न.पा.नि., बिलासपुर (छ.ग.)

कार्यालय छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र बिलासपुर

आम सूचना

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल दीनदयाल आवास मंगला बिलासपुर में निर्मित एल.आई.जी. भवनों में से भवन क्रमांक एल.आई.जी.-251 श्री नित्यानंद देवांगन पिता श्री उत्तमचंद देवांगन के नाम पर नामांतरित है। भवन का विक्रय विलेख दिनांक 27.07.2010को पंजीकृत किया गया हैं। आबंटी अपने उक्त भवन को नाम श्रीमती विभा राव रिंके पति श्री अजय राव रिंके को विक्रय करना चाहते है। जिसके लिये विक्रय अनुमति हेतु इस कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

यदि किसी व्यक्ति/ शासकीय/ अर्द्धशासकीय/ वित्तीय संस्था/ बैंक इत्यादि को उक्त भवन के विक्रय के संबंध में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिन के अंदर आपत्ति प्रस्तुत करें। बाद में आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण
मण्डल संपदा प्रबंधन
प्रक्षेत्र- बिलासपुर (छ.ग.)

कार्यालय, प्रबंध संचालक, छ.ग.राज्य कृषि विपणन (मण्डी) बोर्ड बीज भवन जी.ई.रोड, तेलीबांधा, रायपुर- 492006

फोन- 0771-4240501, फैक्स- 4094472, email.secgmandiboard@ gmail.com

क्र./ बी-6/ फल-सब्जी भाटापारा/ 13-5/ 23-24/ 4846 — रायपुर, दिनांक 05/10/2023

ई-प्रोक्यूरमेंट आमंत्रण निविदा आमंत्रण सूचना

Main Portal: http://eproc.cgstate.gov.in
Sub Portal: http://samb.eproc.cgstate.gov.in

कृषि उपज मंडी समिति भाटापारा जिला बलौदाबाजार भाटापारा की ओर से छ.ग.राज्य कृषि विपणन (मंडी) बोर्ड द्वारा ऑनलाईन निविदा छ.ग.लोक निर्माण विभाग की पंजीयन प्रणाली अंतर्गत 'अ' श्रेणी में पंजीकृत निविदाकारों से प्रपत्र 'अ' प्रतिशत दर पर अधोलिखित निर्माण कार्यों हेतु निविदाएं आमंत्रित की जाती है :-

ऑनलाईन निविदा डालने की अंतिम तिथि - 26.10.2023
फिजिकल सबमिशन की अंतिम तिथि - 01.11.2023

क्र.	कार्य का नाम/ स्थल	अनुमानित लागत (लाख में)	एस.ओ.आर. विवरण
1	कृषि उपज मंडी समिति भाटापारा के नवीन उपमंडी में (1) ऑफिस बिल्डिंग (2) व्यापारी रेस्ट हाउस (3) किसान भवन (4) हमाल रेस्ट हाउस 02 नग (5) रेजा हमाल रेस्ट हाउस 02 नग (6) 30 बिस्तर रेस्ट हाउस (7) यूटिलीटि ब्लॉक (8) कैंटी (9) सेण्ड्रीशॉप 05 नग (10) शॉप कम गोदाम 01 नग (11) टायलेट ब्लॉक 02 नग (12) गोदाम 04 नग (13) 'जी' टाईप अपार्टमेन्ट 03 नग (14) बंग्लो 01 नग (15) कव्हर्ड लोडिंग/ अनलोडिंग शेड 07 नग (16) ओपन लोडिंग/ अनलोडिंग शेड 04 नग (17) साईट डेव्हलपमेंट कॉस्ट सिविल वर्क (18) बाह्य इलेक्ट्रीफिकेशन (19) सबस्टेशन (20) डी.जी.शेड (21) एरिया लाईटिंग सहित निर्माण कार्य।	5427.77	लो.नि.वि. भवन, सड़क, ब्रिज कार्य हेतु दि.01.01.2015 एवं विद्युत कार्य हेतु दि. 01.07.2015 से प्रभावाशील एस.ओ.आर.

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य एवं विशेष शर्तें, धरोहर राशि, निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in वेबसाईट पर निर्धारित तिथि तक देखें जा सकते हैं।

सही/-
सचिव
कृषि उपज मंडी समिति भाटापारा
जिला बलौदाबाजार-भाटापारा

संवाद- 38900/1

सही/-
अध्यक्ष
कृषि उपज मंडी समिति भाटापारा
जिला बलौदाबाजार-भाटापारा

कार्यालय कार्यपालन अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड बिलासपुर (छ.ग.)

पता:- पुराना कम्पोजिट बिल्डिंग, कक्ष क्र.18, कलेक्टोरेट के सामने, Phone No. 07752- 250593, Email ID- eebil-phe-cg@gov.in

:: संशोधन क्रमांक 01 :: जी क्रमांक- 05286 / 2

ऑन लाईन निविदा को अपरिहार्य कारणों से निविदा की तिथियों में ऑनलाईन संशोधन की जाती है। जिसका विवरण निम्नानुसार है।

निविदा क्र. / दिनांक	सिस्टम क्रमांक	पूर्व निर्धारित तिथि			संशोधित तिथि		
		Online Bid Due Date	Physical Doc Submission End Date	Opening of Financial Bid	Online Bid Due Date	Physical Doc Submission End Date	Opening of Financial Bid
41/08.09.23	147007	29.09.23	01.10.23	02.10.23	10.10.23	12.10.23	13.10.23
42 /08.09.23	147008						
43 /08.09.23	147009						
44 /08.09.23	147010						
45 /08.09.23	147011						
46 /08.09.23	147012						
47 /08.09.23	147099						

ऑनलाईन निविदा की अन्य शर्तें पूर्ववत रहेगी एवं अन्य विवरण/ विस्तृत जानकारी छ.ग.शासन लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाइट https://eproc.cgstate.gov.in में देखें जा सकते हैं।

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खंड
बिलासपुर (छ.ग.)

जी- 05974/1

कार्यालय छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र बिलासपुर

आम सूचना

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल दीनदयाल आवास मंगला बिलासपुर (छ.ग.) में निर्मित भवनों में से भवन क्रमांक एल.आई.जी.-485, श्री किशोर कुमार गुप्ता पिता श्री प्रेमचंद गुप्ता के नाम पर आबंटित है। भवन का विक्रय विलेख दिनांक 06.12.2012 को पंजीकृत किया गया है। इसके उपरांत द्वितीय क्रेता द्वारा विक्रय विलेख दिनां्क 02.06.2023 को पंजीकृत कराने के पश्चात उक्त भवन को श्री रामलाल मालवी पिता स्व. सुखराम मालवी के नाम पर नामांतरण करने हेतु आवेदन किया गया है।

यदि किसी व्यक्ति/ शासकीय/ अर्द्धशासकीय/ वित्तीय संस्था/ बैंक आदि को इस भवन के नामांतरण/ हस्तांतरण के संबंध में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो वह अधोहस्ताक्षरकर्ता इस कार्यालय में लिखित रूप से मय प्रमाणित दस्तावेज सहित दावा/ आपत्ति कर सकता है अन्यथा इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिन के बाद में कोई दावा/ आपत्ति मान्य नहीं होगी एवं मण्डल नियमानुसार उनके पक्ष में नामांतरण/ हस्तांतरण कार्यवाही की जावेगी।

संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण
मण्डल संपदा प्रबंधन
प्रक्षेत्र- बिलासपुर (छ.ग.)

कार्यालय छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र बिलासपुर

आम सूचना

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा पं. दीनदयाल नगर देवरीखुर्द बिलासपुर में ह्यह्यह्यनिर्मित भवनों में से क्रमांक एम.आई.जी.-08 आबंटी श्रीमती संतोषी लहरे, पति श्री अजय लहरे को आबंटित भवन का विक्रय विलेख दिनांक - 06.02.2020 को पंजीकृत किया गया है। इसके उपरांत द्वितीय क्रेता द्वारा विक्रय विलेख दिनांक 25.11.2022 को पंजीकृत कराने के पश्चात उक्त भवन को श्री सौरभ मानिकपुरी, पिता श्री राजकुमार मानिकपुरी के नाम पर नामांतरण करने हेतु आवेदन किया गया है।

यदि किसी व्यक्ति/ शासकीय/ अर्द्धशासकीय/ संस्था/ आदि को इस भवन के नामांतरण/ हस्तांतरण के संबंध में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो वह अधोहस्ताक्षरकर्ता इस कार्यालय में लिखित रूप से मय प्रमाणित दस्तावेज सहित दावा/ आपत्ति कर सकता है अन्यथा इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिन के बाद में कोई दावा/ आपत्ति मान्य नहीं होगी एवं मण्डल नियमानुसार उनके पक्ष में नामांतरण/ हस्तांतरण कार्यवाही की जावेगी।

संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण
मण्डल संपदा प्रबंधन
प्रक्षेत्र- बिलासपुर (छ.ग.)

कार्यालय छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र बिलासपुर

आम सूचना

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल अटल आवास निरतू (तखतपुर) बिलासपुर में निर्मित अटल आवास भवनों में से भवन क्रमांक अटल आवास-49 मूल आबंटी श्री नीरज कुमार शर्मा पिता श्री राजकुमार शर्मा के नाम पर आबंटित है। भवन का विक्रय विलेख दिनांक 03.10.2013 को पंजीकृत किया गया है। आबंटी अपने उक्त भवन को नाम श्रीमती प्रतिमा लोनिया पति श्री हितेन्द्र कुमार लोनिया को विक्रय करना चाहते है। जिसके लिये विक्रय अनुमति हेतु इस कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

यदि किसी व्यक्ति/ शासकीय/ अर्द्धशासकीय/ वित्तीय संस्था/ बैंक इत्यादि को उक्त भवन के विक्रय के संबंध में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिन के अंदर आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण
मण्डल संपदा प्रबंधन
प्रक्षेत्र- बिलासपुर (छ.ग.)

देश

उवाच “

बीजेपी की फैक्ट फाइंडिंग कमेटी ने गुरुवार को शिवमोग्गा शहर का दौरा किया, जहां ईद-ए-मिलाद जुलूस के दौरान हिंसा हुई थी, उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि हिंदू गुहार लगा रहे हैं कि उन्हें अपना जीवन जीने की इजाजत दी जाए, जिन बच्चों को उन्होंने पढ़ाया, उन्होंने ही उनके घरों पर पथराव किया:-**श्रीनिवास पुजारी, एमएलसी**

तापमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	36.3	18.6
मुंबई	32.	24.6
कोलकाता	33.3	26.6
चेन्नई	35.3	24.8

जातिगत जनगणना पर रोक लगाने, यथास्थिति आदेश से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। उच्चतम न्यायालय ने जाति जनगणना करने और उसे प्रकाशित करने के बिहार सरकार के फैसले पर रोक लगाने या यथास्थिति बनाए रखने से इनकार करते हुए शुक्रवार को कहा कि वह राज्य सरकार या किसी भी सरकार को निर्णय लेने से नहीं रोक सकता। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और एस वी एन भट्टी की पीठ ने स्वयंसेवी संस्थाओं - एक सोच एक प्रयास, यूथ फॉर इक्वलिटी और अन्य की याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए कहा कि फिलहाल यथास्थिति का आदेश नहीं दिया जा सकता, क्योंकि राज्य सरकार को नीतिगत निर्णय लेने से रोकना गलत होगा।

■ पटना उच्च न्यायालय ने एक अगस्त को राज्य में जातिगत जनगणना कराने के बिहार सरकार के छह जून 2022 के फैसले को उचित ठहराया था

पीठ ने मौखिक रूप से कहा, 'हम राज्य सरकार या किसी भी सरकार को निर्णय लेने से नहीं रोक सकते।, पीठ ने हालांकि कहा, 'हम आंकड़े एकत्र करने के राज्य के अधिकार और अन्य सभी मुद्दों की जांच करने जा रहे हैं।' शीर्ष अदालत ने जाति जनगणना कराने के राज्य सरकार के फैसले को बरकरार रखने के पटना उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर राज्य सरकार को नोटिस जारी किया। पीठ ने बिहार सरकार को चार सप्ताह के भीतर जवाब दाखिल करने का निर्देश देते हुए कहा कि वह इस मामले में जनवरी 2024 विचार करेगी। इसके बाद याचिकाकर्ताओं को प्रत्युत्तर दाखिल करने के लिए चार सप्ताह का समय भी दिया गया। पीठ ने संक्षिप्त सुनवाई के दौरान एक समय राज्य सरकार से पूछा कि उसने आंकड़े (जातिगत) क्यों प्रकाशित किया। इस पर बिहार सरकार के वरिष्ठ वकील श्याम दीवान ने कहा कि अदालत ने जनगणना प्रकाशन की तारीख के खिलाफ कभी कोई आदेश पारित नहीं किया। इस अदालत ने संकेत दिया था कि वह सबसे पहले यह तय करेगी कि नोटिस जारी किया जाए या नहीं।

■ राज्य सरकार या किसी भी सरकार को निर्णय लेने से नहीं रोक सकता, फिलहाल यथास्थिति का आदेश नहीं दिया जा सकता, क्योंकि राज्य सरकार को नीतिगत निर्णय लेने से रोकना गलत होगा:-न्यायालय

वरिष्ठ अधिवक्ता अपराजिता सिंह के नेतृत्व में याचिकाकर्ताओं ने दलील दी कि राज्य सरकार ने जातिगत जनगणना प्रकाशित की है। इसके खिलाफ पिछले आश्वासन के बावजूद इस अदालत को मामले की वैधता की जांच करने से एक तरह से रोक दिया है। इस पर पीठ ने कहा कि राज्य सरकार की ओर से ऐसा कोई आश्वासन नहीं मिला है। इसके बाद याचिकाकर्ताओं ने यथास्थिति बनाए रखने और राज्य सरकार को जातिगत विवरण जुटाने की कार्रवाई करने से रोकने का निर्देश देने की गुहार लगाई। उन्होंने कहा कि जाति विवरण एकत्र करने का राज्य का निर्णय 'केएस पुट्टास्वामी' मामले में शीर्ष अदालत के फैसले के विपरीत था। केएस पुट्टास्वामी मामले में शीर्ष अदालत ने निजता के अधिकार को मौलिक अधिकार के रूप में मान्यता दी थी। पीठ ने याचिकाकर्ताओं की इस दलील को अस्वीकार कर दिया। अदालत ने गोपनीयता के संबंध में तर्कों को भी खारिज कर दिया। पीठ ने याचिकाकर्ताओं से कहा, 'आम तौर पर सभी नीतियां आंकड़ों पर निर्भर और आधारित होती हैं। हम आपकी बात सुनेंगे। उच्च न्यायालय का फैसला काफी विस्तृत है।' शीर्ष अदालत ने कहा कि वह इस बात पर विचार करेगी कि आम जनता को (जातिगत) आंकड़े का कितना हिस्सा उपलब्ध कराया जा सकता है, क्योंकि इसमें पारदर्शिता का सवाल शामिल है या क्या अदालत को इस मुद्दे की जांच करनी चाहिए।

ठाकरे ने की महाराष्ट्र सरकार के भ्रष्टाचार की सीबीआई जांच व मरीजों की मदद की मांग

मुंबई, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। शिवसेना (यूबीटी) के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने महाराष्ट्र सरकार पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया और हाल ही में नांदेड़ में अस्पताल में हुई मौतों की 'सीबीआई जांच' की मांग की। मीडिया से बात करते हुए, ठाकरे ने कहा कि राज्य की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली 'एजेंटों', पोस्टिंग के लिए रेट-कार्ड, सौदों में कमीशन और अन्य बुराइयों के माध्यम से होने वाले घोर भ्रष्टाचार के कारण चरमरा गई है। 'यह वही स्वास्थ्य देखभाल व्यवस्था है, जो मेरे पास तब थी जब मैं कोविड-19 महामारी के दौरान महा विकास अघाड़ी सरकार का नेतृत्व कर रहा था। ठाकरे ने कहा, हमारे पास वही डॉक्टर, कर्मचारी, बुनियादी ढांचा और अन्य चीजें थीं, कोरोना आपातकाल में इसने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया था, लेकिन अब स्थिति देखिए, क्या गलत हुआ है। उन्होंने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की इस बात के लिए आलोचना की कि वे नई दिल्ली में बैठकर इस बात पर चर्चा कर रहे थे कि जब लोग यहां सरकारी अस्पतालों में मर रहे हैं, तो माओवादी समस्या से कैसे निपटा जाए।

अपर भद्रा परियोजना के लिए एक भी रुपया जारी नहीं किया गया: कर्नाटक सीएम

चित्रदुर्ग (कर्नाटक), 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री सिद्दारमैया ने शुक्रवार को कहा कि बड़े-बड़े दावों के बाद, केंद्र सरकार ने अपर भद्रा परियोजना के लिए एक भी रुपया जारी नहीं किया है। चित्रदुर्ग में पत्रकारों से बात करते हुए सीएम ने कहा कि केंद्र सरकार और तत्कालीन मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने अपर भद्रा को राष्ट्रीय परियोजना घोषित करने और 5,300 करोड़ रुपए जारी करने के बड़े दावे किए थे। इस संबंध में आज तक एक भी रुपया जारी नहीं किया गया है। सीएम ने कहा, 'मैंने इस संबंध में केंद्र सरकार को पत्र लिखा है। हमारे मंत्री ने संबंधित व्यक्ति से मुलाकात की थी और मैंने भी दौरा किया है। छह महीने बीत चुके हैं, और कुछ भी आगे नहीं बढ़ रहा है।' उन्होंने कहा कि वह इस साल के बजट में परियोजना के लिए धन आवंटित करेंगे और आने वाले वर्षों में और अधिक धन आवंटित करेंगे। अपर भद्रा परियोजना राज्य की महत्वपूर्ण सिंचाई परियोजनाओं में से एक है और इससे मध्य कर्नाटक में सूखा प्रभावित और शुष्क भूमि में एक लाख हेक्टेयर से अधिक भूमि की सिंचाई होने की उम्मीद है। साथ ही यह एक पेयजल परियोजना भी है जिससे लाखों गांवों को फायदा होगा। राज्य ने इस परियोजना को राष्ट्रीय परियोजना घोषित करने के लिए केंद्र सरकार को एक प्रस्ताव भेजा था। यह घोषणा विधानसभा चुनाव से दो महीने पहले कर्नाटक में सत्तारूढ़ भाजपा द्वारा की गई थी। केंद्र सरकार ने लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करते हुए अपर भद्रा योजना को राष्ट्रीय परियोजना घोषित किया था और परियोजना के लिए 5,300 करोड़ रुपये की घोषणा की थी।

केंद्र सरकार अपर भद्रा को राष्ट्रीय परियोजना घोषित करने और 5,300 करोड़ रुपए जारी करने के बड़े दावे किए थे। इस संबंध में आज तक एक भी रुपया जारी नहीं किया गया:- सिद्दारमैया, मुख्यमंत्री

भाजपा समाज को बांट रही है: डी.के. शिवकुमार

बेंगलुरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने शुक्रवार को भाजपा पर समाज को बांटने का आरोप लगाया। वह भाजपा के आरोपों पर प्रतिक्रिया दे रहे थे जिनमें कहा गया था कि शिवमोग्गा शहर में भय का माहौल बनाने के लिए हिंदुओं को निशाना बनाया गया, जहां हाल ही में ईद मिलाद जुलूस के दौरान हिंसा हुई थी। पत्रकारों से बात करते हुए शिवकुमार ने कहा कि कांग्रेस सरकार लोगों को एक साथ लाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा, 'हमारे जिला प्रभारी मंत्री ने शिवमोग्गा शहर में हिंदुओं और मुसलमानों से मुलाकात की और उनसे बात की। उन्होंने उन्हें धैर्यपूर्वक सुना है।' शिवकुमार ने कहा, 'यहां किसी की रक्षा करने का कोई सवाल ही नहीं है। जिसने भी कानून का उल्लंघन किया है और अपराध किया है, उसे दंडित किया जाएगा। लेकिन, भाजपा नेता अपनी सूची के अनुसार चयनित घरों में गए थे।'

सार संक्षेप

अभिनेता धर्मेंद्र को किशोर कुमार एवं संगीतकार उत्तम सिंह को लता मंगेशकर सम्मान

भोपाल। मध्यप्रदेश संस्कृति विभाग ने वर्ष 222 के राष्ट्रीय किशोर कुमार सम्मान एवं राष्ट्रीय लता मंगेशकर सम्मान की घोषणा की है। वर्ष 222 के लिए राष्ट्रीय किशोर कुमार सम्मान प्रसिद्ध अभिनेता धर्मेन्द्र देओल को और राष्ट्रीय लता मंगेशकर सम्मान संगीत निर्देशक उत्तम सिंह को प्रदान किया जायेगा। राष्ट्रीय लता मंगेशकर सम्मान एवं राष्ट्रीय किशोर कुमार सम्मान के तहत 5 लाख की सम्मान राशि, सम्मान पट्टिका एवं शॉल-श्रीफल प्रदान किया जायेगा। प्रमुख सचिव संस्कृति और पर्यटन शिव शेखर शुक्ला ने बताया कि राष्ट्रीय लता मंगेशकर सम्मान भी बारी-बारी से पार्श्व गायन एवं संगीत निर्देशन के क्षेत्र में दिया जाता है। वर्ष 222 का यह सम्मान संगीत निर्देशन के लिए दिया जाना था।

तेलंगाना के गृह मंत्री ने गनमैन को 'थप्पड़' मारा

हैदराबाद। तेलंगाना के गृह मंत्री मोहम्मद महमूद अली ने शुक्रवार को अपने गनमैन को थप्पड़ मार दिया। इसके बाद वह विवादों में घिर गए हैं। दरअसल, गनमैन ने समय पर गुलदस्ते की व्यवस्था नहीं की थी जिसके चलते उन्होंने उसे थप्पड़ जड़ दिया। यह घटना हैदराबाद में तब घटी जब मोहम्मद महमूद अली पशुपालन मंत्री टी. श्रीनिवास यादव को उनके जन्मदिन पर बधाई देने पहुंचे थे। शहर के दोनों मंत्री सीएम ब्रेकफास्ट स्कीम के शुभारंभ के लिए एक सरकारी स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा ले रहे थे। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में देखा जा सकता है राज्य के गृह मंत्री हाथ उठाते दिख रहे हैं, लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि उन्होंने उन्हें थप्पड़ मारा या नहीं।

कुलियों के लिए रेट बढ़ाने पर राहुल गांधी ने रेलवे को दिया धन्यवाद

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को देश भर में कुलियों की मजदूरी बढ़ाने के लिए रेलवे को धन्यवाद दिया। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'यह देखकर अच्छा लगा कि भारतीय रेलवे और सरकार ने मेरे कुली भाइयों की आवाज सुनी है।' उनकी यह टिप्पणी उत्तर रेलवे द्वारा 26 सितंबर के एक आदेश में अपने जोन के कई स्टेशनों पर कुलियों के लिए दरों को संशोधित करने के निर्णय के बाद आई है। संशोधित दरों के अनुसार, लोगों को ए सूची स्टेशनों पर 2 मिनट की प्रति यात्रा 4 किलोग्राम तक सामान के लिए 1 रुपए के बजाय 14 रुपये का भुगतान करना होगा, जबकि बी सूची स्टेशनों पर लोगों को 2 मिनट की 4 किलोग्राम तक के सामान के लिए 1 रुपए का भुगतान करना होगा।

तेलंगाना सरकार ने सरकारी स्कूलों के छात्रों के लिए मुख्यमंत्री नाश्ता योजना शुरू की

हैदराबाद, 6 अक्टूबर (देशबन्धु)। तेलंगाना के वित्त और स्वास्थ्य मंत्री हरीश राव ने शुक्रवार को कहा कि तेलंगाना राज्य लोगों के कल्याण के लिए अनूठी योजनाएं पेश कर कई राज्यों के लिए उदाहरण पेश कर रहा है। रंगा रेड्डी जिले के अंतर्गत रविरयाला गांव में सरकारी स्कूल के विद्यार्थियों के लिए मुख्यमंत्री नाश्ता योजना का शुभारंभ करते हुए मंत्री ने कहा कि छात्रों के लिए नाश्ते की मुख्यमंत्री की पसंदीदा अवधारणा राज्य में स्कूल जाने वाले बच्चों के लिए पौष्टिक भोजन प्रदान करने के दृष्टिकोण के साथ शुरू की गई है। योजना के शुभारंभ कार्यक्रम में मंत्री सबिता इंद्रा रेड्डी, पटनम महेंदर रेड्डी, सांसद बीबी पाटिल और रंजीत रेड्डी भी उपस्थित थे।

■ राज्य के मंत्रियों ने स्कूलों में छात्रों के साथ नाश्ता करके योजना का किया उद्घाटन

मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव ने पिछले महीने दशहरा उपहार के रूप में इस योजना की घोषणा की थी। इस योजना से राज्य के खजाने पर सालाना 400 करोड़ रुपए का अतिरिक्त खर्च आएगा। वित्त और स्वास्थ्य मंत्री हरीश राव ने घोषणा की कि तेलंगाना राज्य सरकारी स्कूल के छात्रों को नाश्ता उपलब्ध कराने वाला देश का पहला राज्य है। उन्होने कहा कि मुख्यमंत्री केसीआर मानवीय दृष्टिकोण से योजनाओं और अवधारणाओं को तैयार कर इसका विस्तार कर रहे हैं। मंत्री ने बताया कि लगभग सभी कल्याणकारी कार्यक्रमों का उद्देश्य राज्य में जरूरतमंदों को मदद करना है।

आईटी मंत्री केटी रामा राव ने सिकंदराबाद में वेस्ट मेरेडपल्ली के एक स्कूल में मुख्यमंत्री नाश्ता योजना का शुभारंभ किया। रामा राव ने कहा कि स्कूली छात्रों का 'नाश्ता बहुत लजीज है और इसका स्वाद भी बहुत अच्छा है। उन्होंने अधिकारियों से यह सुनिश्चित करने को कहा कि भोजन की गुणवत्ता बनी रहे और गुणवत्ता का बार-बार और नियमित रूप से परीक्षण करने के लिए नमूने एकत्र किए जाएं। राज्य के नगरपालिका प्रशासन और शहरी विकास मंत्री के.टी रामाराव ने कहा कि राज्य भर के 67,147 सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले लगभग 23 लाख छात्रों को नाश्ता परोसा जाएगा। कक्षा 1 से 10 तक के सभी छात्रों को नाश्ता कक्षा शुरू होने से 45 मिनट पहले परोसा जाएगा। नाश्ते के मेनू में इडली सांबर, गेहूं रवा, उपमा चटनी, पूरी, आलू खोरमा, टमाटर भात, खिचड़ी और पोंगल शामिल हैं।

शिक्षा मंत्री सबिता इंद्रा रेड्डी ने रंगारेड्डी जिले के रविराला में एक स्कूल में योजना का उद्घाटन किया। गृह मंत्री महमूद अली ने हैदराबाद के उप्पल इलाके में मुख्यमंत्री नाश्ता योजना शुरू की। राज्य सरकार ने कहा कि वह गरीब परिवारों के छात्रों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के साथ-साथ पढ़ाई पर उनकी एकाग्रता बढ़ाने की दिशा में कदम उठा रही है। अधिकारियों की टीम ने छात्रों के लिए नाश्ता योजना का अध्ययन कर सरकार को एक रिपोर्ट सौंपी। मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने हाई स्कूल के छात्रों को भी शामिल करके इस योजना को शुरू करने का निर्णय लिया है। केटीआर ने कहा कि योजना का कार्यान्वयन मन्ना ट्रस्ट को सौंपा गया है, जिसकी हैदराबाद के उप्पल में दो लाख भोजन की क्षमता वाली एक केंद्रीकृत रसोई है।

अस्पताल में पिस्टल ले जाने का सवाल पूछा गया तो भड़के जदयू विधायक

पटना, 6 अक्टूबर (देशबन्धु)। नीतीश कुमार के विधायक लगातार बेकाबू होते जा रहे हैं। दरअसल जदयू विधायक गोपाल मंडल हमेशा अपने कारनामों के लिए चर्चा में रहते हैं। लेकिन, शुक्रवार को गोपाल मंडल ने सारी हदें पार कर दी और जदयू कार्यालय में सरेआम खूब गाली-गलौच की। सवाल पूछने पर भड़के गोपाल मंडल ने पत्रकारों को खूब गालियां दी। दरअसल मुख्यमंत्री नीतीश कुमार शुक्रवार को जदयू प्रदेश कार्यालय में अचानक पहुंचे। उनके बाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह और उमेश कुशवाहा भी पहुंचे। साथ ही साथ अपने कारनामों के लिए चर्चित जेडीयू के विधायक गोपाल मंडल भी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मिलने जदयू कार्यालय पहुंचे थे। लेकिन, इसी बीच जब गोपाल मंडल से उनके द्वारा अस्पताल में पिस्टल लिए जाने का सवाल पूछा गया तो गोपाल मंडल भड़क उठे और सवाल पूछने वाले पत्रकारों को भद्दी-भद्दी गालियां देनी शुरू कर दी। बताते चले कि गोपाल मंडल ने कहा कि मुझे पिस्टल ले जाने से कोई नहीं रोक सकता। मैं अपने पास हमेशा पिस्टल रखता हूं और आज भी मेरे पास पिस्टल है। सवाल पूछने वाले पत्रकारों को कहा कि आप मेरे बाप नहीं की मुझसे सवाल पूछ रहे हैं। गोपाल मंडल के इस बदसलूकी पर जदयू के लोग भी बहुत बोलते नजर नहीं आ रहे हैं। जदयू नेता और बिहार सरकार के भवन निर्माण मंत्री अशोक चौधरी ने कहा कि यह मामला दुर्भाग्यपूर्ण है।

■ देने लगे भद्दी-भद्दी गाली

वित्तीय अनियमितता के आरोप में कुलपति सहित 4 अधिकारियों पर केस

मुजफ्फरपुर/पटना, 6 अक्टूबर (देशबन्धु)। बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर बिहार विश्वविद्यालय के कुलपति, कुलसचिव, वित्तीय सलाहकार और वित्त पदाधिकारी के खिलाफ वित्तीय अनियमितता के आरोप में विश्वविद्यालय थाना में प्राथमिक की दर्ज कराई गई है। RDDE डॉ देवेंद्र कुमार की ओर से दिए गए आवेदन के आधार पर यह प्राथमिक की दर्ज की गई है। उच्च शिक्षा निदेशक डॉ. रेखा कुमारी के आदेश के बाद दर्ज प्राथमिकी के बाद से ही विश्वविद्यालय परिसर में माहौल तनावपूर्ण हो गया है।

■ उच्च शिक्षा निदेशक डॉ. रेखा कुमारी के आदेश के बाद दर्ज प्राथमिकी के बाद से ही विश्वविद्यालय परिसर में माहौल तनावपूर्ण हो गया

कुलपति डॉक्टर शैलेंद्र कुमार चतुर्वेदी सहित 4 अधिकारियों पर केस के बाद विश्वविद्यालय का काम ठप हो गया है। विश्वविद्यालय में चल रही परीक्षाएं तत्काल रद्द कर दी गयी हैं और पठन-पाठन भी रुक गया है।शिक्षा विभाग के खिलाफ गुस्से में शिक्षक और कर्मचारी, शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव केके पाठक के खिलाफ नारेबाजी की है। बता दें कि यूनिवर्सिटी थाना में दिए गए आवेदन के अनुसार, दैनिक वेतन भोगी कर्मियों के भुगतान, स्टेशनरी की खरीदारी, गोपनीय प्रिंटिंग प्रेस से बिना निविदा व इकरारनामा के प्रश्न पत्र की छपाई सहित बड़े पैमाने पर वित्तीय अनियमिकता की गई थी। इस मामले को लेकर 27 सितंबर को ही कुलसचिव को इसमें संलिप्त पदाधिकारी के खिलाफ FIR करने का आदेश दिया गया था।

शिक्षा से लेकर राजनीतिक सम्मान तक आदिवासी समाज के लिए ऐतिहासिक क्रांति

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर (देशबन्धु)। जब आदिवासी समाज का प्रतिनिधित्व करने वाली द्रौपदी मुर्मू को देश की प्रथम नागरिक राष्ट्रपति का सम्मान देने की तैयारी की जा रही थी, उस समय कांग्रेस के राष्ट्रीय स्तर के कई वरिष्ठ पदाधिकारियों ने इस सम्मान को अपमान में बदल कर रख दिया था। सार्वजनिक रूप से टीवी चैनल के सामने कांग्रेस पार्टी के इन वरिष्ठ पदाधिकारियों ने सीधे-सीधे राष्ट्रपति पद और आदिवासी समाज को अपमानित किया था। लेकिन केंद्र और मध्यप्रदेश में भाजपा सरकार द्वारा आदिवासी समाज के राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक एवं विकासवादी दृष्टि से उत्थान के लिए ऐतिहासिक प्रयास किए जा रहे हैं। आदिवासी विकास से संबंधित केंद्र की योजनाओं का बजट जहां 20 गुना से अधिक कर दिया गया है, वहीं दूसरी ओर मध्य प्रदेश में भी आदिवासी समाज का विकास बजट 38 प्रतिशत तक पहुंच चुका है, जो कांग्रेस की सरकार में मात्र 9 प्रतिशत था ।

वर्ष 2014 के बाद अगर राजनीतिक सम्मान की दृष्टि से देखा जाए तो केंद्र सरकार की कई शासकीय, अशासकीय संस्थाओं में शीर्ष पदों पर

■ केंद्र एवं राज्य में भाजपा ने दिया सम्मान, बजट में 20 गुना अधिक प्रगति

आज आदिवासी समाज से जुड़े लोग सम्मान पा रहे हैं । वहीं दूसरी ओर सर्वोच्च अर्थात राष्ट्रपति पद पर आदिवासी समाज का प्रतिनिधित्व करने वाली महिला ही विराजमान है । वर्ष 2014 के बाद आदिवासी समाज का प्रतिनिधित्व केंद्र सरकार में विभिन्न पदों पर 3त्न से बढ़कर आज 14 प्रतिशत हो चुका है । 2014 से 2023 के बीच आदिवासी समाज की शिक्षा से लेकर उनकी विकास योजनाओं के लिए केंद्र सरकार का बजट लगभग 12 प्रतिशत बढ़ चुका है ।

आदिवासी समाज के शिक्षा स्तर में प्रगति

राष्ट्रीय स्तर पर एकलव्य विद्यालय योजना का प्रारंभ अटल बिहारी वाजपेई की सरकार में हुआ था और उसके बाद वर्ष 2004 से 2014 के बीच 10 वर्षों में केवल 90 एकलव्य आदिवासी स्कूल खोले गए थे, परंतु 2014 से 2023 के बीच हिंदुस्तान भर में 500 से अधिक एकलव्य विद्यालय संचालित हो रहे हैं। एक लाख से ज्यादा जनजातीय छात्र-छात्राएं हर वर्ष नए एडमिशन ले रहे हैं। ये एकलव्य विद्यालय आदिवासी समाज के बीच का 100 प्रतिशत सम्मानजनक स्थान पा चुके हैं ।

दर्जनों योजनाओं से बदलती मप्र की तस्वीर

मध्य प्रदेश में पिछले 18 वर्ष के अंतराल में आदिवासी समाज के हित में कुपोषण से मुक्ति के लिए आहार अनुदान योजना से लेकर शिक्षा योजना तक राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कृत कई योजनाएं चलाई जा रही हैं। पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति, आवास सहायता, मुख्यमंत्री मदद योजना, छात्रावास योजना एवं प्रतिभा योजना जैसी कई योजनाएं संचालित हैं जो आदिवासी समाज के बीच भाजपा सरकार का स्पष्ट प्रतिनिधित्व करती है।

नर्मदा बचाओ आंदोलन

नर्मदा बचाओ आंदोलन के साथ नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण के वरिष्ठ अधिकारियों की हुई विशेष बैठक

2023 के हजारों डूबग्रस्त परिवारों को तत्काल राहत और पुनर्वास का आश्वासन

भोपाल, 6 अक्टूबर (देशबन्धु)। नर्मदा बचाओ आंदोलन के सैकड़ों किसान मजदूरों ने 2 से 4 अक्टूबर तक मध्यप्रदेश के संयुक्त किसान मोर्चा के सदस्य संगठन और श्रमिक जनता संघ सहित अनेक श्रमिक संगठनों के साथ नीलम पार्क, भोपाल में धरना दिया। धरने पर विविध सामाजिक कार्यकर्ताओं के अलावा 5 राजनीतिक दलों के वरिष्ठ प्रतिनिधियों ने पहुंचकर आवेदन स्वीकारा और किसान- मजदूरों की विशेष मांगे स्वीकारकर अपने घोषणा पत्र/ संकल्प पत्र में सम्मिलित करने का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री जी के निवास पर पैदल जुलूस द्वारा पहुंचने का निर्णय लेने के बाद अनेक विशेष अधिकारी, ह्रष्ठ संतोष शर्मा स्वयं वहां पहुंचे और उन्होंने संगठनों के प्रतिनिधियों की बात सुनी तथा आवेदन स्वीकारकर मुख्यमंत्री जी तक त्वरित पहुंचाने का भरोसा दिया।

रोज नर्मदा आंदोलन के 20 किसान- मजदूर, डूबग्रस्त प्रतिनिधि एवं मेधा पाटकर सहित कार्यकर्ताओं के साथ, नर्मदा भवन, भोपाल में अपर मुख्य सचिव और नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष एस.एन.मिश्रा जी तथा मा. आयुक्त, ह्रष्ठ, मालसिंह भयडिया जी के साथ, अन्य अधिकारियों की उपस्थिति में 3 घंटे चर्चा हुई7 इस साल बड़वानी, धार, खरगोन, अलीराजपुर जिले के करीबन 150 गावों में आयी डूब, नर्मदा नियंत्रण प्राधिकरण ने सरदार सरोवर का अधिकतम जलस्तर तथा बैकवाटर लेवल्स, केंद्रीय जल आयोग ने 1984 में तय किये लेवल्स बदलकर 15946 परिवारों को 'डूब से बाहर' करने से, बर्बादी ला चुकी है। इस मुद्दे पर विविध अहवाल और नर्मदा ट्रिब्यूनल फैसले का आधार लेकर आंदोलनकारियों ने हकीकत प्रस्तुत की। अधिकारियों ने पूर्व में तय किये बैकवाटर लेवल्स ही मान्य करने के लिए नर्मदा नियंत्रण प्राधिकरण से चर्चा और निर्णय प्रक्रिया का आश्वासन दिया। बड़वानी, धार, खरगोन जिले में, नावड़ाटौली से भादल तक नर्मदा के दोनों किनारो के हजारों घर ध्वस्त हुए हैं, और हजारों एकड़ खेती, फसल, घर-घर का सामान बर्बाद हुआ इस पर आक्रोश जताते हुए, पुनर्वास कार्य पूरा न होने के कारण तथा उर्वरित कार्य -60 लाख रुपए पाने वाले, 15 लाख रुपए के पात्र, 5 लाख 80 हजार के पात्र, तथा कुम्हार, मछुआरे, दुकानदारों की हकदारी पर प्रस्तुति हुई। साथ ही जिलाधिकारी, आयुक्त एवं भोपाल में राज्यस्तरीय अधिकारियों के समक्ष प्रलंबित प्रकरणों पर चर्चा होकर, हर मुद्दे पर ठोस कार्यवाही के आश्वासन लिये गये।

■ 1984 में केंद्रीय जल आयोग से तय किये बैकवाटर लेवल्स और कानून नीति, न्यायिक फैसलों पर हो कार्य!
■ अवैध डूब से अन्यायग्रस्तों को पूर्ण न्याय मिलने तक 122 मी.पर सरदार सरोवर का जलस्तर रोकने की मांग रखी

आयुक्त महोदय तथा जिलाधिकारियों को नुकसानी का विस्तृत विवरण के साथ पंचनामा तैयार करने के कार्य संबंधी उपाध्यक्ष मिश्रा जी ने कई निर्देश दिये और आयुक्त महोदय ने शिकायत निवारण प्राधिकरण के समक्ष प्रलंबित हजारों प्रकरणों के त्वरित निराकरण संबंधी प्रगती का ब्यौरा सामने रखा।

पुनर्वास अधिकारी की तथा संबंधित कर्मचारियों की पदभर्ती एवं शिकायत निवारण प्राधिकरण (त्नत्न) के भूतपूर्व न्यायाधीशों की नियुक्ति की मांग सशक्त रूप से रखी तब पुनर्वास अधिकारी, चुनाव के बाद ही, नियुक्त हो सकेंगे, यह कहते हुए, रिक्त पद रखना नहीं चाहिए, यह बात भी अधिकारी समूह नकार नहीं पाया! सबसे अहम बात उठी, शासकीय आदेश, ऋष्ठ के तहत् जो भी आपदा के बाद (जो केवल प्राकृतिक नहीं, काफी हद तक शासन निर्मित बतायी गयी) पंचनामा, नुकसान भरपाई देना और निवास एवं भोजन की सुविधा. मवेशीयों को चारा, सभी राहत कार्य हर डूबग्रस्त तक पहुंचाने के आदेश देकर, करवाने का निर्णय दिया। मृत पशुओं, बह गया अनाज, सामान आदि की पूर्ण भरपाई देने के साथ, तत्काल से राहत की राशि हर प्रकार के नुकसान की कीमत पर आधारित दी जाएगी, यह अधिकारी समूह ने मंजूर किया। 993 मृत पशू तथा 6 मृत व्यक्तियों को आदेश तथा नियमअनुसार पूर्ण भरपाई मंजूर हुआ। हर ग्राम पंचायत में नुकसान ब्यौरा चस्पा किया जाना भी तय हुआ। आज तक धार जिले में राहत कार्य आगे बढ़ा है, तो बड़वानी जिले में पिछड़ा हुआ है। धार जिले के हजारों परिवार निसरपुर के बयड़ीपूरा, धरमपुरी के 5 / 6 वार्ड्स, कटनेरा, निमोला, एकलबारा, बड़ाबडदा, खलघाट ङ्क गाजीपुरा के; बड़वानी के छोटा बडदा, पिछोडी, जांगरवा, आवल्दा आदि गावों की तथा पहाड़ी के अधिक जमीन डूबने से, या अतिक्रमित जमीन देने से अवैधता और अन्याय भुगतने वालों की मांग रही है कि ऋष्ठ के तहत् तात्कालिक अनुदान और पंचनामा आधारित पूर्ण भरपाई तथा नयी पात्रताअनुसार, भूअर्जन और पुनर्वास का कार्य, डूबग्रस्त हजारों परिवारों के संबंध में पूर्ण होने तक, कानून अनुसार सरदार सरोवर का जलस्तर 122 मी. पर ही रखना चाहिए। उपाध्यक्ष महोदय मिश्रा जी ने हर मुद्दे पर सुनवाई, चर्चा करके निर्णय लेना मंजूर किया।

अभिमत

आपातकाल में मीडिया को दूसरे ढंग से दबोचा जाता था। अखबारों पर पहरा, विचारों पर गिद्ध दृष्टि गये ज़माने की बात नहीं है। मगर इसमें जो तड़का लगा है, वो है टैक्स हीवेन या दुनिया के दूसरे लोकेशन से आया पैसा। चीन यदि भूल से भी मनी रूट में है, उस मीडिया कंपनी की ख़ैर नहीं। मगर, बात यह है कि सरकार एक व्हाइट पेपर जारी क्यों नहीं करती, जिसमें देश के सभी मीडिया समूह के लिए आये पैसे का डिटेल हो?

देश की सभी मीडिया कंपनियों का 'मनी रूट' बता दीजिए!

पुष्परंजन

पत्रकारों पर यूएपीए लगाना सचमुच भयावह है। सुप्रीम कोर्ट क्या स्टैंड लेता है, इस पर पूरी दुनिया की नज़र है। उस पर मुहर हम भी नहीं लगाते कि मीडिया में सब कुछ साफ-सुथरा चल रहा है, लेकिन संघ, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद और बीजेपी के कितने नेता चीन गये? उनके खातों में कितने पैसे चीन-हांगकांग से आये, सरकार इतना भर बता दे!

अगस्त 1947 में भारत के स्वतंत्र होने के बाद, तिब्बत ने ब्रिटिश अधिग्रहण का विरोध किया। दो माह बाद, अक्टूबर 1947 में तिब्बत ने मांग की, कि भारत लद्दाख, सिक्किम और दार्जिलिंग वापस कर दे। पटेल ने उसे अनसुना कर दिया। अक्टूबर 1950 में, चीनी सैनिकों ने चामडो में तिब्बती सेना को हरा दिया। जब भारत ने विरोध किया तो चीन ने उसके विरोध को दरकिनार कर दिया। इससे भारत और चीन में दरार की शुरूआत हो गई।

उप प्रधानमंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल ने तिब्बत की समस्या पर चिंता व्यक्त करते हुए नेहरू को एक पत्र लिखा। पटेल के विचार मायने रखते थे। वह महात्मा गांधी के करीबी सहयोगी और मित्र थे। पटेल के नेतृत्व में, भारत ने 500 से अधिक रियासतों को आत्मसात कर लिया था, जिनमें स्वतंत्रता-पूर्व भारत का 40 प्रतिशत क्षेत्र और 22 फीसद आबादी शामिल थी। इसने पटेल जैसे परम शक्तिशाली उप प्रधानमंत्री को 'भारत के लौह पुरुष' की उपाधि दी थी। दुर्भाग्यवश पटेल की जो विश्वप्रसिद्ध मूर्ति गुजरात में लगी, वो मेड इन चाइना है। जो लोग नरेंद्र मोदी द्वारा सरदार पटेल की मेड इन चाइना मूर्ति लगाने के फैसले को नमन करते हैं, उसे विवेक शून्य मानसिकता से अधिक कुछ नहीं कहा जा सकता।

1962 से लेकर 70 के दशक तक चीन से जो हमारे संबंध बिगड़े, उसे 1978 में सुधारने का सबसे पहला प्रयास तत्कालीन विदेश मंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने किया था। अटलजी बतौर विदेश मंत्री 22 फरवरी 1979 को पेइचिंग गए। चीन ने सिक्किम और भूटान दोनों पर अपना रुख नरम कर लिया। लेकिन चीन अपने स्वभाव से बाज़ नहीं आया। 1986 में तब तनाव भड़क गया, जब भारतीय सैनिकों को सुमदोरोंग चू घाटी पर चीनी कब्जे का सामना करना पड़ा। चीन से दोस्ती-दुश्मनी का सिलसिला चलता रहा।

1988 में जब तत्कालीन भारतीय प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने चीन का दौरा किया, दोनों पक्षों ने बेहतर संबंध स्थापित किए, जो 1991 में सोवियत संघ के पतन के बाद और बेहतर हुए। 1993 में, भारत और चीन ने सीमा समझौते पर हस्ताक्षर किए। अगले दो दशकों तक भारत और चीन किसी भी बड़े टकराव से बचते रहे। 1996 में, दोनों पक्ष वास्तविक नियंत्रण रेखा से दो किलोमीटर के भीतर बंदूकों या विस्फोटकों के इस्तेमाल नहीं करने पर भी सहमत हुए। नेताओं ने एक-दूसरे के देशों का दौरा किया, व्यापार बढ़ाया और आपसी सहयोग समझौतों पर हस्ताक्षर किए।

ठीक से देखा जाए तो चीनी राष्ट्रवाद हान आबादी की वजह से मज़बूत होता रहा है, चुनांचे हान और हिंदू राष्ट्रवाद के बीच दशकों पहले से एक संवाद शुरू हुआ। हिंदू नेताओं ने जिस उत्साह के साथ चीन के दौरे किये, उसके मूल में हान राष्ट्रवाद को समझने और उसके अनुरूप हिंदू राष्ट्रवाद को जीवट बनाने की उत्कंठा थी। शायद बढ़ता आर्थिक दबाव भी चीन के नए राष्ट्रवाद में योगदान देता रहा है। वहां की लीडरशिप ने चीनी उद्यमियों को निवेश में आगे बढ़ने की अनुमति दी। दूसरा, पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप को बढ़ावा गया, जिससे दूरसंचार, ब्रॉडबैंड, सड़क, रेल, बंदरगाह, बिजली उत्पादन, पारेषण और वितरण के साथ-साथ अधोसंरचना में भारी निवेश किया। तीसरा, माइक्रो-इकोनॉमी को आगे बढ़ाने के वास्ते स्टार्टअप को शी सरकार ने खुलकर मदद दी।

पिछले दस वर्षों में पूरी दुनिया के साथ-साथ चीन ने जिस तरह भारत में पांव पसारे, उसे लेकर बड़ा सवाल बनता है। सवाल यह कि भारत ने क्या चीनी अर्थव्यवस्था को सुधारने की ज़िम्मेदारी ले ली थी? चीन के सामान्य सीमा शुल्क प्रशासन द्वारा 7 सितंबर, 2023 को जारी डाटा ही देख लीजिए। आंकड़ों के अनुसार, 2023 के पहले आठ महीनों के दौरान चीन और भारत के बीच व्यापार 619.69 बिलियन युआन (84.49 बिलियन डॉलर) तक पहुंच गया, जो साल-दर-साल 5.2 प्रतिशत अधिक है। चीन-भारत क्रास बॉर्डर व्यापार 2022 में चरम पर रहा है। 905 अरब यूआन का व्यापार तब जब चीनी माल के बहिष्कार का आह्वान किया गया था। यह व्यापार हर साल 5.2 प्रतिशत की दर से बढ़ता गया है। कौन बताएगा इसके पीछे का अर्थशास्त्र?

इस अर्थशास्त्र से अलहदा राजनीति के गलियारों में 'चीनी फंडिंग को लेकर आरोप-प्रत्यारोप चलते रहे हैं, जिसमें अब मीडिया भी शामिल हो चुका है। चीनी फंडिंग के आरोप पहले कांग्रेस पर लगे, जवाब में कांग्रेस ने बीजेपी पर सवाल चिपका दिया कि चीनी कंपनी हुआवेई ने पार्टी फंड में कितना पैसा दिया था, इसकी जानकारी सार्वजनिक करें। क्या 2019 चुनाव के वास्ते चीन से पैसा आया था? ऐसे तमाम सवाल कांग्रेस के प्रेस कांफ्रेंस से निकल मुख्यधारा की मीडिया में घूमते रहे। सीनाज़ोरी का सिलसिला सत्ता पक्ष से चलता रहा, मगर सवाल का उत्तर सत्ता के गलियारे में अब भी प्रतीक्षारत है। ऐसे प्रकरण पर सबसे दिलचस्प है दिल्ली स्थित चीनी दूतावास की चुप्पी।

जब मीडिया को कुचलने की बात होती है, आपातकाल का जिन्न बोतल से बाहर निकल आता है। मगर, जिन पुराने पत्रकारों ने देखा है, वो भी स्वीकारते हैं कि आपातकाल में मीडिया को दूसरे ढंग से दबोचा जाता था। अखबारों पर पहरा, विचारों पर गिद्ध दृष्टि गये ज़माने की बात नहीं है। मगर इसमें जो तड़का लगा है, वो है टैक्स हीवेन या दुनिया के दूसरे लोकेशन से आया पैसा। चीन यदि भूल से भी मनी रूट में है, उस मीडिया कंपनी की खैर नहीं। सीरिया, तुर्की या अरब अमीरात से भी आये तो भी उनकी खैर नहीं जो सरकार के आलोचक हैं। मगर, बात यह है कि सरकार एक व्हाइट पेपर जारी क्यों नहीं करती, जिसमें देश के सभी मीडिया समूह के लिए आये पैसे का डिटेल हो?

प्रवर्तन निदेशालय ने मीडिया दिग्गज राघव बहल के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज किया था। राघव बहल एक भारतीय व्यवसायी, टीवर समूहों में निवेशक रहे हैं। वह नेटवर्क18 ग्रुप के संस्थापक और प्रबंध निदेशक थे। राघव बहल बाद में द क्विंट डिजिटल प्लेटफार्म के प्रमोटर भी बने। अगस्त 2023 तक का अपडेट यह है कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मनी लॉन्ड्रिंग जांच के सिलसिले में विदेश जाने पर जो रोक लगाई थी अदालत ने उसे खारिज़ कर बिज़नेस मीटिंग के लिए बाहर जाने की अनुमति दे दी। द क्विंट पर मुश्कें कसने का किस्सा राघव बहल से ही शुरू हो जाता है। जो शाहे वक्त को सलाम करते हैं, उनका पैसा सफेद, बाकियों का पैसा देश की छवि खराब करने में लगा है, इस तरह की नैरेटिव गढ़ दी गई।

प्रवर्तन निदेशालय ने पत्रकार राणा अय्यूब के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज किया था। प्रवर्तन निदेशालय ने पत्रकार सिद्दीकी कप्पन को भी मनी लॉन्ड्रिंग के केस में दबोच लिया था, जो अब जमानत पर रिहा हैं। प्रवर्तन निदेशालय ने स्वतंत्र पत्रकार राजीव शर्मा को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार किया था।

इसलिए न्यूज क्लिक की फंडिंग को लेकर केस का अकेला मामला नहीं है। मीडिया कंपनियों के विरुद्ध मनी लॉन्ड्रिंग के केस, छापामारी, गिरफ्तारी के बहुत सारे उदाहरण मिल जाएंगे। जो आज सत्ता की आरती उतार रहे हैं, उनमें दो प्रमुख चेहरे ऐसे भी हैं, जो तिहाड़ रिटर्न हैं। सोशल मीडिया में उनमें से एक तिहाड़ी नाम से मशहूर है। लेकिन ये मनी लॉन्ड्रिंग नहीं ठगी और ब्लैकमेलिंग की वजह से बदनाम हुए हैं।

बताया जाता है कि न्यूज क्लिक का टोटल मामला फंडिंग को लेकर है। मगर सवाल यह है पोर्टल के प्रबंधकों ने कहां से पैसा लिया, उसकी जानकारी किसी पत्रकार या सब-एडिटर या टेक्निकल कर्मचारी को कैसे हो सकती है? बात कर्मचारियों तक नहीं रही। बल्कि वेबसाइट पर लिखने वाले फ्रीलांसरों तक को नहीं बख्शा गया। खुद दिल्ली पुलिस ने कोर्ट को बताया कि 46 संदिग्धों से पूछताछ की गई, और उनमें से कईयों को आगे भी इसके लिए तैयार रहने को कहा गया है।

क्या यह न्याय की उचित प्रक्रिया है? इस छापेमारी से यह बताने की कोशिश की गई है कि जो पत्रकार सत्ता के विरुद्ध आक्रामक हैं, उन्हें भी मनी लॉन्ड्रिंग जैसे मामले में लपेटा जाएगा। एक और सच यह है कि इस छापेमारी कांड से पत्रकार बिरादरी दो टुकड़ों में बंटी दीखती है, और एक तीसरा हिस्सा है, जो तटस्थ होने का अभिनय कर रहा है। समय लिखेगा उनका भी अपराध।

4 अक्टूबर को पत्रकारों के विभिन्न संगठनों की ओर से एक संयुक्त पत्र भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ को लिखा गया है। इस पत्र में कहा गया है कि मीडिया के खिलाफ सरकार की दमनकारी कार्रवाइयां हद से ज्यादा बढ़ गई हैं। प्रधान न्यायाधीश से अपील की गई है कि वह मीडिया के विरूद्ध जांच एजेंसियों के बढ़ते दमनकारी उपयोग को समाप्त करने के लिए फ रेन हस्तक्षेप करें।

सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को जिन पत्रकार संगठनों ने यह साझा पत्र लिखा है, उसमें डिजीपब न्यूज इंडिया फाउंडेशन, इंडियन वूमेन प्रेस कॉर्प्स, प्रेस क्लब ऑफ इंडिया, नई दिल्ली फाउंडेशन फॉर मीडिया प्रोफेशनल्स, नेटवर्क ऑफ वीमेन इन मीडिया, चंडीगढ़ प्रेस क्लब, नेशनल अलायंस ऑफ जर्नलिस्ट्स, दिल्ली यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स, केरल यूनियन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट्स, बृहन्मुंबई यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स, फ्री स्पीच कलेक्टिव, मुंबई, मुंबई प्रेस क्लब, अरुणाचल प्रदेश यूनियन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट, प्रेस एसोसिएशन ऑफ इंडिया, गुवाहाटी प्रेस क्लब शामिल हैं। संगठनों ने साझा पत्र में लिखा गया कि तीन अक्टूबर, 2023 को, दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने पत्रकारों, संपादकों, लेखकों समेत 46 पेशेवरों के घरों पर छापा मारा है। दो टॉप बॉस गिरफ्तार हैं। तो क्या सुप्रीम सोशल मीडिया को डराने की कवायद है यह?

पत्रकारों पर यूएपीए लगाना सचमुच भयावह है। सुप्रीम कोर्ट क्या स्टैंड लेता है, इस पर पूरी दुनिया की नज़र है। उस पर मुहर हम भी नहीं लगाते कि मीडिया में सब कुछ साफ-सुथरा चल रहा है, लेकिन संघ, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद और बीजेपी के कितने नेता चीन गये? उनके खातों में कितने पैसे चीन-हांगकांग से आये, सरकार इतना भर बता दे!

pushpr1@rediffmail.com

बीता सप्ताह

30 सितंबर
- महिला आरक्षण बिल पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने हस्ताक्षर कर नया कानून बनाया।
- पाकिस्तान के बलूचिस्तान में बम विस्फोट में 55 लोगों की मौत हो गई।
- छत्तीसगढ़ी फिल्म अभिनेता अनुपम भार्गव की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई।
- पाक्सो मामले में विधि आयोग ने केंद्र को सलाह दी कि सहमति से संबंध बनाने की उम्र 18 वर्ष ही रखी जाए।

1 अक्टूबर
- एशियाई खेल हांगझाऊ में भारत ने पाकिस्तान को 10-2 से हराया।
- भारतीय रिजर्व बैंक ने दो हजार रुपए के नोट बदलने की तिथि 7 अक्टूबर तक बढ़ाई।
- 29 सितंबर को चीन ने दो करोड़ यात्रियों की यात्रा का कीर्तिमान स्थापित किया।
- न्यूयार्क में बाढ़ के कारण आपातकाल घोषित किया गया।

2 अक्टूबर
- मुख्य चुनाव आयुक्त संजीव कुमार ने राजस्थान में पहली बार घर से वोट देने की सुविधा देने की बात कही।
- एशियन गेम्स एथलेटिक्स में अविनाश साबले ने स्वर्ण पदक जीता।
- मालदीव में प्रोग्रेसिव पार्टी ऑफ मालदीव और पीपुल्स नेशनल कांग्रेस गठबंधन के उम्मीदवार मोहम्मद मोइड्डा ने राष्ट्रपति पद का चुनाव जीता।
- भारत की शीर्ष गोल्फर अदिति अशोक हांगझोऊ एशियन गेम्स में व्यक्तिगत गोल्फ स्पर्धा में रजत पदक जीता।

3 अक्टूबर
- बिहार जातीय गणना के आंकड़े जारी कर पहला राज्य बना। जनजाति व अनुसूचित जनजाति की आबादी 84 बताई गई।
- हंगेरियन अमेरिकी बायोकेमिस्ट बैटालिक कारिको और अमेरिकी चिकित्सक व वैज्ञानिक डरु पीसमैन को कोविड-19 टीमों में इस्तेमाल की जाने वाली संशोधित मैसेजर आरएनए तकनीक विकसित करने के लिए मेडीसीन में 2023 का नोबेल पुरस्कार दिया गया।
- तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन ने नया संविधान बनाने का संकल्प लिया।
- मैक्सिकन शहर स्मूदाद माडेरो में एक चर्च की छत गिर जाने से नौ लोगों की मौत हो गई।

4 अक्टूबर
- भौतिकी में तीन वैज्ञानिक पियरे एगोस्टिनी, फेरेंक क्रॉस्ज़ और ऐनी एल. हुइलियर को 2023 का नोबेल पुरस्कार दिया गया।
- दिल्ली पुलिस ने दिल्ली में 'न्यूज़क्लिक' का दफ्तर सील कर पत्रकार उर्मिलेश औनियो चक्रवर्ती, अभिसार शर्मा, परंजय गुहा से पूछताछ की।
- एशियन गेम्स में अन्नू रानी ने भाला फेंक में स्वर्ण पदक जीता।
- भारत की पारुल चौधरी ने एशियन गेम्स में 5 हजार मीटर रेस में गोल्ड मेडल जीता।

5 अक्टूबर
- हांगझोऊ में चल रहे एशियन गेम्स में भाला फेंक में भारत के नीरज चोपड़ा ने स्वर्ण एवं किशोर जैना ने रजत पदक जीता।
- सिक्किम में बादल फटने से अचानक आई बाढ़ में 43 लोग लापता हो गए जिसमें 23 जवान भी शामिल थे।
- रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज़ ने मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नालॉडी (एमआईटी) से मौंगीजी बावेंडा, कोलम्बिया विश्वविद्यालय से लुईज़ बुस और नैनो क्रिस्टल टेक्नालॉजी में काम करने वाले एलेक्सी आई एकिमोव को रसायन विज्ञान के क्षेत्र में 2023 के नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया।
- फोर्ब्स 2023 द्वारा जारी अमेरिका के 400 लोगों की सूची में सबसे अमीर टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क पहले स्थान पर हैं।

6 अक्टूबर
- नार्वे के साहित्यकार जॉन फॉसे को 2023 के नोबेल साहित्य सम्मान से पुरस्कृत करने के लिए नोबेल साहित्य समिति के अध्यक्ष एंडर्स ओल्सन ने घोषणा की।
- हांगझोऊ के एशियाई खेल में भारत के ओजस देवताले, अभिषेक वर्मा, जावकर प्रथमेश समाधान की जोड़ी ने तीरंदाजी में स्वर्ण पदक जीत लिया।
- दीपिका पल्लीवाल और हरिंदर पाल सिंह सिंधु की जोड़ी ने एशियाई खेल में स्क्वैश मिश्रित युगल स्पर्धा में पहला स्वर्ण पदक जीता।
- मनी लॉन्ड्रिग दिल्ली शराब नीति घोटाला में गिरफ्तार आप पार्टी के नेता सांसद संजय सिंह को राउत एवेन्यू कोर्ट ने 10 अक्टूबर तक ईडी की रिमांड में भेजा।

केन्द्र की नीतियां तेजी से बढ़ा रही हैं आम लोगों के लिए आर्थिक संकट

पिछले रविवार को लाखों की संख्या में केंद्र और राज्य सरकार के कर्मचारी पुरानी पेंशन योजना की बहाली की मांग को लेकर राजधानी नई दिल्ली में जुटे। इस विशाल रैली की खबर मीडिया में महज एक घटना के रूप में वर्णित करने तक ही सीमित थी, जो हमारे देश में व्याप्त गहरी आर्थिक अस्वस्थता को छिपाने का काम ही कर रही थी।

पुरानी पेंशन योजना के अनुसार, एक कर्मचारी अपने अंतिम वेतन का 50प्रतिशत पेंशन के रूप में प्राप्त करने का हकदार था। मुद्रास्फीति को ध्यान में रखते हुए इस राशि को भी वार्षिक रूप से समायोजित किया जाता था। दूसरी ओर, नई पेंशन योजना सेवानिवृत्त कर्मचारियों को वह राशि लौटाती है जो पुरानी पेंशन योजना के तहत उन्हें मिलने वाली राशि के आधे से अधिक नहीं होती है। कानून कहता है कि 2004 के बाद सेवा में आये सभी लोग नई पेंशन योजना के तहत आयेंगे।

आज 20 साल बाद पेंशन का मुद्दा विभिन्न राज्यों में चुनावों को प्रभावित करने वाला एक ज्वलंत मुद्दा बन गया है, जो बढ़ती कीमतों और कम आय के साथ भारत में जीवनयापन के गहरे संकट को दर्शाता है। यहां तक कि मध्यम वर्ग के लिए भी आजीविका अधिक दयनीय होती जा रही है। जब नई पेंशन योजना को संसद में लाया गया था, तो सीपीआई (एम) ने इस सिद्धांत का पालन करते हुए कि पेंशन एक कर्मचारी का अधिकार है, न कि खैरात, नई योजना का विरोध किया था। आज हमारे विरोध के कारणों को सही ठहराया जा रहा है।

सीताराम येचुरी

मोदी सरकार के तहत सांप्रदायिक-कॉर्पोरेट गठजोड़ मजबूत होने के साथ, देश में उत्पन्न होने वाली अधिकांश संपत्ति पर पूंजीपतियों का कब्ज़ा हो गया है। अडानी मामला इसका उत्कृष्ट उदाहरण है। देश की संपत्ति को हमारे अधिकांश लोगों की कीमत पर कुछ पूंजीपतियों को समृद्ध करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। मोदी की आर्थिक नीतियां दो भारत बनाने की प्रक्रिया को आगे बढ़ा रही है।

हमारे लोगों की वास्तविक आय में कमी, जीवन को और अधिक दयनीय बनाने के अलावा, देश के आर्थिक स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालती है। लोगों के हाथों में क्रय शक्ति कम होने से घरेलू मांग कम हो जाती है, निवेश कम हो जाता है, क्योंकि ऐसे निवेश से उत्पादित उत्पादों के लिए कोई बाजार नहीं होता है। निवेश तभी बढ़ता है जब उत्पादित वस्तुओं को मुनाफा कमाने और विकास उत्पन्न करने के लिए बेचा जाता है। मांग के बिना निवेश नहीं बढ़ता और इसलिए आर्थिक विकास नहीं हो सकता। यह आज भारतीय अर्थव्यवस्था को परेशान करने वाली मूलभूत समस्या है।

मोदी सरकार के तहत सांप्रदायिक-कॉर्पोरेट गठजोड़ मजबूत होने के साथ, देश में उत्पन्न होने वाली अधिकांश संपत्ति पर पूंजीपतियों का कब्ज़ा हो गया है। अडानी मामला इसका उत्कृष्ट उदाहरण है। देश की संपत्ति को हमारे अधिकांश लोगों की कीमत पर कुछ पूंजीपतियों को समृद्ध करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। मोदी की आर्थिक नीतियां दो भारत बनाने की प्रक्रिया को आगे बढ़ा रही हैं- अमीरों के लिए एक चमकदार भारत और गरीबों के लिए एक पीड़ित भारत।

लेकिन मोदी स्पिन मशीन का निरंतर प्रचार एक पुनर्जीवित भारत को दुनिया में सकल घरेलू उत्पाद के मामले में तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर करता है। चाहे सरकार का नेतृत्व कोई भी करे, वर्तमान सांख्यिकीय रुझानों के आधार पर भारत 2027 में तीसरे स्थान पर होगा। लेकिन सच्चाई प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के मामले में भारत की स्थिति में निहित है। प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के मामले में भारत आज दुनिया में 142वें स्थान पर है।

हाल के जी-20 शिखर सम्मेलन का उपयोग भारत को उभरती आर्थिक महाशक्ति के रूप में पेश करने के लिए किया गया था, लेकिन सच्चाई फिर से तथ्यों में निहित है। सभी जी-20 देशों में, भारत की प्रति व्यक्ति जीडीपी सबसे कम है और मानव विकास सूचकांकों के मामले में यह सबसे निचले स्थान पर है। हम अर्थव्यवस्था में सबसे कम श्रम भागीदारी दर भी दर्ज करते हैं, जो बेरोजगारी के उच्चतम स्तर को दर्शाता है।

लोगों की क्रय शक्ति में जारी इस गिरावट का असर व्यापक अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। अर्थव्यवस्था में निवेश के नये प्रस्तावों में पिछले वर्ष के मुकाबले सरकारी निवेश में 72.5 प्रतिशत और निजी निवेश में 79.2 प्रतिशत की गिरावट आई है।

'मेक इन इंडिया' की दस साल की शानदार सफलता पर बड़ा शोर मचाया जा रहा है। सत्य क्या है? 2013-14 से विनिर्माण वृद्धि औसतन 5.9 प्रतिशत रही है, जो 12-14प्रतिशत के लक्ष्य से कम है। विनिर्माण क्षेत्र की जीडीपी हिस्सेदारी 25 प्रतिशत के लक्ष्य के मुकाबले लगभग 16.4 प्रतिशत पर स्थिर बनी हुई है। 2011-12 और 2021-22 के बीच विनिर्माण क्षेत्र में नौकरियां 12.6प्रतिशत से घटकर 11.6प्रतिशत हो गईं। मोदी ने बड़ी धूमधाम से लाल किले से ओबीसी के लिए विश्वकर्मा परियोजनाओं की घोषणा की और कुशल कारीगरों के लिए 13,000-15,000 करोड़ रुपये खर्च करने का दावा किया। हालांकि, संसद में जो घोषणा की गई वह अगले पांच वर्षों में पांच प्रतिशत ब्याज दर पर वितरित किए जाने वाले 13,000 करोड़ रुपये के ऋण पैकेज की थी!

ग्रामीण संकट भी बढ़ रहा है। मनरेगा की मांग, जो जीवित रहने के लिए संकट के स्तर को दर्शाती है, पिछले साल 16.3प्रतिशत और 2019-20 से 29.4प्रतिशत की भारी वृद्धि हुई। आर्थिक सर्वेक्षण 2022-23 वास्तविक मजदूरी में नकारात्मक वृद्धि की रिपोर्ट करता है।

इन सबका शुद्ध परिणाम आर्थिक गतिविधियों का सिकुड़ना है। यह परिधान, समुद्री उत्पाद, प्लास्टिक, रत्न और आभूषण जैसे श्रम-केंद्रित निर्यात में गिरावट में परिलक्षित होता है। वैश्विक बाजार में भारत की हिस्सेदारी तेजी से घट रही है, जिसका मतलब है कि इन क्षेत्रों में घरेलू रोजगार भी तेजी से घट रहा है।

नतीजा यह हुआ कि अगस्त 2023 में बेरोजगारी दर 8.1 फीसदी थी। 2022 में युवा बेरोजगारी (15-24 वर्ष) 23.22 प्रतिशत थी। स्नातकों में बेरोजगारी 42 प्रतिशत है। इस वर्ष अगस्त महीने तक लगभग 2 करोड़ परिवारों ने मनरेगा के तहत काम की मांग की। यह भारत के जनसांख्यिकीय लाभांश का मोदी-प्रेरित विनाश है।

रोजगार घटने के साथ बढ़ती कीमतें भी आती हैं। पिछले कुछ वर्षों से मुद्रास्फीति लगातार आरबीआई की 6 प्रतिशत सहनशीलता सीमा को पार कर गई। इससे भी बुरी बात यह कि यह मुद्रास्फीति भोजन और आवश्यक वस्तुओं की बढ़ती कीमतों के कारण हुई है।

इस संकट का संचयी परिणाम सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत के रूप में परिवारों की वित्तीय संपत्तियों में गिरावट है, जो 2020-21 में 15.4प्रतिशत से गिरकर 2022-23 में 10.9प्रतिशत हो गई है। लोग जीवित रहने के लिए अपने परिवार की चांदी बेच रहे हैं। परिवारों की शुद्ध वित्तीय संपत्ति 11.5प्रतिशत से गिरकर 5.1प्रतिशत हो गई।

लोगों की आय घट रही है, कीमतें बढ़ रही हैं, बेरोजगारी बढ़ रही है और विनिर्माण विकास में गिरावट गहराते आर्थिक संकट को दर्शाती है। जरूरत इस बात की है कि अपने मित्रों के लिए धन की वृद्धि को संरक्षण देना बंद किया जाये और इसके बजाय सार्वजनिक निवेश के लिए राज्य के संसाधनों का उपयोग किया जाये ताकि बहुत आवश्यक बुनियादी ढांचे का निर्माण किया जा सके जिससे नौकरियां पैदा होंगी और अर्थव्यवस्था में घरेलू मांग के स्तर में वृद्धि होगी।

भारत की राष्ट्रीय संपत्ति को लूटकर अपने मुनाफे को अधिकतम करने के लिए विदेशी और घरेलू पूंजी के प्रति मोदी सरकार की पूरी प्रतिबद्धता को देखते हुए, यह संकट और भी बदतर हो सकता है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि भारत की संपत्ति को अर्थव्यवस्था के विकास और लोगों के कल्याण के लिए उत्पादक रूप से निवेश किया जाये, यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि भाजपा सरकार और राज्य सत्ता की बागडोर को नियंत्रित न करे।

भारत-कनाडा तनाव से बिगड़ सकते हैं द्विपक्षीय संबंध

हाल के कई प्रतिशोधपूर्ण और मुंहतोड़ कदमों ने कनाडा और भारत के बीच द्विपक्षीय संबंधों को खराब कर दिया है। राजनयिकों को निष्कासित करना, यात्रा परामर्श जारी करना, वीज़ा जारी करने पर रोक तथा व्यापार वार्ता रद्द करना, विदेशों में खालिस्तानी एजेंटों को लक्ष्य बनाना और देश में उनकी संपत्तियों को जब्त करना अल्पावधि के उपाय हो सकते हैं, परन्तु दोनों देशों के पास खोने के लिए बहुत कुछ है। खासकर भारत को यहां से सावधानी से आगे बढ़ने की जरूरत है क्योंकि निज्जर की हत्या के खतरनाक परिणाम हो सकते हैं।

यह स्थिति और उसके बाद उठाए गए कदम एक टिंडरबॉक्स को प्रज्ज्वलित कर रहे हैं। हाल ही में 'इंटरवेंशन एंड स्टेट सॉवरेन्टी' पर आयोजित एक सम्मेलन में पूछा गया था कि क्या कनाडाई सिख चरमपंथी और प्रतिबंधित खालिस्तान टाइगर फोर्स (केटीएफ) के नेता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारतीय खुफिया एजेंटों की भागीदारी के बारे में कनाडाई पीएम के आरोप एक विदेशी शक्ति द्वारा कनाडाई संप्रभुता का उल्लंघन हैं? जवाब आसान है- हां, यह होगा। लेकिन क्या ये आरोप विश्वसनीय हैं? भारत सरकार के अनुसार कनाडा ने आरोपों को साबित करने के लिए अब तक कोई भरोसेमंद सबूत पेश नहीं किए हैं और जांच में भारत का सहयोग मांगा है। जूडी फोस्टर के नेतृत्व में कनाडा के राष्ट्रीय सुरक्षा दल ने जी-20 शिखर सम्मेलन से पहले नई दिल्ली की दो यात्राएं की थीं और हत्या के संबंध में अपने स्थानीय समकक्षों के साथ बैठकें की थीं। जाहिर है, कुछ सबूत साझा किए गए होंगे। हालांकि ये सबूत विश्वसनीय थे या आगे बढ़ने लायक थे- यह तय करना भारतीय पक्ष पर छोड़ दिया जाएगा। इस मामले में दोनों पक्षों पर संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के उल्लंघन का मामला लागू होता है।

डॉ. मलय मिश्रा

विदेशी धरती पर पुनर्जीवित हो रहे खालिस्तानी आंदोलन का बढ़ता प्रसार। भारत सरकार को सोचना होगा कि इससे किस तरह निबटा जाना चाहिए, कहीं ऐसा न हो कि इससे निबटने के तरीकों और नतीजों से दीर्घकालिक नुकसान हो। इसलिए भारत के लिए कूटनीतिक रूप से बुद्धिमत्तापूर्ण होगा कि वह इस मुद्दे को सभी संभावित मंचों पर उठाए।

यह प्रश्न कई परस्पर विरोधी मुद्दों को उठाता है जो सामान्य रूप से भू-राजनीतिक हैं, व्यापार, आर्थिक, डायस्पोरिक और यहां तक कि ऐतिहासिक विचारों से गुजरते हैं। यह काफी हद तक भारत-कनाडा के तनावपूर्ण संबंधों के भविष्य की कल्पना करने पर टिका है जिसमें खालिस्तान मुद्दा वह खूंटा है जिस पर यह मौजूदा विवाद जुड़ा हुआ है। 1980 के दशक में स्वर्ण मंदिर पर हमले और कट्टरपंथी सिख नेता भिंडरावाले को बाहर निकालने के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की उनके सिख अंगरक्षकों द्वारा हत्या कर दी गई थी और इसके बाद सिख विरोधी दंगे हुए थे। यह मुद्दा इतिहास में दफन हो चुका है और आज पंजाब में इसका कोई महत्व नहीं है।

हालांकि कनाडा में चार दशकों से अधिक समय से खालिस्तान का मुद्दा गरमाया हुआ है। पिछले कुछ वर्षों में यह बढ़ गया है और हिंसक रूप ले चुका है। जस्टिन ट्रूडो सरकार द्वारा कनाडा के खालिस्तानी समूहों को समर्थन उसकी घरेलू मजबूरियों के कारण है। उनकी लिबरल पार्टी को खालिस्तानी नेता जगमीत सिंह के नेतृत्व वाली न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी का समर्थन प्राप्त है। कनाडा, ब्रिटेन और अमेरिका में सिख प्रवासियों के छोटे से तबके में खालिस्तानी मुद्दे को पुनर्जीवित किया गया है। इसकी वजह से भारतीय राजनयिकों को जान से मारने की धमकी मिली है और राजनयिक मिशनों में तोड़फोड़ की गई है। सैन फ्रांसिस्को में भारतीय वाणिज्य दूतावास पिछले जुलाई में आगजनी के हमले में बच गया था। इसके अलावा सिख फॉर जस्टिस समूह के नेता पन्नुन ने हाल ही में हिंदुओं से कनाडा छोड़ने को कहा था। कनाडा के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे भारतीय प्रवासियों के बीच सौहार्द्र बिगाड़ने का यह शर्मनाक प्रयास है। कनाडा सरकार की आंखों के सामने में ही एसएफजे ने भारत में खालिस्तानी राज्य की स्थापना के लिए पिछले महीने एक जनमत संग्रह का आयोजन भी किया था। खालिस्तानी नेताओं के प्रत्यर्पण के लिए भारत सरकार के कई अनुरोधों पर कनाडा सरकार ने कोई कदम नहीं उठाया है जिसके बाद भारत ने आरोप लगाया है कि अलगाववादी नेताओं के लिए कनाडा एक सुरक्षित पनाहगाह बन गया है।

ब्रिटिश कोलंबिया के सरे में 18 जून को निज्जर की हत्या के 3 महीने बाद पीएम जस्टिन ट्रूडो ने जब कनाडा के हाउस ऑफ कॉमन्स में विस्फोटक बयान दिया कि हत्या में भारत का हाथ है तो एक मामले ने अलग मोड़ ले लिया। भारत सरकार ने इन आरोपों को 'बेतुका' और 'दुर्भावना से प्रेरित' बताते हुए खारिज कर दिया है।

न्यूयॉर्क टाइम्स की एक हाल की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अमेरिकी सरकार ने ओटावा में भारतीय मिशन में इंटरसेप्ट किए गए संदेश के आधार पर कनाडा के साथ खुफिया जानकारी साझा की थी। इसके तुरंत बाद अमेरिकी सरकार के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने भारतीय अधिकारियों से कनाडाई सरकार के साथ 'जवाबदेही पूर्ण' सहयोग का आह्वान करते हुए कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने 'किसी भी देश के लिए किसी भी विशेष छूट' से इनकार किया। ये दोनों नेता भारत के साथ दोस्ताना रुख रखने वाले माने जाते हैं। फाइव आईज़ गठबंधन के एक मुखर सदस्य के रूप में अमेरिकी सरकार के इस रुख की घरेलू आलोचक यह कह कर आलोचना कर सकते हैं कि वह भारत में लोकतांत्रिक संस्थाओं के पतन, मानवाधिकारों के उल्लंघन और अल्पसंख्यकों के साथ व्यवहार के बावजूद इस क्षेत्र में चीन के मुकाबले के रूप में भारत को समर्थन देने की अपनी रणनीति के कारण भारत के प्रति बहुत नरम रवैया अपना रही है।

इन सभी झटकों के बीच मुख्य मुद्दा सामने आता है वह है विदेशी धरती पर पुनर्जीवित हो रहे खालिस्तानी आंदोलन का बढ़ता प्रसार। भारत सरकार को सोचना होगा कि इससे किस तरह निबटा जाना चाहिए, कहीं ऐसा न हो कि इससे निबटने के तरीकों और नतीजों से दीर्घकालिक नुकसान हो। इसलिए भारत के लिए कूटनीतिक रूप से बुद्धिमत्तापूर्ण होगा कि वह इस मुद्दे को सभी संभावित मंचों पर उठाए।

कुछ रिपोर्टों में कहा गया है कि निज्जर की हत्या कनाडाई खालिस्तानी समुदाय के भीतर एक आंतरिक झगड़े का परिणाम हो सकती है। 'वाशिंगटन पोस्ट' ने एक खबर चलाई थी जिसमें कहा गया था कि निज्जर की हत्या में दो लोगों और एक वाहन के बजाय छह व्यक्ति तथा दो वाहन शामिल थे। जो भी हो, भारत सरकार के पास दो विकल्प हैं- या तो वह सार्वजनिक रूप से जनता के सामने जाए और कानून के शासन के पालन के साथ एक लोकतंत्र के रूप में भारत की बेगुनाही का जोरदार दावा करे या शांत कूटनीति अपनाए और सरकारी व गैरसरकारी चैनलों के माध्यम से कनाडा सरकार के साथ सीधे बात करे तथा मामले को सुलझाए। अपनी प्रमुख बाहरी खुफिया एजेंसी के संदेह के घेरे में होने के साथ अगर भारत विदेशी धरती पर, विशेष रूप से उदार लोकतंत्रों में भारतविरोधी तत्वों को मारने वाले 'कपटी देश' की ख्याति अर्जित करता है तो यह दोगुना गंभीर मामला होगा।

भारत को घेरने के लिए उठाए गए कदमों पर अपने सहयोगियों की ठंडी प्रतिक्रिया के बाद कनाडा सरकार ने कुछ कदम पीछे खींच लिए गए हैं लेकिन दिल्ली को खालिस्तान समर्थकों की बढ़ती गतिविधियों का सामना करना पड़ रहा है जिन्होंने अपने उद्देश्य के लिए भौगोलिक सीमाओं से परे गठबंधन किया है। स्कॉटलैंड स्थित गुरुद्वारे से भारतीय उच्चायुक्त की जबरन वापसी इसका एक उदाहरण है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि कनाडा में भारतीय प्रवासियों का बढ़ता ध्रुवीकरण भारत की विदेश नीति प्रबंधन में अत्यधिक तनाव पैदा कर सकता है। सरकार द्वारा हाल ही में कनाडा के 41 राजनयिकों को भारत छोड़ने के लिए भेजे गए पत्र से व्यापार और निवेश, शिक्षा और पर्यटन के गंभीर रूप से बाधित होने के साथ द्विपक्षीय संकट और बढ़ सकता है।

(लेखक सेवानिवृत्त राजनयिक हैं। सिंडिकेट : दी बिलियन प्रेस)

देशबन्धु
संस्कारधानी
5 बिलासपुर
शनिवार 7 अक्टूबर 2023

उल्टा पुल्टा

दुकानदार- बहनजी आप दुकान पर आती हैं, गहने देखती हैं पर कुछ लेती क्यों नहीं ?

ग्राहक- हमेशा लेती हूं पर आप ध्यान नहीं देते..

डॉक्टरों व अधिवक्ताओं ने घेरा एसपी कार्यालय

आईएमए ने पुलिस कार्रवाई को बताया संदेहास्पद

वकीलों ने दूसरे पक्ष पर की कार्रवाई की मांग

वकील ने डाक्टर व नर्स की डंडे से की थी पिटाई

बिलासपुर , 6 अक्टूबर (देशबन्धु)। बिलासपुर में समाज के दो जिम्मेदार वर्ग चिकित्सको और अधिवक्ताओ के बीच हुआ विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। गुरुवार को मोबाइल मेडिकल यूनिट की टीम मंगला बस्ती जॉय रेजिडेंसी के सामने क्लिनिक लगाकर मरीजों का इलाज रही थी। डॉ अंशुल भौमिक के अनुसार उन्होंने अपनी स्कूटी सड़क किनारे साइड में पार्क किया था। जिसे वहीं रहने वाले वकील रजनीश सिंह बघेल ने कार निकालने के दौरान हटाने को कहा। इससे पहले की वह अपनी स्कूटी हटाते रजनीश सिंह बघेल ने कार से निकलकर अचानक डंडे से डॉक्टर अंशुल भौमिक की पिटाई शुरू कर दी। बाद में उनकी पत्नी किरण बघेल ने भी नर्स के साथ मारपीट की। इसकी शिकायत करने चिकित्सक दल और नगर निगम के अधिकारी सिविल लाइन थाने पहुंचे तो पीछे-पीछे अधिवक्ता संघ के साथ रजनीश सिंह बघेल और उनकी पत्नी किरण बघेल भी पहुंच गये, जिन्होंने आरोप लगाया कि चिकित्सक और उनके साथियों ने उनके साथ मारपीट की है।

दोनों ही पक्षों का अपना प्रभाव है। इसके चलते सिविल लाइन पुलिस को दोनों ही पक्षों की एफआईआर दर्ज करनी पड़ी । गुरुवार को इस मामले में जहां जिला अधिवक्ता संघ ने दखल दिया था तो वहीं अब इस मामले में आईएमए ने पुलिस कार्यवाही को संदेहास्पद बताया है। आईएमएफ का कहना है कि डॉक्टर अंशुल भौमिक और उनकी टीम सरकारी काम कर रहे थे। इस बीच उनके साथ गाली गलोज और मारपीट की गई है, लेकिन सिविल लाइन पुलिस ने शासकीय कार्य में बाधा से संबंधित धारा नहीं लगाई है । इसके विरोध में चिकित्सक और नगर निगम के कर्मचारियों ने एसपी कार्यालय पहुंचकर अपना विरोध दर्ज कराया। घायल डॉक्टर और नर्स व्हीलचेयर में बैठकर पहुंचे, जिन्होंने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही और मामले में शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाने की धारा जोड़ने की बात कही, तो वही जिलाअधिवक्ता संघ के पदाधिकारी भी अधिवक्ता रजनीश बघेल के समर्थन में एसपी को ज्ञापन सौंपने पहुंचे और दूसरे पक्ष के खिलाफ कार्यवाही की मांग की। पुलिस पहले ही दोनों पक्षों के खिलाफ मामला दर्ज कर चुकी है। इस मामले में अब जिला अधिवक्ता संघ और आईएमए के भी उतरने से पुलिस के लिए मुश्किलें बढ़ती जा रही है, क्योंकि किसी एक पक्ष की मांग मानने पर दूसरा पक्ष उन पर दबाव बनाएगा क्योंकि दोनों ही संगठन ताकतवर है।

नॉर्थ ईस्ट इंस्टिट्यूट मैदान में किया जाएगा 65 फीट ऊंचे रावण का दहन

15 अक्टूबर से रामलीला का मंचन भी

बिलासपुर , 6 अक्टूबर (देशबन्धु)। असत्य पर सत्य, अहंकार पर विनम्रता और बुराई पर अच्छाई की जीत के पर्व विजयदशमी पर इस वर्ष भी बिलासपुर के नॉर्थ ईस्ट इंस्टिट्यूट मैदान में हिंदुस्तानी सेवा समाज द्वारा भव्य रावण दहन उत्सव का आयोजन किया जाएगा। जिसकी तैयारियां आरंभ कर दी गई है। बिलासपुर में विगत 72 वर्षों से यह आयोजन निरंतर किया जा रहा है, हालांकि कोरोना के दौर में एक दो वर्ष ऐसी भी बीते हैं जब यह आयोजन नहीं हुआ। कोरोना का प्रभाव अब लगभग समाप्त हो जाने से इस 73वे वर्ष में हिंदुस्तानी सेवा समाज भव्य रूप से रामलीला और दशहरा उत्सव मनाने की तैयारी है कर रहा है। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी विजयदशमी पर्व के पहले ही 15 अक्टूबर से 24 अक्टूबर तक तोरवा थाने के बगल में रामलीला का मंचन किया जाएगा। अकलतरी के आदर्श रामलीला मंडली के कलाकार भगवान राम के जीवन चरित्र से जुड़े प्रसंग का प्रदर्शन करेंगे, जिसकी प्रतिक्षा बिलासपुर वासियो को पूरे वर्ष भर रहती है । इधर 24 अक्टूबर शाम 6:00 बजे रेलवे नॉर्थ ईस्ट इंस्टिट्यूट मैदान में रावण का दहन किया जाएगा। ज्ञानेश्वर कामले 65 फीट ऊंचे रावण का निर्माण कर रहे हैं। रावण और आतिशबाजी में करीब सवा लाख रुपए खर्च आने का अनुमान लगाया जा रहा है। इस वर्ष रावण दहन कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बिलासपुर विधायक शैलेश पांडे शामिल होंगे उनके अलावा सांसद अरुण साव, रेलवे के जीएम और डीआरएम और स्थानीय जनप्रतिनिधि भी सम्मिलित होंगे। हिंदुस्तानी सेवा समाज के अध्यक्ष एच एस भदोरिया ने बताया कि हर वर्ष की तरह रावण दहन और आतिशबाजी देखने के लिए पूरे बिलासपुर से हजारों की संख्या में लोग जुटेंगे। बिलासपुर में ऐसे तो कई रावण दहन उत्सव होते हैं लेकिन सबसे अधिक भीड़ बुधवारी बाजार के पास हिंदुस्तानी सेवा समाज के आयोजन में ही जुटती है । जिसे लेकर हर वर्ष की तरह इस बार भी इस आयोजन को भव्य और यादगार बनाने के लिए हिंदुस्तानी सेवा समाज के पदाधिकारी और सदस्य अभी से जुट गए हैं इसके लिए दशहरा उत्सव समिति और रामलीला समिति का भी गठन किया गया है, जिनके अध्यक्ष यू एस पांडे और राजवीर सिंह बनाए गए हैं।

सार-संक्षेप

छत्तीसगढ़ में प्रगतिशील समाज है सेन समाज- त्रिलोक

बिलासपुर , 6 अक्टूबर (देशबन्धु)। व्यक्तियों का समूह परिवार ,परिवार का समूह समुदाय, और समुदायों का समूह समाज होता है ,और मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है, जो व्यक्ति अपने समाज से कटता है, वह जीवन की मुख्य धारा से कट जाता है, छत्तीसगढ़ में सेन समाज सर्वाधिक रूप से प्रगतिशील समाज है, और बिलासपुर संभागीय मुख्यालय और प्रदेश का दूसरा बड़ा शहर है, बिलासपुर महानगर के मध्य में धर्मशाला होना अपने आप में गौरव की बात है ,और अतिरिक्त कक्ष का लोकार्पण से समाज के कार्यक्रमों में अन्य समाज की गतिविधियों में बहुत ही यह भवन सहायक होगा, यह बातें छत्तीसगढ़ प्रांत सर्वसेन समाज के प्रांतीय अध्यक्ष त्रिलोक चंद्र श्रीवास ने संभागीय श्रीवास समाज बिलासपुर द्वारा बिलासपुर में श्रीवास धर्मशाला में अतिरिक्त कक्ष के लोकार्पण के अवसर पर अति विशिष्ट अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए अपने उदगार व्यक्त किये। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बिलासपुर विधायक शैलेश पांडे ने भी समाज को हर सहयोग करने की बात कही। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे संभागीय श्रीवास समाज के अध्यक्ष सुरेंद्र श्रीवास विशिष्ट अतिथि शिल्प कल्याण बोर्ड के उपाध्यक्ष चित्रकांत श्रीवास, मनोज श्रीवास ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन अनिल श्रीवास ने किया। इस अवसर पर लक्ष्मी श्रीवास् संभागीय उपाध्यक्ष चंद्रमणि श्रीवास संभागीय सचिव, बसंत श्रीवास, संतोष श्रीवास कोषाध्यक्ष ,सुमित श्रीवास राम कुमार श्रीवासश्री राजू श्रीवास राजकुमार श्रीवास गोरेलाल श्रीवास नवीन श्रीवास प्रकाश श्रीवास लक्ष्मी श्रीवास दीपक श्रीवास सभी इकाइयों के अध्यक्ष सहित सैकड़ो लोग उपस्थित थे। इस अवसर पर संभागीय श्रीवास समाज युवा प्रकोष्ठ महिला प्रकोष्ठ द्वारा प्रांत अध्यक्ष त्रिलोक चंद्र श्रीवास का शाल श्रीफल और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

इंदिरा गांधी साम्प्रदायिकव सामाजिक सौहार्द पुरस्कार आवेदन 20 तक

बिलासपुर , 6 अक्टूबर (देशबन्धु)। राज्य शासन द्वारा साम्प्रदायिक एवं सामाजिक सौहार्द के क्षेत्र में प्रशंसनीय कार्य करने वाले शासकीय सेवकों, व्यक्तियों, अशासकीय संस्थाओं से इंदिरा गांधी साम्प्रदायिक एवं सामाजिक सौहार्द पुरस्कार योजना के अंतर्गत वर्ष 2023 के लिए आवेदन 20 अक्टूबर तक आमंत्रित किये गये है। आवेदन पत्र सीधे जिले के कलेक्टर को प्रस्तुत करना होगा। शासकीय सेवकों, व्यक्तियों तथा ऐसे अशासकीय संस्था जिन्होंने राज्य स्तर पर साम्प्रदायिक सौहार्द बढ़ाने तथा साम्प्रदायिक उपद्रव की रोकथाम के लिए प्रभावी एवं रचनात्मक कार्य किया हो उन्हें प्रथम पुरस्कार तथा जिन्होंने घटना स्थल या स्थानीय स्तर पर उत्कृष्ट कार्य एवं सेवाओं से साम्प्रदायिक सौहार्द व सद्भावना बनाने का कार्य किया हो द्वितीय पुरस्कार दिया जाएगा। आवेदक अपने आवेदन पत्र के साथ इस क्षेत्र में किये गये कार्यों के प्रमाण सहित पूर्ण ब्यौरा अपने जिले के कलेक्टर को सौंपेंगे। शासकीय सेवकों के लिए प्रथम एवं द्वितीय पुरस्कार के रूप में पदक एवं प्रशस्ति पत्र तथा अशासकीय संस्था या कार्यकर्ता के लिए प्रथम पुरस्कार 25 हजार रूपये की राशि, पदक, प्रशस्ति पत्र और द्वितीय पुरस्कार 10 हजार रूपये की राशि, पदक एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाएगा।

शांति समिति की बैठक आज

बिलासपुर , 6 अक्टूबर (देशबन्धु)। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी नवरात्रि, दशहरा, दुर्गा प्रतिमा विसर्जन पर्व शांति एवं सौहादपूर्ण वातावरण में मनाने, पर्व के दौरान शांति व्यवस्था बनाये रखने एवं अन्य प्रशासनिक व्यवस्था के संबंध में 7 अक्टूबर को शाम 4 बजे जिला कार्यालय के मंथन सभाकक्ष में शांति समिति की बैठक रखी गई है।

हेमूनगर में दूषित पानी का हो रहा सप्लाई

डायरिया फैलने की आशंका से सहमे वार्डवासी

बिलासपुर , 6 अक्टूबर (देशबन्धु)। बिलासपुर में इस साल डायरिया से अब तक 8 मौत हो चुकी है। इससे पहले तालापारा, तार बाहर और सरकंडा क्षेत्र में इसका प्रकोप देखा गया था। वर्तमान में इमली पारा में डायरिया से करीब 50 लोग संक्रमित पाए गए हैं इसी बीच शिकायत आ रही है कि हेमू नगर में भी दूषित पेयजल की सप्लाई हो रही है। बताया जा रहा है कि तहसीलदार गली में पिछले चार-पांच दिनों से घरों में गंदा पानी सप्लाई लाइन से आ रहा है। इसके पीछे वजह बताया गया है कि तहसीलदार गली में लगे पंप के पास लीकेज है। वहीं कई स्थानों पर नालियों से गुजर कर पुरानी जर्जर पाइपलाइन आ रही है। इस मौसम में गंदा पानी घरों में आने से डायरिया फैलने की आशंका बढ़ती जा रही है। कई इलाकों में पिछले 10 दिनों से पानी सप्लाई बंद होने की भी शिकायत है। हेमू नगर पानी सप्लाई टंकी का मुख्य मोटर खराब हो जाने के कारण पानी टंकी पूरी तरह से भर नहीं पा रहा है, जिसके कारण कई क्षेत्रों में पिछले काफी दिनों से पानी की सप्लाई सामान्य रूप से नहीं हो पा रही है। शिकायत करते हुए बताया गया कि हेमू नगर बॉम्बे आवास का सेफ्टी टैंक पूरी तरह से भर चुका है, जिसे साफ नहीं किया जा रहा। इसका प्रदूषण भी सप्लाई लाइन में जा रहा है। पूरे वार्ड में 26 से अधिक स्थानों पर स्ट्रीट लाइट बंद होने, लंबे वक्त से नालियों की सफाई न होने, जगह-जगह नालियों पर मौजूद स्लैब के धंस जाने की भी शिकायत की गई है।

लोगों ने बताया कि बार-बार इसकी शिकायत स्थानीय पार्षद और निगम के जिम्मेदार अधिकारियों से करने के बाद भी कोई निदान नहीं हो रहा है हेमू नगर में जगह-जगह से पाइपलाइन नालियों से गुजर रही है, जिनमें से अधिकांश पाइपलाइन पुरानी और जर्जर है, जिसके कारण यहां हर वक्त डायरिया जैसे संक्रमण के फैलने की आशंका बनी हुई है। मौजूदा संकट के दौर लोग डरे सहमे हैं। कुछ क्षेत्रों में तो पानी की सप्लाई ही नहीं हो रही। पिछले 5 सालों में हेमू नगर की व्यवस्थाएं पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। सड़क में गड्ढे, जगह-जगह पाइपलाइन में लीकेज, पानी की सप्लाई अक्सर बाधित होना, स्ट्रीट लाइट का बंद होना, नालियों की सफाई न होना, गलियों में गंदगी आम बात हो चुकी है। लोगों का कहना है कि जब भी उन्होंने इसकी शिकायत पार्षद से की है तो उन्होंने नगर निगम में विपक्ष की सरकार होने की बात कह कर पल्ला झाड़ लिया, जिसके चलते हेमू नगर वासियों का जीवन नारकीय बन चुका है। लेकिन वर्तमान में बड़ी चिंता दूषित पानी की सप्लाई है। कहीं ऐसा ना हो कि इमली पारा की तरह यहां भी डायरिया का संक्रमण हो जाए, इससे पहले ही यहां युद्ध स्तर पर सुधार कार्य की आवश्यकता है।

सीपत को नगर पंचायत बनाने 19 तक दावा-आपत्ति आमंत्रित

बिलासपुर, 6 अक्टूबर(देशबन्धु)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की घोषणा के अनुरूप सीपत ग्राम पंचायत को उन्नत कर नगर पंचायत बनाया जायेगा। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा इस संबंध में अधिसूचना का प्रकाशन किया गया है।

एडीएम श्री आरए कुरूवंशी ने बताया कि इस संबंध में यदि किसी को आपत्ति हो तो वे 19 अक्टूबर 2023 तक दावा-आपत्ति दर्ज कर सकते है। जनपद पंचायत मस्तूरी अथवा अनुविभागीय राजस्व अधिकारी कार्यालय मस्तूरी में उक्त तिथि तक दावा आपत्ति स्वीकार किये जाएंगे।

सीपत ग्राम पंचायत की वर्तमान जनसंख्या 15 हजार 480 है। नगर पंचायत की सीमा वही होगी, जो ग्राम पंचायत की वर्तमान में है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री ने भेंट मुलाकात के दौरान सीपत सहित गनियारी एवं मस्तूरी को नगर पंचायत बनाने की घोषणा की थी। गनियारी एवं मस्तूरी को नगर पंचायत बनाने के लिए अधिसूचना पूर्व में जारी की जा चुकी है।

नशा मुक्त भारत अभियान, महापौर ने जागरूकता रथ को दिखाई हरी झंडी

बिलासपुर , 6 अक्टूबर (देशबन्धु)। भारत शासन के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय और छत्तीसगढ़ शासन के समाज कल्याण विभाग द्वारा नशा मुक्त भारत अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में आज जिले में नशे के दुष्परिणामों से लोगों को जागरूक करने जागरूकता रथ को महापौर रामशरण यादव ने जिला कार्यालय परिसर से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। समाज कल्याण विभाग की संयुक्त संचालक श्रीमती श्रद्धा मैथ्यू ने बताया कि यह जागरूकता रथ जिले के विभिन्न विकासखंडों, नगरपालिका, नगर पंचायत, नगर निगम तथा विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर नशे से होने वाले हानि तथा उसके दुष्परिणाम से लोगों को जागरूक करेगा। विभागीय कलाकारों द्वारा नशे से परिवार, समाज एवं देश पर होने वाले दुष्प्रभाव को लेकर लोगों में जागरूकता लाने के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार भी किया जाएगा। रथ में विभिन्न प्रकार के स्लोगन तथा छायाचित्र प्रदर्शित किये गये है। जैसे ''हमने ठाना है, नशे का रोग मिटाना है नशा न खुद करें न करने दें नशा को दूर भगाएं, सुखी स्वस्थ्य जीवन बनाएं। इस अवसर पर परीविक्षा अधिकारी श्रीमती एस. रामेश्री, प्रमुख कलाकार विजय केशकर, एल.डी भांगे, दादूलाल बरेठ, राजेश सिसोदिया, के के कश्यप, जी.आर.चंद्रा, मनोज शर्मा, श्रीमती आकांक्षा साहू, डी.एल. साहू, गौरव साहू, किशुन यादव, उमेश कौशिक सहित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

मंडल के उदलकछार व नागपुर रोड स्टेशन में 2 जोड़ी एक्सप्रेस गाड़ियों का ठहराव

बिलासपुर, 6 अक्टूबर (देशबन्धु)। रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर मंडल के उदलकछार एवं नागपुर रोड स्टेशन में 02 जोड़ी एक्सप्रेस गाड़ियों के प्रायोगिक ठहराव की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है । जिसमें गाड़ी संख्या 18241/18242 दुर्ग-अम्बिकापुर-दुर्ग एक्सप्रेस एवं गाड़ी संख्या 18755/18756 शहडोल-अम्बिकापुर-शहडोल एक्सप्रेस शामिल है।विवरण इस प्रकार है। गाड़ी संख्या 18241/18242 दुर्ग-अम्बिकापुर-दुर्ग एक्सप्रेस का 8 अक्टूबर से उदलकछार एवं नागपुर रोड स्टेशन में ठहराव की सुविधा उपलब्ध रहेगी । गाड़ी संख्या 18241 दुर्ग-अम्बिकापुर एक्सप्रेस, उदलकछार स्टेशन 04.03 बजे पहुंचेगी एवं 04.05 बजे रवाना होगी तथा नागपुर रोड स्टेशन 04.16 बजे पहुंचेगी एवं 04.18 बजे रवाना होगी । इसी प्रकार गाड़ी संख्या 18242 अम्बिकापुर-दुर्ग एक्सप्रेस, नागपुर रोड स्टेशन 00.11 बजे पहुंचेगी एवं 00.13 बजे रवाना होगी तथा उदलकछार स्टेशन 00.24 बजे पहुंचेगी एवं 00.26 बजे रवाना होगी।गाड़ी संख्या 18755/18756 शहडोल-अम्बिकापुर-शहडोल एक्सप्रेस का दिनांक 08 अक्टूबर 2023 से उदलकछार एवं नागपुर रोड स्टेशन में ठहराव की सुविधा उपलब्ध रहेगी 7 गाड़ी संख्या 18755 शहडोल-अम्बिकापुर एक्सप्रेस, उदलकछार स्टेशन 16.51 बजे पहुंचेगी एवं 16.53 बजे रवाना होगी तथा नागपुर रोड स्टेशन 17.04 बजे पहुंचेगी एवं 17.06 बजे रवाना होगी । इसी प्रकार गाड़ी संख्या 18756 अम्बिकापुर-शहडोल एक्सप्रेस, नागपुर रोड स्टेशन 10.31 बजे पहुंचेगी एवं 10.33 बजे रवाना होगी तथा उदलकछार स्टेशन 10.44 बजे पहुंचेगी एवं 10.46 बजे रवाना होगी।

लिंक रोड पर फ्लाईओवर बिलासपुर के सीने पर एक और घाव देने की योजना-विक्रांत

फ्लाईओवर के विरोध में सीएमडी चौक से लेकर सत्यम चौक तक जनता के बीच नुक्कड़ सभा करेगा आजाद मंच

बिलासपुर, 6 अक्टूबर (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ निर्माण के वक्त राजधानी रायपुर से बराबरी करने की तैयारी में रहने वाला प्रदेश का दूसरा बड़ा शहर बिलासपुर पिछले 23 सालों में रायपुर से विकास के मामले में कहीं पीछे छूट चुका है जहां राजधानी रायपुर का चौतरफा विकास देखने को मिला वही बिलासपुर विकास की आशा में गड्ढे, नाली, सीवरेज इन्हीं से जूझता रह गया, उक्त बातें प्रेस कांफ्रेंस के माध्यम से आजाद मंच के प्रमुख विक्रांत तिवारी ने मीडिया के समक्ष राखी ।

आजाद मंच, बिलासपुर को आजाद करने की मुहिम के साथ लगातार बिलासपुर के मुद्दों को लेकर जनता और मीडिया के बीच उपस्थित होने वाला एक मंच रहा है आजाद मंच प्रमुख विक्रांत तिवारी ने मीडिया से चर्चा में बताया कि आज आजाद मंच उस योजना का विरोध करने के लिए अपनी वचनबद्धता बताने मीडिया के समक्ष उपस्थित हुआ है जिससे आने वाले समय में बिलासपुर की एक और पहचान को बिलासपुर के मानचित्र से मिटाने की कोशिश के रूप में देखा जा सकता है। विक्रांत तिवारी ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा बिलासपुर के विकास के नाम पर सिर्फ हवा हवाई बातें और एक बेबी फ्लावर नाम का खिलौना बिलासपुर को थमा दिया जाता है जिसका ना कोई उपयोग होता है ना ही जिसकी कोई जरूरत रहती है इसी प्रकार कल राज्य शासन ने 70 करोड़ की लागत से बिलासपुर की पहचान माने जाने वाली लिंक रोड के ऊपर लगभग 2 किलोमीटर का 7 मीटर चौड़ा फ्लावर को मंजूरी दी है जिसके विरोध में आजाद मंच सड़कों पर उतरने की तैयारी में है । विक्रांत तिवारी ने कहा कि यह योजना बिलासपुर के सीने पर एक और घाव की भांति है ऐसी योजना जिससे बिलासपुर की लगभग आधी आबादी दिक्कत में आएगी ऐसी योजना जिससे सैकड़ो व्यापारियों को नुकसान होगा, हजारों लोगों के घरों की कीमत गिर जाएगी और शहर की आम जनता को इसके निर्माण काल में और निर्माण के बाद लगातार दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा ऐसी किसी भी योजना को बिलासपुर में आने नहीं दिया जाएगा । यह योजना कमीशन खोरी के लिए लाई जा रही है , बड़े शहर में लोगों को मुआवजा देकर रोड चौड़ीकरण किया जाता है लेकिन लोगों के मुआवजा देने में कमीशन खोरी नहीं हो सकती इसलिए ऐसा बेबी फ्लाई ओवर कोएक झुनझुना के रूप में विकास के नाम पर बिलासपुर को दिया जा रहा है।

जिला स्तरीय पशु-पक्षी प्रदर्शनी व मेला 8 को

बिलासपुर, 6 अक्टूबर (देशबन्धु)। पशुधन विकास विभाग द्वारा नेशनल लाईव स्टॉक मिशन अंतर्गत जिला स्तरीय पशु-पक्षी प्रदर्शनी एवं मेला का आयोजन मस्तूरी विकासखण्ड के जयरामनगर स्टेडियम में 8 अक्टूबर को सवेरे 10 बजे से किया जाएगा। प्रदर्शनी में विभिन्न वर्गों को अलग-अलग पशु समूह में बांटकर प्रदर्शनी में रखा जाएगा एवं प्रत्येक समूह में पशुओं के ग्रेड के आधार पर प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं सांत्वना पुरस्कार दिया जाएगा।

संयुक्त संचालक, पशु चिकित्सा सेवायें ने बताया कि जिले के पशुपालक अपने अच्छे नस्ल के पशुओं के साथ शिविर स्थल पर उपस्थित होकर प्रतियोगिता में भाग ले सकते है।

प्रदर्शनी के साथ ही नि:शुल्क पशु चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जाएगा जिसमें पशुओं को विभिन्न बीमारियों का इलाज साथ ही रेबिज का नि:शुल्क टीकाकरण किया जाएगा। कृषक संगोष्ठी के माध्यम से विभाग के विशेषज्ञों के द्वारा उन्नत पशुपालन संबंधी जानकारी दी जाएगी। उन्होंने लोगों से शिविर में अधिक से अधिक संख्या में अपने पशु-पक्षियों के साथ उपस्थित होकर शिविर का लाभ उठाने की अपील की है।

सार-संक्षेप

निर्वाचन व्यय निगरानी के लिए विभागों के साथ हुई बैठक

कोरबा, 06 अक्टूबर (देशबन्धु)। विधानसभा निर्वाचन 2023 की तैयारियों के संबंध में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सौरभ कुमार के निर्देशन में उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती सीमा पात्रे की उपस्थिति में जिला पंचायत कोरबा के सभाकक्ष में सेक्टर ऑफिसर, मास्टर ट्रेनर, एमसीएमसी समिति के सदस्यों का प्रशिक्षण एवं कलेक्टोरेट सभाकक्ष में जिले के प्रिंटरों और प्रकाशकों, बैंकर्स, आबकारी एवं वाणिज्यकर व आयकर विभाग के साथ महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। इस अवसर पर संयुक्त कलेक्टर श्री सेवा राम दिवान, जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर डॉ. एम एम जोशी, डिप्टी कलेक्टर विकास चौधरी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

मीडिया अनुप्रमाणन एवं मॉनिटरिंग समिति के सदस्यों को प्रशिक्षण

जिला स्तरीय मीडिया अनुप्रमाणन एवं मॉनिटरिंग समिति के सदस्यों एवं नोडल अधिकारियों को प्रशिक्षण में प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक एवं सोशल मीडिया के लिये भारत निर्वाचन आयोग के मार्गदर्शी बिन्दुओं के अनुरूप आदर्श आचार संहिता, राजनीतिक विज्ञापन, पेड न्यूज, सोशल मीडिया आदि के माध्यम से प्रचार प्रसार हेतु मापदंड की विस्तारपूर्वक प्रशिक्षण दी गई। साथ ही मीडिया प्रमाणन के संबंध में सर्वोच्च न्यायालय व निर्वाचन आयोग के निर्देश, प्रमाणन के आधार, समिति का अधिकार क्षेत्र, मीडिया प्रमाणन की आवश्यकता, मीडिया निगरानी, पेड न्यूज, फेक न्यूज सहित अन्य विषय पर जानकारी दी गई।

प्रकाशक-मुद्रक का नाम और संख्या नहीं छापने पर होगी कार्यवाही

कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित जिले के प्रिंटिंग प्रेस संचालक और मुद्रकों की बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने विधानसभा निर्वाचन के दौरान छापी जाने वाली राजनीतिक प्रचार-प्रसार सामग्रियों के बारे में निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देशों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि विधानसभा निर्वाचन के लिए आदर्श आचार संहिता प्रभावशील होते ही सभी प्रिंटरों-मुद्रकों और प्रकाशकों को लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 127 ए में निहित प्रावधानों और दिशा निर्देशों का पालन करना बंधनकारी होगा। मुद्रकों की यह जिम्मेदारी होगी कि वह निर्वाचन के दौरान प्रचार के लिए छापी गई सामग्री की तीन प्रतियां और प्रकाशक की घोषणा जिला निर्वाचन कार्यालय में छपाई के 72 घंटे के भीतर जमा कराएं। उन्होंने कहा कि मुद्रित की गई सामग्रियों पर मुद्रक एवं प्रकाशक का नाम तथा मुद्रित संख्या अंकित करना अनिवार्य होगा। साथ ही विधानसभा निर्वाचन के लिए प्रचार-प्रसार की सामग्री में मुद्रित किये जाने वाला मैटर आदर्श आचार संहिता के दायरे में रहेगा। किसी भी प्रकार की प्रचार सामग्री जैसे हैंडबिल, पम्पलेट, पोस्टर, बैनर, फ्लैक्स आदि को छापने के लिए संबंधित व्यक्ति द्वारा मुद्रक को घोषणा पत्र भरकर ही आर्डर दिया जायेगा। बिना घोषणा पत्र वाले प्रिंटिंग आर्डर ना लें।

बैंकों में लेनदेन पर नजर रखने के निर्देश

बैंकर्स की बैठक में सभी बैंकों को निर्वाचन आयोग द्वारा रुपए के लेन-देन को लेकर विशेष निर्देश दिए गए हैं, इसलिए बैंक के माध्यम से होने वाले लेन-देन में नियमों का पालन सुनिश्चित किया जाए। अधिक लेन-देन होने तथा किसी भी लेन-देन में शंका होने पर उसकी सूचना निर्वाचन की टीम को समय पर दें। बैंक अधिकारियों को नियमों का पालन कड़ाई से करने तथा किसी प्रकार से उल्लंघन किये जाने पर सख्त कार्यवाही की हिदायत दी है। बैंक अधिकारियों को निर्वाचन के दौरान एटीएम हेतु नगदी ले जाने वाले वाहनों तथा कर्मचारियों के आवश्यक दस्तावेजों को साथ रखने के निर्देश दिए। निष्पक्ष चुनाव हेतु बैंकर्स से सहयोग की अपील की। इस दौरान बैंकर्स को ईएसएमएस सॉफ्टवेयर/एप के उपयोग के संबंध में प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया।

अवैध शराब के परिवहन, भण्डारण विक्रय पर रखें निगरानी

आबकारी विभाग की बैठक में निर्देशित किया गया कि आदर्श आचार संहिता के दौरान जिले में अवैध शराब के परिवहन, भण्डारण विक्रय पर नियंत्रण हेतु सतत निगरानी रखी जाए एवं टीम गठन कर अवैध शराब विक्रेताओं पर छापामार कार्यवाही कर जब्ती कार्यवाही की जाए। जिले के देशी विदेशी मदिरा दुकानों, वेयरहाउस की स्टॉक पंजी को नियमित अद्यतन किया जाए। आयकर विभाग निर्वाचन व्यय निगरानी तंत्र के अंतर्गत अवैध धन की जब्ती हेतु प्रभावी कार्ययोजना तैयार करें। साथ ही राजनीतिक दल या राजनीतिक व्यक्ति के पास 10 लाख से अधिक की राशि पाए जाने पर तत्काल जब्ती की कार्यवाही की जाए। हेलीपैड पर कार्यवाही हेतु टीम का गठन एवं सूचना मिलने पर कार्यवाही के लिए भी व्यवस्था करने के निर्देश दिए। वाणिज्यकर विभाग को निर्देशित किया कि 50 हजार से अधिक की सामग्री आदि के बिल की जांच कर आवश्यक कार्यवाही करने हेतु तैयारियां सुनिश्चित करें एवं बिना बिल के 10 हजार से अधिक की सामग्री सहित अन्य वस्तुओं की भी जांच कर कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

माडर्न कॉलेज के नव-प्रवेशित विद्यार्थियों का स्वागत

कोरबा, 06 अक्टूबर (देशबन्धु)। माडर्न कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट एण्ड इन्फारमेंशन टेक्नोलॉजी, कोरबा महाविद्यालय में सत्र 2023-24 के नव-प्रवेशित विद्यार्थियों का द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों द्वारा स्वागत फ्रेशर पार्टी के द्वारा किया गया। फ्रेशर पार्टी में सभी संकाय बीबीए, बी.कॉम., बी.एस.सी. तथा बी.सी.ए. के द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों ने महाविद्यालय में प्रथम वर्ष के नव-प्रवेशित विद्यार्थियों के साथ-साथ डी.सी.एस. और पी.जी.डी.सी.ए. के विद्यार्थियों का स्वागत तिलक लगाकर तथा पुष्प प्रदान कर किया। इस दौरान विद्यार्थियों द्वारा आयोजित रैम्प वॉक एवं विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। सांस्कृतिक एवं रंगारंग कार्यक्रमों में सुगम संगीत की प्रस्तुति बी.कॉम. द्वितीय वर्ष की छात्रा कु. मुस्कान रहमान द्वारा दी गयी। सोनम एण्ड ग्रुप, तबस्सुम एण्ड ग्रुप, स्नेहा एण्ड ग्रुप इत्यादि विद्यार्थियों ने लोकगीत एवं फिल्मी गीतों पर नृत्य की प्रस्तुतियॉ दी। महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक सद्दाम हुसैन के मार्गदर्शन में फ्रेशर पार्टी के कार्यक्रम का संचालन कु. रितिका पाटस्कर, कु. अनामिका शुक्ला, कु. मुन्तहा, कु. प्रियंका साहू एवं मोहम्मद हसन द्वारा किया गया। माडर्न ग्रुप ऑफ ऐजुकेशन के अध्यक्ष बहुद्दीन अहमद एवं उपध्यक्ष श्रीमती फरहत अहमद ने नव प्रवेशित विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी।

1 लाख निवेशकों के जमा 8 अरब वापस दिलाने किया प्रदर्शन

छत्तीसगढ़ अभिकर्ता एवं उपभोक्ता सेवा संघ ने सौंपा ज्ञापन

कोरबा, 06 अक्टूबर (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ अभिकर्ता एवं उपभोक्ता सेवा संघ ने कलेक्टर के माध्यम से राज्यपाल को पत्र प्रेषित कर तथाकथित चिटफंड कंपनियों (साईं प्रसाद, विनायक होम्स, मिलियन माईल्स, नेथवर्थ मार्केटिंग कंपनी) आदि में लगभग 1 लाख निवेशकों की जमा धनराशि 8 अरब रुपए वापस दिलाए जाने की मांग की है। अभिकर्ताओं ने घंटाघर में एक दिवसीय धरना व रैली किया।

जिलाध्यक्ष मदनलाल चंद्रा ने बताया कि तथाकथित चिटफंड कंपनियों को तत्कालीन केन्द्र सरकार व राज्य सरकार के द्वारा पंजीयन के साथ अनुमति देकर विभिन्न जिलों में संचालित कराया गया था। 5 जिलों में कलेक्टर

द्वारा रोजगार मेला में उक्त चिटफंड कंपनियों को आमंत्रित कर बेरोजगार युवक-युवतियों को नियुक्ति प्रदान कर रोजगार दिया गया था एवं वर्ष 2009-2010 में सभी जिलों के कलेक्टरों द्वारा चिटफंड कंपनियों को प्रतिबंध कर दस्तावेज जांच किया गया एवं कुछ नियम-शर्तों को लागू कर पुनः संचालित करने की अनुमति दी गई। इससे प्रभावित होकर गरीब, किसान, मजदूर एवं मध्यम वर्गीय निवेशकों ने शासन-प्रशासन पर पूर्ण विश्वास कर अपनी जमापूंजी इन चिटफंड कंपनियों में निवेश किया। छत्तीसगढ़ में लगभग 100 चिटफंड एवं तथाकथित कंपनियों को संचालित कराया गया जिसमें ग्रामीण व शहरी क्षेत्र के 1 लाख निवेशकों का 8 अरब रुपया जमा किया गया है। राज्य शासन द्वारा तहसील व जिला स्तर पर 2 से 20 अगस्त 2021 तक आवेदन जमा करवाए गए लेकिन किसी भी निवेशक को कोरबा जिला में राशि वितरित नहीं किया गया है।

साईं प्रसाद की संपत्ति कुर्क लेकिन राशि अप्राप्त

संघ ने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा साईं प्रसाद कंपनी की टीपी नगर स्थित तीन मंजिला कार्यालय को कुर्क किया गया किंतु आज तक पीड़ित निवेशकों की डूबी हुई जमा राशि राज्य सरकार द्वारा वापस नहीं किया गया है। निवेशकों का पाई-पाई जमा राशि वापस दिलाने का वादा घोषणा पत्र में किया गया किंतु निवेशकों की राशि वापस नहीं की गई। राज्य में 54 निवेशकों ने आत्महत्या कर ली। कई व्यक्ति गंभीर बीमारी से पीड़ित है। बेटियों की शिक्षा, विवाह धन के अभाव में नहीं हो पा रही है।

घुड़देवा से पंखा दफाई तक बेदखली आदेश पर रोक लगाएं

कोरबा, 06 अक्टूबर (देशबन्धु)। नगर पालिक निगम क्षेत्र अंतर्गत घुड़देवा रेल्वे दफाई, जेठूदफाई, सेंद्रीदफाई, पंखादफाई, भक्तुदफाई तक 50 वर्षों से अधिक समय से सैकड़ों गरीब भूमिहीन आम जनता निवास करते आ रहे हैं। दर्री तहसीलदार द्वारा पंखादफाई, जेठूदफाई, सेंद्रीदफाई, भक्तुदफाई, घुड़देवा के रेल्वे दफाई में निवासरत गरीब भूमिहीन जनता को एक सप्ताह में बेदखल करने का आदेश जारी कर गरीबों को घर छोडने का आदेश दिया गया है जिससे वहां निवासरत गरीब जनता मानसिक रूप से प्रताड़ित और भयभीत हैं।

मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के जिला सचिव प्रशांत झा के नेतृत्व में प्रभावितों ने दर्री तहसीलदार को ज्ञापन सौंपते हुए बेदखली आदेश को रोकने की मांग की है। झा ने कहा कि बेदखल करने का आदेश से प्रशासन का अमानवीय चेहरा सामने आया है जिसका माकपा विरोध करती है। गरीब भूमिहीन जनता रोजी-मजदूरी कर किसी तरह से कच्चा मकान बनाकर 50 वर्षों से अधिक समय से इस जमीन पर बसकर अपना जीवन यापन कर रहे हैं। किसी के पास रहने के लिए अन्य कोई जगह नहीं है। किसी को भी हटाने से पूर्व उन्हें बसावट की सुविधा दिलाने की मांग की गई है। इस संबंध में कलेक्टर एवं अनुविभागीय अधिकारी कटघोरा से भी पत्र लिखकर आवश्यक पहल करने की मांग की गई है। माकपा ने कहा कि जबरन बेदखल करने की कोशिश की गई तो सडक़ पर उतर कर विरोध किया जाएगा।

वन अधिकार पट्टे के लिए राशि मांगने पर होगी कड़ी कार्रवाई

पाली एसडीएम ने बैठक लेकर निःशुल्क वितरण के दिए निर्देश

कोरबा, 06 अक्टूबर (देशबन्धु)। वन अधिकार पट्टों के वितरण पूर्व अनुविभागीय अधिकारी (रा.) पाली सुश्री रूचि शार्दुल की अध्यक्षता में अनुविभाग पाली अंतर्गत के समस्त तहसीलदार, नायब तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक एवं हल्का पटवारियों की बैठक आहूत की गई। बैठक में सर्व राजस्व अधिकारियों को स्पष्ट रूप से निर्देशित किया गया है कि, वन अधिकार पट्टों का वितरण पूर्ण रूप से निःशुल्क किया जाना है।

यदि उक्त कार्य में किसी भी अधिकारी, कर्मचारी अथवा अन्य व्यक्ति की लापरवाही या राशि की मांग की जाने संबंधी शिकायत प्राप्त होती है तो, प्राप्त शिकायत के आधार पर संबंधित अधिकारी, कर्मचारी अथवा व्यक्ति के विरूद्ध त्वरित रूप से दण्डात्मक कार्यवाही की जाएगी।

हाथियों की निगरानी में लगे वन कर्मियों पर हमला, गिरफ्तार

कोरबा-बांगो, 06 अक्टूबर (देशबन्धु)। पिछली रात 40 हाथियों का दल कटघोरा-अंबिकापुर नेशनल हाईवे-130 पर विचरण करने लगा। इस दौरान दोनों ओर से लोगों का आवागमन थमा रहा। बांगो थाना अंतर्गत ग्राम लमना में चौरभौवा के पास विचरण कर रहे हाथी रात 8.30 बजे नेशनल हाईवे पार कर ग्राम ठिहाईपारा पहुंचे। हाथियों की निगरानी के लिए वन कर्मचारी लगे हुए थे कि ग्राम ठिहाईपारा निवासी अवधेश पिता जगमोहन खैरवार, बगबुड़ा निवासी सिद्धार्थ पिता उजित नारायण खैरवार, भंजूराम पिता सियाराम यादव एवं उमेन्द्र यादव के द्वारा वन कर्मचारियों पर अचानक हमला कर दिया गया। वन कर्मियों की वर्दियों को फाडने के साथ ही कुदालीनुमा धारदार औजार व पत्थर फेंक कर मारा गया। वन

कर्मी यहां से अपनी जान बचाकर भागने के लिए विवश हुए। किसी कर्मचारी को चोट नहीं लगी है। वन कर्मियों ने बांगो थाना पहुंच कर रिपोर्ट दर्ज कराया। प्रीतम की रिपोर्ट पर आरोपियों के विरूद्ध धारा 353, 186, 294, 332, 427, 34 भादवि के तहत अपराध दर्ज कर एक आरोपी सिद्धार्थ खैरवार व अवधेश खैरवार को गिरफ्तार किया गया है। उसके पास से कुदालीनुमा हथियार बरामद कर जप्त किया गया। अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है।

पॉवर कंपनी में पुरानी पेंशन योजना लागू करने पर जताया आभार

कोरबा, 06 अक्टूबर (देशबन्धु)। बिजली कर्मचारी संघ ने पॉवर कंपनी में पुरानी पेंशन योजना लागू किए जाने पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल एवं ऊर्जामंत्री टीएस सिंहदेव के प्रति आभार व्यक्त किया है।

बिजली कर्मचारी संघ-महासंघ के उपाध्यक्ष शब्बीर मेमन ने कहा है कि निस्संदेह यह छत्तीसगढ़ शासन की ओर से बहुत ही सकारात्मक कदम है। पावर कंपनीज के कर्मचारियों की बहुप्रतीक्षित मांग पूरी हुई है। पुरानी पेंशन योजना की बहाली हेतु बिजली कर्मचारी संघ-महासंघ विगत 1 वर्ष से लगातार संघर्षरत रहा है। लगभग 11000 कर्मचारियों को इसका सीधे तौर पर लाभ मिलेगा और भविष्य की कठिनाई से चिन्तामुक्त हुए हैं जिससे कंपनी की सेवा कर रहे कर्मचारियों का परिवार राहत का अनुभव कर रहा है। प्रदेश के मुख्यमंत्री, ऊर्जा मंत्री सहित विद्युत कंपनी के अध्यक्ष अंकित आनंद और कोरबा सांसद श्रीमती ज्योत्सना महंत के प्रति आभार महासंघ ने जताया है।

लायंस क्लब ने आयोजित किया रक्तदान शिविर

कोरबा, 06 अक्टूबर (देशबन्धु)। लायंस क्लब ऑफ द्वारा सेवा सप्ताह के पाँचवे दिन रक्तदान शिविर बिलासा ब्लड बैंक घण्टाघर में आयोजित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता क्लब अध्यक्ष मीना सिंह ने की। शिविर डॉ. जयपाल सिंह एवं उनके सहयोगी टीम भूपेन्द्र पटेल, पूजा साहू की देख-रेख में आयोजित हुआ। प्रोजेक्ट डायरेक्टर सुभाष अग्रवाल (आरपी नगर), पुरुषोत्तम अग्रवाल रहे। शिविर में क्लब सचिव आशीष अग्रवाल, होरीलाल राठौर, रविकांत पाण्डेय, राजेन्द्र पासी, रोहित कश्यप सहित 10 लोगों द्वारा रक्तदान किया गया। लायन सदस्यों एवं छत्तीसगढ़ हेल्प वेलफेयर सोसाइटी के युवाओं की रक्त जाँच कर डोनर की लिस्टिंग की गयी ताकि भविष्य में कभी भी ब्लड की आवश्यकता हो तो ब्लड डोनेट किया जा सके। सभी को लायंस क्लब द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

मड़वारानी में खुलेगा पुलिस सहायता केन्द्र

कोरबा, 06 अक्टूबर (देशबन्धु)। मड़वारानी क्षेत्र के रहवासियों के लिए नवरात्र से पुलिस विभाग की ओर से सहायता केंद्र की सुविधा प्रारंभ की जाएगी। इसके लिए सामाजिक भवन को पूरी तरह तैयार कर लिया गया है। पुलिस सहायता केंद्र में अधिकारी व जवान तैनात होंगे, जो किसी भी प्रकार की समस्या होने पर तत्काल मदद के लिए पहुंचेंगे।

जिले के सबसे बड़े थाना उरगा में 111 गांव शामिल हैं। इनमे आधे से अधिक गांव ऐसे हैं, जिनकी दूरी 8 किलोमीटर से अधिक है। इन गांवों में आए दिन छिटपुट घटनाएं घटित होते रहती हैं। यह थाना राष्ट्रीय और राजमार्ग में स्थित है। इस मार्ग में सडक़ हादसा आम बात है। उरगा थानांतर्गत कोरबा-चांपा मुख्य मार्ग के समीप पहाड़ी में मां मड़वारानी विराजित हैं, जहां प्रतिदिन श्रद्धालु अपनी मनोकामना लेकर माता का दर्शन के लिए पहुंचते हैं। शारदीय और चैत्र नवरात्र में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती है। किसी भी प्रकार की घटना घटित होने पर ग्रामीणों को अपनी फरियाद दर्ज कराने थाना तक पहुंचने लंबी दूरी तय करनी पड़ती है। श्रद्धालुओं को भी समस्या का सामना करना पड़ता है। थाने में तैनात अफसर और जवान कई बार चाह कर भी त्वरित कार्रवाई नहीं कर पाते। इन तमाम समस्याओं को देखते हुए पुलिस अधीक्षक यू उदय किरण ने मड़वारानी में पुलिस सहायता केंद्र खोलने का निर्णय लिया है। इसके लिए मड़वारानी मंदिर के समीप एक सामाजिक भवन को पुलिस सहायता केंद्र के रूप में तैयार किया गया है। संभावना जताई जा रही है की नवरात्र के पूर्व या फिर पहले ही दिन पुलिस सहायता केंद्र अस्तित्व में आ जाएगा। सहायता केंद्र शुरू होने से निश्चित तौर पर क्षेत्रवासियों को राहत मिलेगी।

एएसआई मनोज राठौर व अन्य सम्मानित

कोरबा, 06 अक्टूबर (देशबन्धु)। लायंस क्लब ऑफ कोरबा के द्वारा सेवा सप्ताह का आयोजन 2 से 8 अक्टूबर तक किया जा रहा है। लायंस स्कूल टीपी नगर में आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में किए गए कार्यों को देख लायंस क्लब लोगों को सम्मानित कर रहा है।

इसी कड़ी में गवर्नर जेपी अग्रवाल के नेतृत्व में यातायात पुलिस विभाग के एएसआई मनोज राठौर, प्रधान आरक्षक विजेन्द्र, रमाकांत दुबे, अजय राजवाड़े, अरूण भतपहरे को सेवा सप्ताह में सम्मानित किया गया। मनोज राठौर के द्वारा पूर्व में स्कूली बच्चों को ट्रैफिक नियमों की जानकारी देते हुए सायबर अपराधों की जानकारी दी गई थी। इस अवसर पर अध्यक्ष मीना सिंह, मधु पाण्डेय, मृगनयनी, राजकुमार अग्रवाल, लायंस स्कूल के प्राचार्य और स्कूली बच्चे उपस्थित थे।

हनुमान मंदिर में चोरी करने वाला पकड़ाया

कोरबा-कटघोरा, 06 अक्टूबर (देशबन्धु)। राधासागर तालाब के किनारे हनुमान मंदिर का ताला तोडक़र, हनुमान की मूर्ति के ऊपर लगे लगभग 100 ग्राम चांदी के छत्र की चोरी करने वाले 2 चोरों को गिरफ्तार कर चोरी किए गए सामान की बरामदगी पुलिस ने की है।

इस मामले की रिपोर्ट गिरधारी अग्रवाल पिता स्व. रतिराम 59 साल निवासी कटघोरा ने 5 अक्टूबर को थाना में दर्ज कराया। 3-4 अक्टूबर की रात हनुमान मंदिर से चोरी के मामले में धारा 457, 380 भादवि के तहत जुर्म दर्ज कर चोर की तलाश शुरू की गई। एसपी यू उदयकिरण के मार्गदर्शन व थाना प्रभारी निरीक्षक तेज कुमार यादव के नेतृत्व में टीम ने मुखबिर की सूचना पर 2 लोगों को हिरासत में लिया। कड़ी पूछताछ में इन्होंने मंदिर में चोरी करना स्वीकार किया। इनकी निशानदेही पर कब्जे से चोरी किए गए चांदी का छत्र के कटे हुए टुकड़ों को बरामद कर जप्त किया

गया। आरोपियों सुनील रात्रे पिता भुवनलाल 38 वर्ष मेला ग्राउंड तहसीलभाठा कटघोरा व तरूण कुमार राठौर पिता कन्हैयालाल 32 वर्ष ग्राम टिंगीपुर कटघोरा को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश करते हुए जेल दाखिल कराया गया। इस पूरी कार्यवाही में थाना प्रभारी निरीक्षक तेजकुमार यादव, एएसआई विनोद खाण्डे, प्रधान आरक्षक संदीप पाण्डेय, आरक्षक अजय खुटले, महेन्द्र चन्द्रा, खम्हन सिंह का योगदान रहा।

धर्म सेना ने किया गणेश पूजा समितियों का सम्मान

कोरबा, 6 अक्टूबर (देशबन्धु)। धर्म सेना छत्तीसगढ़ द्वारा जिले भर के गणेश पंडाल समितियों का सम्मान बुधवारी स्थित परशुराम भवन में किया। जिले भर से अलग-अलग क्षेत्रों के कुल 3 से अधिक समिति के लोगों ने सम्मान समारोह में हिस्सा लिया। संगठन द्वारा सभी समितियों का सनातन धर्म के प्रति कार्यों को देखकर सभी को भगवा वस्त्र देकर व तिलक लगाकर सम्मनित किया। इस मौके पर धर्म सेना के प्रदेश अध्यक्ष सुरेन्द्र बहादुर सिंह,बिलासपुर संभाग अध्यक्ष विष्णु पटेल,कोरबा जिला अध्यक्ष साकेत शर्मा, जिला कोषाध्यक्ष घनश्याम राठौर, जिला महामंत्री नरेश राजपूत, कोरबा महानगर अध्यक्ष प्रकाश शर्मा,जिला उपाध्यक्ष राजा कुशवाहा, बालको मंडल से ओम राजपुरोहित, सुनील सिंह,दर्री मंडल से राकेश निर्मलकर,पार्वती मरावी,कुसमुण्डा मंडल से आलोक श्रीवास,ललित यादव,बांकीमोंगरा मण्डल से सुभाष यादव दीपका मण्डल से सत्यप्रकाश मिश्रा व जिले भर से 1 से अधिक संख्या में लोग एकजुट हुए।

ख्वाजा सूफी शमसुद्दीन का मनाया गया 10 वाँ सालाना उर्स

कोरबा-श्यांग, 06 अक्टूबर (देशबन्धु)। जिला मुख्यालय से 70 किलोमीटर दूर श्यांग शरीफ दरगाह ख्वाजा सूफी शमसुद्दीन नक्शबंदी रहमतुल्लाह अलैहे का 10 वाँ सालाना उर्स मनाया गया। उर्स 3 अक्टूबर को सुबह 10 बजे परचम कुसाई कर चादर व संदल का शाही जुलूस निकाला गया जिसमें नात व कलाम भी पेश की गयी। रात 9 बजे से काज़ी-ए-शहर रायपुर मोहम्मद अली फारूकी द्वारा तकरीर (प्रवचन) किया गया। 4 अक्टूबर को रात 9 बजे से कव्वाली का प्रोग्राम रखा गया जिसमें ईस अनीश साबरी द्वारा कव्वाली पेश की गई, श्यांग शरीफ दरगाह उर्स के मौके पर हजारों की संख्या में लोगों की उपस्थिति दर्ज हुई जिसमें आस-पास के जिले से भी लोग आये थे। 5 अक्टूबर को सुबह 10 बजे कुल की फ़ातिहा के बाद उर्स का समापन हुआ। दरगाह के सदर हाजी अखलाक खान असरफी ने कहा कि जनवरी माह से दरगाह का काम शुरू हो जाएगा।

आने वाले समय में दरगाह के आस-पास हर चीज़ों की व्यवस्था की जाएगी ताकि दूर दराज़ से आने वाले मेहमानों को किसी भी प्रकार की कोई भी समस्या नहीं आएगी और बाबा साहब के उर्स को और भी अच्छे से मनाया जाएगा। उर्स की सरपरस्ती मोहम्मद अली फारूकी साहब किबला काज़ी-ए- शहर रायपुर ने की सदारत कारी सैय्यद सब्बीर अहमद असरफी ने की कयादत कलामुद्दीन कादरी, श्यांग सरीफ दरगाह में उर्स के मौके पर मुख्य रूप से दरगाह के सज्जादानसीन मोहम्मद सलाहुद्दीन नक्शबंदी, हाफिज रिज़्वान सलामी, अब्दुल रज्जाक(बरपाली) कोरबा से जुम्मन खान रिज़्वी, सैय्यद अशफाक अली, हकीम खान,असरफ अली दरगाह के सेक्रेटरी अमीन खान कादरी,कैशियर नूरेबशर कादरी ,नायाब कैशियर अब्दुल्ला खान कादरी व दरगाह इंतेजामिया कमेटी सदस्य व मेम्बर आदि उपस्थित थे।

सार-संक्षेप

स्वामी आत्मानंद जयंती पर बुजुर्गो का किया गया सम्मान

चिरमिरी 06 अक्टूबर (देशबन्धु)। स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम स्कूल नवापारा, पोडी में विद्यालय के प्राचार्य शुभम अग्रवाल मार्गदर्शन में महात्मा गांधी, लाल बहादुर शास्त्री जयंती के साथ शुक्रवार को स्वामी आत्यानंद जी की जयंती के अवसर में विद्यालय में अध्यन रथ छात्र छात्राओं के माता पिता को आमंत्रित कर साल श्रीफल के साथ तिलक लगा कर उनका सम्मान किया. कार्यक्रम का शुभारंभ अवसर पर शुभम अग्रवाल ने कहा कि बुजुर्ग हमारे समाज की धरोहर हैं । बड़े बुजुगों के सम्मान, अधिकार उनके दिखाए हुए मार्ग पर चलने से समाज का विकास होगा । अंत में वरिष्ठ नागरिकों द्वारा आशीर्वचन द्वारा कार्यक्रम का समापन किया गया । इस दौरान नीरज सोनी, नेहा जैन, दीपाली कश्यप, सुनीता राजवाड़े, बी0 एन0 उपाध्याय, अभिषेक शाह प्रिया सिंह, अंशुल कमी. सत्यार्थ पाण्डेय, डी0 एन0 पटेल, प्रांजली, रीतिका शर्मा, रोशनी, अनिल, दीप, कृतिका, हर्षिता, मो0 जैद खान तथा विद्यालय परिवार के समस्त सदस्यों की सहभागिता रही।

बचपन प्ले स्कूल के बच्चों ने किया पार्क का भ्रमण

मनेन्द्रगढ़ 06 अक्टूबर (देशबन्धु)। शहर के प्रतिष्ठित विद्यालय बचपन प्ले स्कूल में कक्षा नर्सरी एवं कक्षा प्ले ग्रुप के छात्र-छात्राओं को पार्क का भ्रमण कराया गया। प्रात: 11:00 बजे स्कूल बस से पूर्ण सुरक्षा के साथ बच्चो को इंदिरा पार्क (झगड़ाखांड) भ्रमण के लिए ले जाया गया। पार्क में झूले,फिसल पट्टी , गार्डन में बच्चों ने खूब मनोरंजन किया। उन्हें विभिन्न प्रकार के पेड़ - पौधों की जानकारी दी गई। इसके साथ प्लांटेशन के बारे में भी बताया गया। बच्चों ने बहुत अच्छे माहौल में पार्क भ्रमण का लुफ्त उठाया व मौज मस्ती की। इस प्रकार की शैक्षणिक भ्रमण से मौज - मस्ती करते हुए खेल-खेल में ही बच्चों को बहुत से ज्ञानवर्धक बातें सीखने में आसानी होती है। बच्चों को मनोरंजक तरीके से प्रकृति के बारे में आसानी से समझाया जा सकता है। पार्क भ्रमण में बच्चों के साथ विद्यालय की शिक्षिकाओं का रेखा दोहरे साधना सिंह, शिल्पी सिन्हा, पुष्पा सिंह, मौमिता का सराहनीय योगदान रहा ।

एमसीएमसी में पेड, फेक खबर सहित हेट स्पीच पर निगरानी हेतु प्रशिक्षण

कोरिया 06 अक्टूबर (देशबन्धु)। मीडिया प्रमाणन एवं अनुवीक्षण समिति की जिला स्तरीय समिति तथा उनके अधीन कार्य करने के लिए गठित सहायक इकाईयों का गठन किया गया है। इन समितियों का प्रशिक्षण आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में रखा गया था इसमें जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर द्वारा बिंदुवार एमसीएमसी के कार्यों से अवगत कराया गया। विभिन्न मीडिया जिसमें प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक, रेडियो व सोशल मीडिया सेल शामिल है। आचार संहिता लगते ही प्रतिदिन की जाने वाली मॉनिटरिंग के संबंध में जानकारी दी गई। पैड, फेक खबरों पर विशेष निगरानी रखने के साथ टीवी, रेडियो, सोशल मीडिया से प्रसारित हेट स्पीच पर भी अलर्ट रहने की सीख दी गई। सोशल मीडिया में प्रसारित, खबर, वीडियो पर निगरानी कैसे रखा जाए इस पर भी प्रशिक्षकों ने जानकारी दी। इस अवसर पर एमसीएमसी के नोडल नीलम टोप्पो ने चुनाव के समय सभी लोगों को अलर्ट रहकर कार्य करने पर बल दिया व उपस्थित समिति के सदस्य व सेल की टीम को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए और पारदर्शिता के साथ विधानसभा निर्वाचन के संपादन की बात कही गई। बैठक में सहायक कोषालय अधिकारी ओंकार साय, मास्टर ट्रेनर शैलेन्द्र गुप्ता, जिला पंचायत के प्रचार-प्रसार अधिकारी रूद्र नारायण मिश्रा, ईडीएम राकेश कुमार सिंह, पटवारी योगेश गुप्ता समिति गठित सेल के सदस्य उपस्थित थे।

स्वीप एवं स्वास्तिक की आकृतियां बनाकर मतदाता जागरूकता का संदेश

सूरजपुर 06 अक्टूबर (देशबन्धु)। विधानसभा निर्वाचन को ध्यान में रखते हुए विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत केतका में मतदान के प्रतिशत को बढ़ाने के उद्देश्य से मतदान जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी संजय अग्रवाल के निर्देषन, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत एवं जिला स्वीप नोडल अधिकारी सुश्री लीना कोसम, संयुक्त कलेक्टर एवं जिला उप निर्वाचन अधिकारी सुश्री प्रियंका वर्मा के मार्गदर्षन में स्वामी आत्मानंद उच्चतर माध्यमिक विद्यालय केतका के छात्र-छात्राओं धारा ई.व्ही.एम., व्ही.व्ही. पैट, स्वीप एवं स्वास्तिक आदि आकृतियां प्रदर्शित की गई तथा विशाल मानव श्रृंखला का निर्माण करते हुए केतका के बस स्टैंड होते हुए रैली का आयोजन कर मतदाता जागरूकता का संदेश दिया गया। विशाल मानव श्रृंखला में उपस्थित समस्त छात्रों एवं कर्मचारियों तथा ग्रामीणों को विकासखंड स्तरीय स्वीप नोडल अधिकारी श्री सुनील पोर्ते द्वारा मतदाता जागरूकता का शपथ दिलाया गया। इस अवसर पर जिला स्तरीय सहायक नोडल अधिकारी श्रीमती लता बेक सहायक संचालक विकासखंड स्तरीय, स्वीप नोडल अधिकारी सुनील पोर्ते सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी, प्राचार्य जे.आर. शांडिल्य संस्था की समस्त शिक्षा शिक्षिका महिला बाल विकास की सुपरवाइजर एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के साथ-साथ शिवमंगल सिंह, वीरेंद्र राम, राहुल ठाकुर, सुदर्शन दास, संदीप बेहरा, अजय कुमार देवांगन और जयराम प्रसाद बीपीओ उपस्थित थे।

अखबार में प्रयोग होने वाला स्याही स्वास्थ्य के लिए है हानिकारक

खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग ने की खाद्य पदार्थो की पैकेजिंग अखबार पेपर से न करने की अपील

बलरामपुर 06 अक्टूबर (देशबन्धु)। जिला खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग बलरामपुर ने खाद्य पदार्थों के पैकेजिंग के लिए अखबार का उपयोग नहीं करने की अपील की है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री नितेश कुमार मिश्रा ने बताया कि दुकानदार व होटल संचालक खाद्य पदार्थ देने के लिए आमतौर पर अखबार का उपयोग करते हैं, साथ ही भोजन पैक करने के लिए तथा त.ले हुए भोजन से अतिरिक्त तेल निकालने के लिए अक्सर अखबार कागज का प्रयोग करते हैं जो की स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है।

उन्होंने बताया कि अखबार की छपाई में प्रयोग होने वाला स्याही खाद्य सामग्री लपेटने पर खाद्य पदार्थ में चला जाता है। अखबार की छपाई में प्रयुक्त स्याही में डाईआईसोब्यूटाईलफटाइलेड, डाईएनआईसोब्यूटाइलेट, बेंजोफिनोन, बेंजिटाईल जैसे खतरनाक रसायन होते हैं। साथ ही इसमें लेड तथा अन्य हानिकारक धातु होते हैं, जो मुंह के रास्ते से फेफड़ों और मस्तिष्क में प्रवेश करके उन्हें नुकसान पहुंचा सकते हैं। इसके अलावा छपाई वाली स्याही में नेप्थीलमिन पाया जाता है, शरीर में इसकी मात्रा बढ़ जाने से मौत भी हो सकता है। छपाई वाली स्याही में पाये जाने वाले रंजक भी हानिकारक होते हैं, जो खाद्य पदार्थ तेल में मिल जाते हैं जिनको खाने से पाचन संबंधित विभिन्न प्रकार के कैंसर, महत्वपूर्ण अंगों की विफलता, प्रतिरक्षा तंत्र का कमजोर होना जैसे कई बीमारियां हो सकती है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने दुकानदारों तथा होटल संचालकों से अपील करते हुए कहा कि अखबारी कागज का प्रयोग खाद्य सामग्री लपेटने आदि में न करें। बार-बार समझाने के बाद भी यदि कोई दुकानदार व होटल संचालक न माने तो उसकी शिकायत खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग में की जा सकती है। इसके लिए विभाग के द्वारा हेल्पलाइन नम्बर भी जारी किया गया है जिसका नंबर 93405-97097 है। शिकायत मिलने पर संबंधित दुकानदार एवं होटल संचालक के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही भी की जाएगी।

एनजीटी के नियमों की उड़ाई जा रही धज्जियां

- **नाला किनारे फ्लाई ऐश डालने लग रहे आवेदन**
- **पर्यावरण व खनिज विभाग के पाले में गेंद**

रायगढ़ 06 अक्टूबर (देशबन्धु)। घरघोड़ा कंचनपुर बाईपास चैक के सामने जिंदा शुद्ध पानी का नाला 12 महीने बहता रहता है उसी से लगा के खसरा नंबर 659ध्2 रकबा 4.0470 हेक्टेयर भूमि ग्राम कंचनपुर घरघोड़ा की सरकारी जमीन खाली पड़ी हुई है जिसमें अब फ्लाई एश राखड के लिए टी आर एन फैक्ट्री ने कलेक्टर पर्यावरण एवं खनिज विभाग से अनुमति लेने व विभागों में आवेदन किया है तथा ग्राम पंचायत कंचनपुर से तो एन ओ सी ले ली है तथा पटवारी प्रतिवेदन एसडीएम कार्यालय से भी अनुमति दे दी गई जबकि मौका निरीक्षण अवलोकन एनजीटी के नियम के अनुसार करना अनिवार्य था परंतु ऐसा नहीं किया गया जो की जांच का विषय है।

घरघोड़ा विभागों से टी आर एन फैक्ट्री ने चालाकी से तथा अधिकारियों को गुमराह कर अनुमति तो ले ली है लेकिन क्या रायगढ़ कलेक्टर की एनजीटी टीम जिसमें कलेक्टर महोदय वन विभाग खनिज विभाग एवं महत्वपूर्ण विभाग पर्यावरण शामिल है क्या शासकीय नाला से लगी हुई शासकीय जमीन में फ्लाई ऐश राखड़ पाटने की अनुमति एनजीटी नियम को फॉलो करने वाले रखवाले टी आर एन फैक्ट्री को अनुमति देंगे यह एक गंभीर विषय है साथ ही साथ जो नाले में पानी 12 महीना बहता है जिससे आसपास के कई किसान अपने फसल साग सब्जी बाड़ी लगाकर लाभान्वित हो रहे हैं तथा वह पानी पीने के भी काम आता है अब वह किसान फ्लाई ऐश राखड़ के पटने के बाद नाले में बहने से उनकी फसल बर्बाद होगी तथा पानी भी दूषित होगा साथ ही साथ घरघोड़ा नगर में राखड़ की वजह से प्रदूषण भी फैलेगा और बीमारियां भी फैलने से इनकार नहीं किया जा सकता ऐसे में जिले के संवीदनशील कलेक्टर तारण प्रकाश सिन्हा से घरघोड़ा नगर एवं आसपास के लोग उम्मीद लगाए बैठे हैं कि नाला किनारे शासकीय जमीन को फ्लाई ऐश राखड़ पाटने की अनुमति या परमिशन नहीं दिया जाए

वार्डवासी करेंगे विरोध

अगर रायगढ़ एनजीटी टीम के पर्यावरण एवं खनिज व वन विभाग द्वारा घरघोड़ा नगर से लगकर शुद्ध पानी बहता हुआ नाला के किनारे शासकीय जमीन पर अगर फ्लाई ऐश राखड़ पाटा जाएगा तो घरघोड़ा नगर के एक नंबर दो नंबर और तीन नंबर वार्ड वासियों द्वारा विरोध किया जाएगा साथ ही साथ नगर के जनप्रतिनिधि भी इसका विरोध कर रहे हैं अगर नाला किनारे इस फ्लाई ऐश राखड़ पाटने की अनुमति परमिशन दी जाती है तो इसका जमकर विरोध किया जाएगा।

एक बार फिर चर्चा में फायर ब्रांड नेता विभाष सिंह

रायगढ़ 06 अक्टूबर (देशबन्धु)। रायगढ़ जिला मुख्यालय से तकरीबन 10 किलोमीटर दूर आयोजित कांग्रेस के भरोसे के सम्मेलन में प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के साथ रायगढ़ कांग्रेस के युवा नेता एवं प्रदेश सचिव विभाष सिंह ठाकुर भी एक बार फिर से सक्रिय नजर आये। मंच पर मुख्यमंत्री के आगमन के दौरान विभाष की सीएम के साथ नजदीकी चर्चा का विषय रही। रायगढ़ शहर में बीते कुछ महीनों के दौरान कांग्रेस के द्वारा आयोजित कई कार्यक्रमों में प्रदेश के मुखिया भूपेश बघेल के साथ जिले में फायर ब्रांड नेता के नाम से चर्चित विभाष सिंह ठाकुर की नजदीकियां हमेशा चर्चा का विषय बनते रही है। यहां तक की जिले में आयोजित कुछ कार्यक्रमों में विभाष मंत्रियों के साथ हेलीकॉप्टर में रायगढ़ पहुँचकर कई बार सभी को चकित करने में भी पीछे नही रहे। बुधवार को कोड़ातराई में आयोजित भरोसे के सम्मेलन में भी एक बार फिर से कांग्रेस के प्रदेश सचिव विभाष सिंह का जलवा देखने को मिला प्रदेश के मुख्यमंत्री के साथ उनकी एक तस्वीर सोशल मीडिया में तेजी के साथ वायरल हुई। इस तस्वीर में विभाष और मुख्यमंत्री हँसते हुए एक दूसरे से हाथ मिलाते हुए किसी बात पर चर्चा करते हुए नजर आये।

कार डूबने के बाद लापता हुई महिला पहुंची थाने, दिया पुलिस को बयान

परिजनों ने महिला के बयान पर जताया संतोष

रायगढ़ 06 अक्टूबर (देशबन्धु)। मंगलवार को केलो नदी में डूबी कार और उस हादसे में स्थानीय व्यवसाई नटवर अग्रवाल की मौत की मामले में कल नया खुलासा हुआ है। इस मामले से संबद्ध महिला ने कल चक्रधरनगर थाने में आकर अपना बयान दे दिया है।

महिला के बयान के बाद पुलिस ने मृतक के परिजनों को बुलाकर महिला से बात कराया। मृतक के परिजनों ने कहा कि वे महिला की बातों से संतुष्ट हैं और पुलिस की जांच पर भरोसा भी है। उन्होंने मीडिया से अपील भी की है कि इसे और ज्यादा तुल देने की जरूरत नहीं है। पुलिस की जांच बेहद संतोषजनक है। पुलिस ने भी कहा कि मृतक के परिजनों को किसी से कोई शिकायत नहीं है इसीलिए उन्हें यहां बुलाया गया था और उन्हें उस महिला से भी सामने बात करा दी गई है।

विदित रहे कि मंगलवार की रात करीब 7.30 बजे एक कार देखते देखते केलो नदी के अंदर समा गई। उस कार में बैठी महिला ने किसी तरह कूदकर अपनी जान बचाई लेकिन कार में सवार स्थानीय व्यवसायी नटवर अग्रवाल कार में फंस गए और उनकी मौत हो गई। ऐसे में यह सवाल उठाया जा रहा था कि वह रहस्यमय महिला कौन थी, वो हादसे के बाद कहां गई इत्यादि।

सूत्रों के अनुसार महिला जमीन देखने मृतक के साथ गई थी, जब वे वापस आ रहे थे उसी समय हादसा हो गया। महिला ने पुलिस को यह भी बताया की हादसे के बाद वह डर गई और सोशल मीडिया पर जब वीडियो आदि वायरल होने लगा उससे और दहशत में आ गई इसलिए वो वहां से चली गई थी।

इस मामले में मृतक के परिजनों ने मीडिया से अपील की है कि अब इस घटना पर कोई प्रश्न नहीं हो, हम पहले से ही परेशान हैं और सोशल मीडिया में जिस तरह की बातें लिखी जा रही है उससे हम आहत भी हैं। इधर पुलिस को अभी तक पोस्टमार्टम रिपोर्ट नहीं मिल सका है लेकिन उसमें कुछ असामान्य नहीं पाया गया है। बहरहाल अब इस मामले का लगभग पटाक्षेप हो गया है।

नगर पंचायत अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव को लेकर कलेक्टर ने जारी किया पत्र

रायगढ़ 06 अक्टूबर (देशबन्धु)। लैलूंगा नगर पंचायत में अस्थिरता की स्थिति सदैव बनी रही है चुनावी समय मे नगर पंचायत लैलूंगा की कांग्रेसी अध्यक्ष मंजू मित्तल के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव कांग्रेस के लिए बड़ा झटका लगा दिया है लैलूंगा विधायक चक्रधर सिंह सिदार के नेतृत्व में नगर पंचायत अध्यक्ष का चुनाव लड़कर कुर्सी हासिल किया था। आज साढ़े तीन साल बाद विधानसभा चुनाव के समय मे अविश्वास प्रस्ताव कांग्रेस के लिए किसी सदमे से कम नही है।

पार्षदों के द्वारा अध्यक्ष पर लगाये गए आरोपों के आधार पर अविश्वास प्रस्ताव के लिए जिला कलेक्टर को आवेदन पत्र दिया गया था। आवेदन पर कार्यवाही करते हुए जिला कलेक्टर ने छ0ग0 नगरपालिका अधिनियम 1961 (यथा संशोधित) की धारा 43-क के तहत प्रस्तुत अविश्वास प्रस्ताव के सम्मिलन होने की सूचना पत्र जारी किया गया है।

लैलूंगा नगर पंचायत के अध्यक्ष व समस्त पार्षदों को छ0ग0 नगरपालिका अधिनियम 1961 (यथा संशोधित) की धारा 43-क के तहत अध्यक्ष, नगर पंचायत लैलूंगा के विरूद्ध प्रस्तुत अविश्वास प्रस्ताव संबंधी कार्यवाही हेतु सम्मिलन 17 अक्टूबर दिन मंगलवार को समय प्रात: 11 बजे कार्यालय नगर पंचायत लैलूंगा के सभा कक्ष में आयोजित की गई है। सम्मेलन में उपस्थित होने का निर्देश जारी किया गया है।

सड़क पर उतरी भाजपा, पदयात्रा कर जताया विरोध

रायगढ़ 06 अक्टूबर (देशबन्धु)। जिले के ब्लॉक तमनार क्षेत्र की सिसकती सड़कें व अन्य 3 प्रमुख मांगों को लेकर भाजपा ने आज तमनार में चक्का जाम कर दिया है। हुंकराडिपा चैक और झिंगोला से हजारों की संख्याएं भाजपा ने टूटी सड़कों पर पदयात्रा निकाली है। सुबह से ही भाजपा कार्यकर्ता सड़क पर उतर आए हैं।

भाजपा की पदयात्रा से औद्योगिक क्षेत्र तमनार में भारी वाहनों की लंबी कतारे लग चुकी है। भाजपा द्वारा आज पदयात्रा निकालकर बरभाठा चैक में आम सभा गया। बरभाठा चैक पर सभी भाजपा कार्यकर्ता एकत्रित हुए और कांग्रेस सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।

बरसात के बाद तमनार क्षेत्र की प्रमुख रायगढ़- तमनार सड़क पूरी तरह से टूट चुकी है। सड़कों पर घुटने पर के गड्ढे बन चुके हैं। आवागमन पूरी तरह से बाधित हो चुकी है। ग्रामीण जान हथेली में लेकर सड़कों पर मजबूरन चल रहे हैं। गड्ढो की वजह से लगातार सड़कों पर हादसे हो रहे हैं। गाडियां फस रही है। सड़क खुद अपना अस्तित्व तलाश रही है। सड़क पर सड़क ढूंढ पाना मुश्किल हो चुका है।

भाजपा नेताओं के द्वारा पद यात्रा के दौरान कांग्रेस सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई। स्थानीय विधायक चक्रधर सिदार के खिलाफ भी नारे लगाये गए। भाजपा के कार्यकर्ताओं द्वारा यह आरोप लगाया जा रहा है कि क्षेत्र की सड़क इतनी खराब कांग्रेस की सरकार में हुई है। इससे पहले आज तक इतनी दयनीय स्थिति सड़कों की नहीं हुई थी। औद्योगिक क्षेत्र तमनार में खराब सड़क की वजह से व्यापारी वर्ग में भी खासा रोष है। खराब सड़क होने के कारण लोगों का आगमन पूरी तरह से कम हो चुका है, जिससे व्यापार भी ठप्प पड़ चुका है।

बच्चे शिक्षा से हो रहे वंचित

क्षेत्र के बच्चे अधिकतर तमनार के प्राइवेट और सरकारी विद्यालय में पढ़ने के लिए जाते हैं। लेकिन खराब सड़क की वजह से हुंकराडिपा चैक से तमनार जाने के लिए लोगों को घंटे भर से अधिक का समय लग जा रहा है। लोगों को खराब सड़क के साथ ही साथ जाम की स्थिति का भी सामना करना पड़ रहा है। जिससे बच्चे समय पर अपने पलकों के साथ स्कूल नहीं पहुंच पा रहे हैं।

भाजपा की 3 प्रमुख मांगें

1.पूंजी पथरा से हुंकराडिपा तक की सड़क शीघ्र निर्माण किया जाए। तमनार नगर के लिए अति शीघ्र बाईपास का निर्माण किया जाए। उद्योगों में स्थानीय बेरोजगारों को रोजगार दिया जाए। क्षेत्र में किसानों के भू अर्जन के चार गुना की राशि में 30: की कटौती को समाप्त किया जाए

पीएम आवास योजना में करोड़ों लोगों को मिला लाभ- रघुवर

चिरमिरी 06 अक्टूबर (देशबन्धु)। खड़गवां जनपद मैदान में गत दिवस भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं झारखण्ड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने प्रदेश की कांग्रेस सरकार के खिलाफ धरना शामिल हुए। उन्होंने आमसभा में कहा कि भाजपा को हमेशा ही गांव गरीब किसान की चिंता की है 1998 में अटल ने कहा था कि भारत गांवों का देश है और गांवों को शहरों से जोडने का काम 50 सालों में कांग्रेस सरकार ने नहीं किया। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना का शुभारंभ किया। 2014 से मोदी सरकार आने के बाद सड़कों का जाल गांव गांव तक तेजी से फैला है जिससे गांवों को विकास के रास्ते में तेजी से आगे बढ़ने का अवसर प्राप्त हुआ है। भाजपा ने छत्तीसगढ़ का चहुमुखी विकास 15 सालों में किया है। वर्तमान भूपेश बघेल की सरकार ने गांवों में विकास कार्य ठप्प हो चुके है। कोई नया कार्य कांग्रेस की सरकार नहीं कर पा रही है। 2011 की सर्वे सुची के अनुसार गरीबों के मकान का निर्माण कराने केंद्र सरकार ने अनुमति प्रदान की। गौ माता के नाम पर जो घोटाला कांग्रेस सरकार ने किया है उसका पाप भी कांग्रेस को लगेगा। नरेंद्र मोदी का मानना है कि जब तक इस देश की आधी आबादी आगे नहीं बढ़ती है तब तक देश आगे नहीं बढ़ पाएगा, आजादी के बाद से जो महिलाओं की समस्या थी कांग्रेस पार्टी ने उस पर 50 सालों

तक कोई ध्यान नहीं दिया, इस देश का गरीब घर का बेटा जब प्रधानमंत्री बना तब उसने देश की महिलाओं अपनी मां को लकड़ी के चूल्हे में खाना बनाते हुए आंखों में आंसू देख उनके दर्द पीड़ा को समझा और मुफ्त में एलपीजी गैस सिलेंडर वितरण किया।

देश में मोदी की सरकार ने गरीब ग्रामीणों एवं औरतों को खुले में शौच करने पर मजबूर उनकी समस्याओं को समझा जिसके बाद पूरे देश में शौचालयों के निर्माण का कार्य कर जनता की समस्याओं को समाप्त किया। प्रधानमंत्री आवास योजना से देश के करोड़ों गरीब जनता के इस सपने को साकार किया और आज लोगों के पास उनका खुद का मकान है। अभियान चलाकर देश भर में बहन बेटियों को उज्ज्व शिक्षा,चिकित्सा क्षेत्र में प्राथमिकता दी जा रही है। इस दौरान आमसभा को पूर्व विधायक श्याम बिहारी जायसवाल ने संबोधित करते हुए कहा बीते 9 सालों में चारो ओर विकास के कार्य हुये है। पीएम मोदी ने किसान सम्मान निधि के माध्यम से किसानों को सालाना 6 हजार रूपए सीधे उनके खाते में मिल रहे है। वहीं धान का समर्थन मुल्य केंद्र की मोदी सरकार ने 2200 रूपए क्विंटल होने से किसानों को उनके फसल उचित लाभ मिल पा रहा है। राज्य के आवास विहीन परिवारों के लिए मोदी सरकार द्वारा भेजे गये 16 लाख आवासों के निर्माण के लिए भूपेश सरकार ने अपने हिस्से का पैसा नहीं दिया। देश के प्रधानमंत्री करोना काल में लोगों के भोजन की चिंता कर रहे थे नि:शुल्क चावल देने का काम किये। वहीं भूपेश सरकार ने केंद्र सरकार द्वारा दिये जा रहे 5 किलो नि:शुल्क चावल को आम जनता को न देकर ऑनलाईन शराब बेचने का काम किया।

आम सभा को जिलाध्यक्ष अनिल केसरवानी, जिला मंत्री अरुणोदय पाण्डेय, मंडल अध्यक्ष रामलाल साहू के द्वारा भी संबोधित किया गया। इस आमसभा में कोरिया जिलाध्य पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रेणुका सिंह, जनपद अध्यक्ष श्रीमती सोनमति उर्रे, महामंत्री रामलखन सिंह, वीरेन्द्र सिंह राणा, जिला उपाध्यक्ष जनार्दन साहू, संजय सिंह, जिला मंत्री कीर्ति वासो, जिला मोर्चा जिलाध्यक्ष श्रीमती प्रतिमा पटवा, युवामोर्चा अध्यक्ष सुशील सिंह, कोषाध्यक्ष मुकेश जायसवाल, धनंजय पाण्डेय, श्रीमती नीलम सालूजा, श्रीमती गौरी हथगेन, अभय जायसवाल, रामप्रताप, लखन लाल श्रीवास्तव, गोमती द्विवेदी, श्रीमती इंदू पनेरिया, श्रीमती कमला गढ़देवा, डमरू बेहरा, राजू नायक, बबलू शर्मा, मनोज जैन, श्रीमती मुनमुन जैन, श्रीमती प्रवीण सिंह, श्री राहुल सिंह,रमेश जायसवाल, धरमपाल सिंह, अरविंद अग्रवाल, विवेक अग्रवाल, रघुनंदन यादव, मनीष खटिक, संजय गुप्ता, राजेंद्र दास, मनोज केशरवानी, चंदन सिंह सहित पदाधिकारी एवं हजारों की संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सार-संक्षेप

विधानसभा आम निर्वाचन प्रक्रिया पर दिया गया प्रशिक्षण

जांजगीर, 06 अक्टूबर (देशबन्धु)। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी के निर्देशन में विधानसभा निर्वाचन 2023 को दृष्टिगत रखते हुये नाम निर्देशन कार्य हेतु नियुक्त अधिकारियों, कर्मचारियों को जिला कार्यालय सभाकक्ष में शुक्रवार को प्रशिक्षण दिया गया। इस अवसर पर अपर कलेक्टर एसपी वैद्य ने निर्वाचन संबंधित दिशा निर्देशों से अवगत कराया।

प्रशिक्षण के दौरान उन्होंने आदर्श आचार संहिता लगने तथा नाम-निर्देशन प्रक्रिया से मतदान समाप्ति तक की जानकारियों से प्रशिक्षार्थियों को विस्तार से बताया गया। जिसमें सभी रिटर्निंग ऑफिसर, सहायक रिटर्निंग ऑफिसर, मास्टर ट्रेनर्स, नोडल ऑफिसर्स सहित संबंधित अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में उपस्थित अधिकारियों को मास्टर ट्रेनर डॉ. चंद्रजीत सिंह राठौर एवं डॉ. भूषण सिंह द्वारा बताया गया कि निर्वाचन आयोग द्वारा जारी किये गये दिशानिर्देशों के अनुरूप नियमानुसार कार्य किया जाना है। इसके अनुसार अभ्यर्थियों, उम्मीदवारों द्वारा उपयोग के लिए नामांकन आदि के लिए फार्मों की सूची तैयार करके रखनी है। नामांकन प्रक्रिया के दौरान निर्वाचन संबंधित समस्त दिशा-निर्देशों की जानकारी सभी संबंधित अधिकारियों, कर्मचारियों को रखना जरूरी है। नामनिर्देशन के दौरान सभी प्रविष्टियों को पूरी तरह भरा जाना चाहिए। अभ्यार्थी के द्वारा दी गई जानकारी को देखते हुए कोई भी कॉलम रिक्त नहीं छूटना चाहिए। इस दौरान पूरी प्रक्रियाओं की वीडियोग्राफी किया जाना अनिवार्य है। इसके अलावा नामांकन कक्ष में सीसीटीवी कैमरा लगा हो। नामांकन कक्ष में नेट की कनेक्टिविटि के साथ, नामिनेशन रजिस्टर, दीवाल घड़ी होना जरूरी है। इस अवसर पर अपर कलेक्टर एसपी वैद्य, उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती निशा नेताम मड़ावी, सर्व एसडीएम एवं तहसीलदार, रिटर्निंग एवं सहायक रिटर्निंग अधिकारियों सहित अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित थे।

आदर्श आचरण संहिता के अनुपालन संपत्ति विरूपण,पर दी गई ट्रेनिंग

जांजगीर, 06 अक्टूबर (देशबन्धु)। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी के निर्देशन में विधानसभा निर्वाचन 2023 को दृष्टिगत रखते हुये जिला कार्यालय सभाकक्ष में शुक्रवार को आदर्श आचरण संहिता के अनुपालन एवं नियमानुसार संपत्ति विरूपण की कार्यवाही के संबंध में सर्व संबंधितो को निर्देशित किया गया हैं। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री एसपी वैद्य द्वारा आदर्श आचार संहिता, संपत्ति विरूपण के दिशा निर्देशों के बारे में विस्तार से अवगत कराया गया।

प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनर द्वारा आदर्श आचार संहिता पालन, संपत्ति विरूपण की जानकारी देते हुए बताया गया कि इस दौरान राजनैतिक पार्टियों द्वारा निकाले जाने वाले जुलूस की जानकारी, तारीख, समय सहित स्थान की पूरी जानकारी ली जाएगी। बैनर, पोस्टर को शासकीय, निजी भवनों से हटाया जाएगा। इस दौरान प्रशिक्षार्थियों को सुविधा एप्लीकेशन के विषय में विस्तार से जानकारी दी गई। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री एसपी वैद्य, उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती निशा नेताम मड़ावी, सर्व एसडीएम एवं तहसीलदार, रिटर्निंग एवं सहायक रिटर्निंग अधिकारी, मुख्य नगर पालिका अधिकारी, जनपद पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी सहित निर्वाचन संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री के सलाहकार की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आज

जांजगीर, 06 अक्टूबर (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री के सलाहकार, योजना, नीति, कृषि एवं ग्रामीण विकास, छत्तीसगढ़ शासन रायपुर प्रदीप शर्मा की अध्यक्षता में कल 07 अक्टूबर को समय प्रात: 11 बजे ऑडिटोरियम में समीक्षा बैठक आयोजित की गई है। बैठक में सर्व विकासखण्ड के समस्त अध्यक्ष, सदस्य, राजीव युवा मितान क्लब एवं इसके उपरांत दोपहर 02 बजे रीपा, गोधन न्याय योजना की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिसमें विकासखण्ड, नगर पंचायत के उक्त योजना के प्रभारी सहित संबंधित को उपस्थित होने कहा गया है।

सामाजिक भवन का लोकार्पण अभिनंदन समारोह का आयोजन आज

डभरा, 06 अक्टूबर (देशबन्धु)। चंद्रपुर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम साल्हे में 7 अक्टूबर को 11 बजे अघरिया सामाजिक भवन का लोकार्पण अभिनंदन समारोह का आयोजन रखा गया है इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्रीय विधायक राम कुमार यादव एवं विशिष्ट अतिथि भुवनेश्वर पटेल अध्यक्ष अखिल भारतीय अघरिया समाज केंद्रीय समिति ,व कमल किशोर पटेल अध्यक्ष अखिल भारतीय अघरिया समाज क्षेत्र डभरा अतिथि के रूप में दीनदयाल पटेल महासचिव केंद्रीय समिति, कविता चंद्र कुमार पटेल जिला पंचायत सदस्य, केंद्रीय क्षेत्रीय पदाधिकारी गण बड़ी संख्या में उपस्थित रहेंगे।

उद्यानिकी फसलों से किसान हो रहें आर्थिक रूप से सशक्त

जांजगीर, 06 अक्टूबर (देशबन्धु)। जिले के किसान शासन की योजनाओं का लाभ प्राप्त कर धान के बदले उद्यानिकी फसल लेने को प्रेरित हो रहे हैं। जिससे जिले के किसान अब धान के बदले उद्यानिकी और वाणिज्यिक फसलों का उत्पादन कर आर्थिक समृद्धि की ओर लगातार आगे बढ़ रहे हैं। जिले के नवागढ़ विकासखंड अंतर्गत ग्राम केरा में ऐसे ही किसान है अजय कुमार साहू।

अजय पहले धान की खेती करते थे, धान की फसल से उनकी आय पर्याप्त नहीं थी। फिर उन्होंने अपनी कमाई के स्रोत स्वरूप कुछ नया करने का सोचा और उद्यान विभाग से संपर्क किया। उद्यान विभाग के मार्गदर्शन से उन्हें ड्रिप सिस्टम व मल्चिंग आधारित फसल की जानकारी मिली। जानकारी मिलते ही उन्होंने तत्काल अपने लगभग 5 एकड़ रकबे पर ड्रिप सिस्टम व मल्चिंग आधारित बैंगन और करेले की फसल लगाई और कुछ समय बाद बेहतर परिणाम मिला। अजय की आय बैंगन करेला और अन्य सब्जियों के उत्पादन से दो से तीन गुना बढ़ गई। वे उत्पादित सब्जियों को आसपास के लोकल मार्केट में बिक्री कर रहे हैं। अजय अब तक लगभग 800 कविंटल फसल उत्पादन से 7 लाख 95 हजार रुपये का लाभ प्राप्त कर चुके हैं। वे बताते है कि भविष्य में भी इसी तरह सब्जियों की लगातार खेती करते रहेंगे।

श्रीमती सावित्री बाई का निधन

जांजगीर, 06 अक्टूबर (देशबन्धु)। ग्राम कन्हाईबंद निवासी करारोपण अधिकारी हजारी लाल राठौर की माता श्रीमती सावित्री बाई की 4 अक्तूबर को सायं 5.30 बजे स्वर्गवास हो गया। वे अपने पीछे पुत्र हजारी और मोती लाल राठौर, नाती-पोता सहित भरा पूरा परिवार रोते बिलखते छोड गयी। उनका ग्राम कन्हाईबंद के मुक्तिधाम में बडे पुत्र हजारी लाल राठौर ने मुखाग्नि देकर अंतिम संस्कार किया । श्रीमती सावित्री बाई के अंतिम संस्कार में ग्राम कन्हाईबंद के अलावा आसपास के ग्रामीणजन बडी संख्या में शामिल होकर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

जिपं सीईओ ने किया पेंड्री, पचेड़ा में रीपा के कार्यों का निरीक्षण

जांजगीर, 06 अक्टूबर (देशबन्धु)। जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी आर.के.खुंटे ने शुक्रवार को जनपद पंचायत नवागढ़ की ग्राम पंचायत पेंड्री एवं पचेड़ा गोठान में महात्मा गांधी रूरल इंडस्ट्रियल पार्क (रीपा) के तहत चल रहे कार्यो का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने जनपद पंचायत सीईओ, तकनीकी सहायक एवं रीपा निर्माण टीम को कार्यों की सतत रूप से मॉनीटरिंग करने के निर्देश दिए।

जिपं सीईओ ने कहा कि रीपा योजना से युवाओं, ग्रामीण, महिलाओं को उद्यमी बनाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है, इसके तहत जो भी निर्माण कार्य चल रहे हैं उन्हें समय सीमा के भीतर पूर्ण किया जाए। पेंड्री में उन्होंने पूजा एवं हवन सामाग्री निर्माण, कोसा धागाकरण एवं कपड़ा निर्माण, मशरूम उत्पादन एवं प्रोसेसिंग यूनिट का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि बेहतर कार्य करने से आर्थिक लाभ प्राप्त होता है। रीपा योजना का सुचारू रूप से क्रियान्वयन हो और किसी तरह की कोई दिक्कत न आए इसको लेकर सभी मिलकर कार्य करें। पेंड्री में हार्टीकल्चर से समन्वय कर बहुतायत में वृक्षारोपण एवं समूह की महिलाओं को जल्द आर्थिक लाभ मिले इसके लिए हाइब्रिड वैरायटी के मुनगा और जिमीकंद लगाने के निर्देश दिए। जिपं सीईओ ने पचेड़ा में रीपा के अंतर्गत चल रहे पचेड़ा में फेब्रिकेशन यूनिट, पेवर ब्लॉक निर्माण कार्य, बर्फ सिल्ली उत्पादन, आरओ वाटर प्लांट, सेटरिंग सामान, फंगास मछली पालन कार्य को देखा। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों, स्व सहायता समूह, युवाओं से चर्चा करते हुए कहा कि गांव में रहते हुए ही रोजगार प्राप्त हो रहा है इससे परिवार की आय में वृद्धि हो रही है। उन्होंने गौठान में चल रही गोबर खरीदी के साथ ही वर्मी कम्पोस्ट निर्माण सतत रूप से करने और तैयार वर्मी कम्पोस्ट को सोसायटी के माध्यम से किसानों को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इस दौरान जनपद पंचायत सीईओ अनिल कुमार, उपेन्द्र कुमार,अब्दुल कामिल, सरपंच कृष्णा कश्यप, सचिव सहित गोठान समिति सदस्य मौजूद रहे।

रोहीदास मोहल्ला एवं सीताराम गली में होगा पाइप लाइन का विस्तार

चांपा , 06 अक्टूबर (देशबन्धु)। नगर पालिका परिषद चांपा के गुरुनानक वार्ड क्रमांक 21 के रोहिदास मोहल्ला एवम सीताराम गली में टेप नल से पेयजल के लिए पाइपलाइन विस्तार का कार्य प्रारंभ जिला कांग्रेस कमेटी प्रवक्ता पार्षद नागेंद्र गुप्ता ने भूमि पूजन कर नारियल फोड़कर शुभारंभ किया कार्य प्रारंभ अवसर पर उन्होंने कहा कि वार्ड वासियों को मूलभूत सुविधा प्राप्त हो इसके लिए वह लगातार प्रयासरत है ।

बिजली पानी, सड़क ,नाली और सफाई सहित सार्वजनिक वितरण राशन दुकान पेंशन के कार्य को प्राथमिकता के आधार पर करना हमारी जवाबदारी है। नगर पालिका परिषद इसके लिए सदैव तैयार है। पाइपलाइन विस्तार हो जाने से अपने घरों में वार्ड वासी नल कनेक्शन ले सकेंगे और निर्बाद रूप से पर जल आपूर्ति होगी । इस अवसर पर प्रहलाद यादव ,मोहन सोनी, शांति देवांगन ,मोना सोनी ,मेटकू देवांगन सहित वार्ड वासी उपस्थित थे ।

जिले में संचालित प्रिंटिंग प्रेस संचालकों की बैठक संपन्न

जांजगीर, 06 अक्टूबर (देशबन्धु)। आगामी विधानसभा सामान्य निर्वाचन 2023 प्रयोजनार्थ मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी छत्तीसगढ़, रायपुर के निर्देशानुसार तथा कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी के निर्देशन में उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती निशा नेताम मड़ावी ने संचालित सर्व प्रिंटिंग प्रेस संचालकों की बैठक जिला निर्वाचन कार्यालय सभाकक्ष में ली। इस दौरान उन्होने बैठक में आगामी विधानसभा निर्वाचन 2023 के संबंध में आदर्श आचरण संहिता लागू होने उपरांत राजनीतिक दल, अभ्यर्थी, प्रत्याशियों आदि की प्रिंटिंग कराए जाने वाले बैनर, पोस्टर, पंपलेट द्वारा मुद्रण आदि की प्रिंटिंग कराए जाने के संबंध में निर्वाचन आयोग की दिशा निर्देशों का पालन करने हेतु निर्देश दिए। बैठक में सरस्वती प्रिंटर्स, अग्रवाल प्रिंटर्स, हिरदे आफसेट एण्ड फ्लेक्स प्रिंट, मयंक कम्प्यूटर, कृष्णा प्रिंटर्स, आरती प्रिंटर्स एवं अन्य प्रिंटिंग प्रेस के संचालक उपस्थित थे।

फेसबुक व इंस्ट्राग्राम में नाबालिगों के अश्लील वीडियो

12 शिकायतों पर अपराध दर्ज कर आठ आरोपियों को किया गिरफ्तार

जांजगीर, 06 अक्टूबर (देशबन्धु)। फेसबुक व इंस्ट्राग्राम में मोबाईल के माध्यम से नाबालिगों के अश्लील वीडियो प्रसारित करने के मामले में पुलिस ने साइबर सेल की मदद से जिले के अलग अलग थाना क्षेत्रों में राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो से प्राप्त साइबर टिप लाइन की 12 शिकायतों पर अपराध दर्ज कर आठ आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

साइबर सेल प्रभारी प्रवीण द्विवेदी ने बताया कि महिलाओं और नाबालिग बच्चों पर घटित अपराधों पर राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो जो कि 24 घंटे आनलाईन फेस बुक, इंस्ट्राग्राम में नजर बनाएं रखने से जो लोग नाबालिगों से संबंधित अश्लील वीडियो देखते तथा पोस्ट करते है उनके ऊपर कार्रवाई करने उस व्यक्ति द्वारा जहां के सर्वर का उपयोग किया जाता वहां के संबंधित साइबर सेल जिला पुलिस को सूचित किया जाता है। जिला पुलिस को साइबर टिप लाइन की 12 शिकायतें चांपा, जांजगीर और शिवरीनारायण थाना क्षेत्र के मिले थे। जिस पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने थाना शिवरीनायण में डोंगिया पारा राहौद निवासी आरोपित दिलीप लहरे और तनौद निवासी शुभम उर्फ शोभा विश्वकर्मा,थाना चांपा में कोलकाता निवासी वर्तमान पता चांपा मिनमोय मांझी, जयराम नगर थाना मस्तुरी, रानी रोड चाम्पा निवासी इन्द्र कुमार देवांगन और जांजगीर थाना अंतर्गत आरोपित खोखसा निवासी चन्द्रकांत साहू, जांजगीर निवासी नंद किशोर राठौर, कुलीपोटा निवासी कामेन्द्र लहरे और एक किशोर के विरूद्ध धारा सूचना प्रौद्योगिक अधिनियम 2000 की धारा 67 (बी) के तहत् अपराध दर्ज किया गया। इन आरोपितों ने फेसबुक और इंस्ट्राग्राम में मोबाइल के माध्यम से नाबालिगों से संबंधित अश्लील वीडियो प्रसारित किया था। पुलिस ने सभी आरोपितों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

बिजली खंभा चोरी करने वाले व खरीददार सहित सात गिरफ्तार

जांजगीर, 06 अक्टूबर (देशबन्धु)। भारतमाला प्रोजेक्ट के तहत निर्माणाधीन सड़क में लगे लोहे का बिजली खंभा चोरी करने एवं खरीदने वाले 7 आरोपितों को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया । वारदात में शामिल एक किशोर को बाल सुधार गृह भेजा गया है। मामला बलौदा थाना का है। पुलिस के अनुसार रमन नगर जांजगीर निवासी संदीप राठौर बिजली विभाग में ठेकेदारी का काम करता है। भारतमाला प्रोजेक्ट के तहत बिलासपुर से उरगा तक सड़क बन रहा है । जिसमें खंभा गड़ाने का काम चल रहा है। ग्राम हरदी विशाल के मुक्ति धाम में क्रसिंग (बिजली तार के लिए लोहे का खंभा) 13 मीटर का सीमेंट लगाकर जमीन में गड़ाया गया था । जिसको आरी से काटकर ले गया था । नीचे का हिस्सा जमीन में गड़ा हुआ था। जबकि ऊपर का हिस्सा करीब 12 से 13 मीटर कीमती 25 हजार रूपये को कोई चोरी कर ले गया था। पुलिस ने भादवि की धारा 379 के तहत अपराध पंजीबध्द कर विवेचना में लिया ।

विवेचना के दौरान हरदी विशाल निवासी संदेही श्रवण बर्मन, लखेश्वर सांडिल्य, संजय कुर्रे उर्फ कोदा, नंद कुमार कुर्रे और सोहम कुमार रात्रे और एक किशोर को हिरासत में लेकर पूछताछ की । सभी आरोपितों ने 30 सितंबर को चोरी करने की योजना बनाकर रात 9 -10 बजे निर्माणाधीन रोड के किनारे लगे लोहे बिजली का खंभा को आरी ब्लेड से टुकडो में काटकर सोहन कुमार रात्रे के घर में छिपाना बताया। इसके बाद 3 अक्टूबर को केरा रोड जांजगीर निवासी कबाड़ी वाला लक्ष्मी प्रसाद यादव और नैला निवासी कबाड़ी मुताहिर खान से खंभा का टुकडा 11 नग वजनी 2.30 क्विंटल कीमती 10 हजार को जब्त किया। आरोपितों ने गांव के गोठान के पास दारू मुर्गा पार्टी में खर्च करना बताए । पुलिस ने हरदी विशाल निवासी आरोपित श्रवण बर्मन, लखेश्वर सांडिल्य, संजय कुर्रे उर्फ कोदा, नंद कुमार कुरे, सोहम कुमार रात्रे और कबाड़ी केरा रोड जांजगीर निवासी लक्ष्मी प्रसाद यादव, नैला निवाासी मुताहिर खान को भादवि की धारा 379, 34, 120 बी के तहत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जहां से उन्हें न्यायिक रिमाण्ड पर जेल भेजा गया । वहीं नाबालिग को किशोर न्यायालय में पेश कर बाल संप्रेषण गृह कोरबा भेजा गया ।

निर्वाचन व्यय अनुवीक्षण को लेकर सहायक व्यय प्रेक्षक, लेखा टीम को दिया गया प्रशिक्षण

जांजगीर, 06 अक्टूबर (देशबन्धु)। विधानसभा निर्वाचन 2023 को दृष्टिगत रखते हुये निर्वाचन व्यय अनुवीक्षण को लेकर सहायक व्यय प्रेक्षक, लेखा टीम को आज कलेक्टोरेट के सभाकक्ष में प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी आरके खुंटे ने कहा कि निर्वाचन का कार्य प्राथमिकता से किया जाना है, इसके लिए जरूरी है कि व्यय से संबंधित पंजियों का बेहतर तरीके से संधारण किया जाए। वरिष्ठ कोषालय अधिकारी डॉ. रूपेश कुमार पाठक ने व्यय अनुवीक्षण को लेकर विस्तार से जानकारी दी। वरिष्ठ कोषालय अधिकारी ने बताया कि आदर्श आचार संहिता लागू होते ही व्यय अनुवीक्षण के लिए गठित टीमें अपने दायित्वों का निर्वहन सजगता एवं गंभीरतापूर्वक करें। प्रशिक्षण में चुनाव व्यय निगरानी के लिए गठित टीमों को प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान प्रशिक्षणार्थियों को व्यय पर्यवेक्षक (ईओ), सहायक व्यय पर्यवेक्षक (एईओ), उडनदस्ता और स्थैतिक निगरानी दल (एफएस एवं एसएसटी), वीडियो निगरानी दल (वीएसटी), वीडियो देखने वाली टीम (वीवीटी), लेखा टीम, आबकारी टीम, मीडिया प्रमाणन एवं निगरानी समिति (एमसीएमसी) के कार्य एवं दायित्वों के संबंध में विस्तार से बताया गया।

भाभी से दुष्कर्म करने वाले आरोपी को 10 साल की सजा

न्यायाधीश यशवंत सारथी ने सुनाया फैसला

सक्ती 06 अक्टूबर (देशबन्धु)। फास्ट ट्रैक कोर्ट शक्ति के विशेष न्यायाधीश यशवंत कुमार सारथी द्वारा 36 वर्षीय अपने ही भाभी के साथ दुष्कर्म के मामले में अभियुक्त के विरुद्ध आरोपित अपराध दोष सिद्ध पाए जाने पर 40 वर्षीय आरोपी को 10 वर्ष की सश्रम कारावास की सजा एवं अर्थदंड से दंडित करने का निर्णय पारित किया है। विशेष लोक अभियोजक राकेश महंत ने बताया कि दिनांक 2 मार्च 2022 को दोपहर 3-30 डभरा थाना अंतर्गत अभियोक्त्री को जब वह अपने घर के परछी में काम कर रही थी उसके दोनों पुत्र मोबाइल बनवाने के लिए खरसिया गए हुए थे तथा उसकी सास खाना खाकर सो गई थी तब आरोपी अभियोक्त्री अपने भाभी को अकेले देख कर वह उसके घर उसके पास आया और उसका मुंह दबाकर परछी में ही पटक कर उसके साथ जबरदस्ती बलात्कार किया और उठकर बाड़ी तरफ से कूद कर भाग गया घटना के कारण अभियोत्री के बाया सीना व जांघ में चोट लगी। पीड़िता के सास बुजुर्ग हो गई है जो कम सुनती है इसलिए पीड़िता के चिल्लाने की आवाज को सुन नहीं पाई । पीड़िता ने घटना के बारे में अपने सास तथा घर के बाहर अन्य लोगों को बताई उसी समय पीड़िता के दोनों लड़के वापस आए जिन्हें भी घटना के बारे में बतायी तथा पीड़िता अपनी सास के साथ चौकी फगुरम थाना डभरा जाकर लिखित शिकायत की जिस पर अभियुक्त के विरुद्ध 0/ 2022 धारा 376 दर्ज किया गया एवं नंबरी अपराध हेतु थाना डभरा में डायरी पुलिस द्वारा पेश किया गया जिस पर अपराध क्रमांक 80 / 2022 पंजीबद्ध कर विवेचना किया गया तथा अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजा गया एवं संपूर्ण विवेचना उपरांत अभियुक्त के खिलाफ धारा 376, 323 भारतीय दंड संहिता के अंतर्गत अभियुक्त के खिलाफ अभियोग पत्र विशेष न्यायालय शक्ति में पेश किया गया था । विशेष न्यायालय शक्ति ने उभय पक्षों को पर्याप्त समय अपने पक्ष रखने के लिए देने के पश्चात तथा अभियोजन एवं अभियुक्त पक्ष के अंतिम तर्क श्रवण करने तथा संपूर्ण विचारण पूर्ण होने के पश्चात न्यायालय द्वारा निर्णय पारित किया गया। अभियोजन द्वारा अभियुक्त के विरुद्ध आरोपित अपराध संदेह से परे प्रमाणित कर दिए जाने से अभियुक्त पीड़िता के देवर उम्र 40 वर्ष चौकी फगुरम थाना डभरा जिला शक्ति को विशेष न्यायाधीश यशवंत कुमार सारथी द्वारा सिद्ध दोष पाए जाने पर दोष सिद्ध घोषित किया गया तथा अभियुक्त को धारा 376 भारतीय दंड संहिता के अपराध के लिए 10 वर्ष का सश्रम कारावास एवं ? 5,000 के अर्थदंड से एवं धारा 323 भारतीय दंड संहिता के अपराध के लिए 6 महीने का सश्रम कारावास एवं ?500 के अर्थदंड से दंडित किया गया है ।अभियोजन की ओर से पैरवी राकेश महंत विशेष लोक अभियोजक ने किया ।

क्षेत्र में हाथियों की दस्तक, एक की मौत, वन विभाग कर रहा सतत निगरानी

जनधन की कोई हानि नहीं पर एक शावक की मौत

सारंगढ 06 अक्टूबर (देशबन्धु)। विगत कुछ दिनों से क्षेत्र के गोमर्डा अभ्यारण्य में हाथियों की लगातार आवाजाही हो रही है तथा वन विभाग इसकी लगातार ट्रेकिंग कर रहा है तथा विगत कुछ दिनों पूर्व स्थानीय जनपद पंचायत कार्यालय में वन विभाग के कर्मचारियों की एक विशेष प्रशिक्षण हाथियों के सम्बंध में भी दिया गया था जिसमें एक विशेष प्रकार की ट्रेकिंग सिखाई गई थी जिसमें हाथियों के जंगल में आने से पहले ही उनके आगमन की जानकारी वन विभाग को हो जाती है तथा जिससे ये कर्मचारी आस पास के गांव में मुनादी इत्यादि के माध्यम से ग्राम वासियों को इसकी जानकारी दे दिया जाता है जिससे वे सचेत हो जाते हैं।इसी प्रकार अगर हाथी आसपास आ जाए तो ऊंचे स्थान या ऊंचाई वाले रास्ते पर ना जाकर ढलान वाले रास्ते की ओर भागने का प्रयास करना चाहिए क्योंकि ढलान वाले रास्ते पर हाथी अधिक नहीं दौड पाता है।

शावक की मौत पर जनधन को कोई हानि नहीं - वन विभाग के अनुसार उक्त विशेष प्रकार की ट्रेकिंग करने के कारण वन विभाग को हाथियों के आने की जानकारी पहले से ही हो जाती है इसी कारण ग्राम वासियों को भी इसकी सूचना दे दिया जा रहा है और इसी कारण अब तक किसी भी प्रकार के जनधन की हानि नहीं हुई है परन्तु कल एक शावक की मौत हुई है जिसके सम्बंध में डीएफओ गणेश व रेंजर राजू का कहना है कि कुल 24 हाथी झुंड में थे जो एक दुसरे ही खेल खेल में उलझ जाते हैं तथा बाद में सांड की तरह ही इनकी लडाई बढ भी जाती है हो सकता है कि कल भी ऐसा ही हुआ होगा जिसके चपेट में शावक आ गया होगा क्योंकि कल जिस शावक की मौत हुई है वह नेचुरल डेथ लग रहा तथा पोस्टमार्टम रिपोर्ट से ही वास्तविक स्थिति का पता चल सकता है।

समुचित देखरख से बन सकता है नेशनल पार्क- पूर्व में आज से 24 वर्ष पूर्व गोमर्डा अभ्यारण्य को टायगर प्रोजेक्ट में शामिल किया गया था जिससे क्षेत्र से लगे 28 गाँव की भूमि की खरीदी बिक्री पर रोक लगा दिया गया था बाद में टायगर प्रोजेक्ट तो ठण्डे बस्ते में चला गया परन्तु जमीन की खरीदी बिक्री पर लगी रोक यथावत बनी हुई है वैसे देखा जाए तो सारंगढ-बिलाईगढ जिले का गोमर्डा अभ्यारण्य छत्तीसगढ़ ही नहीं वरन पूरे भारतवर्ष में अपनी तरह का एकमात्र वन्य अभ्यारण्य है जिसमें खपान,माडोसिल्ली जैसे कई अनुपम प्राकृतिक सौन्दर्य से परिपूर्ण स्थान हैं वहीं हर्बल प्लांट हर्रा बहेरा आंवला इत्यादि तथा इमरती लकडियों को प्रदान करने वाले सागौन,साल,शीशम इत्यादि और तेन्दू जिसके पत्ते से हजारों नागरिकों को रोजगार प्राप्त होता है वह बहुतायत में पाया जाता है व चार भी पाया जाता है वहीं वन्य प्राणियों में सर्वभक्षी प्राणी भालू, तेन्दुआ, सफेद चूहा, वनभैंसा,साम्हर,चीतल,नीलगाय, हाथी व दूर्लभ व बहूमूल्य प्राणी पिंगूलिन भी पाया गया है तथा ये सभी विशेषताएं एक साथ पाए जाने के कारण गोमर्डा अभ्यारण्य निश्चित रूप से ही नेशनल पार्क बनने लायक है।

देश विदेश

मस्क को ट्विटर सौदे में गवाही के लिए निर्देश दिए जाने की एसईसी ने लगाई अर्जी

वाशिंगटन, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिकी शेयर बाजार विनियामक सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन (एसईसी) ने कहा कि उसने 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) के अधिग्रहण से जुड़ी जांच के मामले में उद्यमी एलन मस्क को गवाही के लिए निर्देश दिए जाने की अदालत में एक प्रार्थनापत्र दायर किया है। एसईसी ने गुरुवार को बयान में कहा कि उसने अदालत में गुहार लगायी है कि श्री मस्क को जांच के सिलसिले में हाजिर होने के लिए निर्देश दिया जाए। मस्क के खिलाफ ट्विटर के सौदे में शेयर बाजार के नियमों का उल्लंघन किए जाने के संदेह में जांच चल रही है।

भारत के दबाव में झुका कनाडा, भारत में रह रहे अपने कई राजनयिकों को मलेशिया और सिंगापुर भेजा

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर (देशबन्धु)। खालिस्तानी आंतकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के मामले में कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो द्वारा भारत पर लगाए गए आरोपों के बाद अब दोनों देशों के रिश्ते बिगडते जा रहे है। भारत द्वारा कनाडा सरकार को अपने 41 राजनयिकों को वापस बुलाने के लिए दिए गए निर्देश के बाद अब कनाडा पिछले पांव पर आ गया है। कनाडा के विदेश मंत्री की निजी बातचीत करने की गुहार भी भारत सरकार द्वारा खारिज कर दी गई। इसके बाद अब कनाडा के राजनयिकों की वापसी शुरू हो गई है। कनाडा सरकार ने कई राजनयिकों को भारत से हटाकर मलेशिया और सिंगापुर भेज दिया है;

- दोनों देशों के रिश्ते बिगडते जा रहे
- कनाडा के राजनयिकों की वापसी शुरू हो गई

गौरतलब है कि कनाडा यह कदम उठाने के लिए तब मजबूर हुआ है,जब भारत ने उसके उपर अनुपातिक रूप से राजनयिक संतुलन बनाने का दबाव बना दिया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची एक दिन पहले ही कह चुके हैं कि भारत में कनाडा के राजनयिकों की संख्या ज्यादा है,इसे घटाकर कनाडा में तैनात भारतीय राजनयिकों की संख्या के बराबर किया जाना चाहिए। उन्होंने कनाडा के राजनयिकों पर भारत के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करन ेका भी आरोप लगाया था। बतादें कि इससे पूर्व कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने बिना किसी ठो सबूत के आरोप लगाया था कि भारत के खुफिया एजेंटों ने खालिस्तानी आंतकी हरदीप सिंह निज्जर की कनाडा में हत्या करवाई थी। इसी के साथ दोनों देशों के बीच विवाद शुरू हो गया था। भारत ने इस मामले में कनाडा से सबूत

'बेल्ट एंड रोड' पहल में व्यापक विकास संभावनाएं हैं: पुतिन

बीजिंग, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने 5 अक्तूबर को दक्षिणी रूसी शहर सोची में कहा कि 'बेल्ट एंड रोड' पहल में व्यापक विकास संभावनाएं हैं। पुतिन ने सोची में रूसी थिंक टैंक वल्दाई इंटरनेशनल डिबेट क्लब की वार्षिक बैठक में भाग लिया। उन्होंने संवाददाता से कहा कि चीन की अर्थव्यवस्था ने विकास बनाए रखा है और चीन विश्व अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण इंजनों में से एक बना हुआ है। 'बेल्ट एंड रोड' पहल में व्यापक विकास संभावनाएं हैं। रूस और चीन यूरेशियन आर्थिक संघ और 'बेल्ट एंड रोड' पहल के बीच सहयोग के कार्यान्वयन को बढ़ावा दे रहे हैं। पुतिन ने इस बात पर जोर दिया कि रूस और चीन के बीच

सहयोग अभी भी अंतरराष्ट्रीय स्थिति को स्थिर करने में बहुत महत्वपूर्ण कारकों में से एक है। रूस और चीन कोई छोटा समूह स्थापित नहीं करेंगे, लेकिन उनके आसपास जो हो रहा है उस पर प्रतिक्रिया करने के लिए मजबूर होंगे। इसके अलावा पुतिन ने यह भी कहा कि रूस और चीन सड़कों और रेलवे के

> चीन की अर्थव्यवस्था ने विकास बनाए रखा है और चीन विश्व अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण इंजनों में से एक बना हुआ है। 'बेल्ट एंड रोड' पहल में व्यापक विकास संभावनाएं हैं। रूस और चीन यूरेशियन आर्थिक संघ और 'बेल्ट एंड रोड' पहल के बीच सहयोग के कार्यान्वयन को बढ़ावा दे रहे हैं:-व्लादिमीर पुतिन, रूसी राष्ट्रपति

निर्माण में सहयोग कर रहे हैं और औद्योगिक उत्पादन के क्षेत्र में भी व्यावहारिक सहयोग कर रहे हैं और दोनों पक्ष द्विपक्षीय व्यापार में पूरक भूमिका निभा रहे हैं।

पुतिन ने परमाणु शक्ति संपन्न बुरेवेस्तनिक मिसाइल के परीक्षण का दावा किया

मॉस्को। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने दावा किया है कि उनके देश ने परमाणु ऊर्जा से चलने वाली क्रूज मिसाइल का अंतिम सफल परीक्षण किया है। बीबीसी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। राष्ट्रपति ने यह टिप्पणी उनके प्रवक्ता द्वारा न्यूयॉर्क टाइम्स की उस रिपोर्ट को खारिज करने के बाद दी, जिसमें कहा गया था कि बुरेवेस्तनिक नामक हथियार का परीक्षण आसन्न था। प्रायोगिक हथियार, जिसकी घोषणा पहली बार 2018 में की गई थी, को संभावित असीमित रेंज वाला कहा गया है। माना जा रहा है कि यह परमाणु रिएक्टर द्वारा संचालित है और परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम है लेकिन आधिकारिक रूप से इसकी क्षमताओं के बारे में बहुत कम जानकारी है और रिपोर्ट है कि पिछले परीक्षण विफल रहे हैं। श्री पुतिन के बयान की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं की गई है और रूसी रक्षा मंत्रालय की ओर से अब तक कोई बयान नहीं आया है। हालांकि, पिछले माह प्रसारित उपग्रह चित्रों से संकेत मिलता है कि रूस ने हाल ही में एक दूरस्थ आर्कटिक द्वीप पर नई सुविधाओं का निर्माण किया है, जहां पहले सोवियत परमाणु परीक्षण किए गए थे।

सुडोकू 6339

	7		8			1		
3		8	6					4
6				2		7		
				9				2
		9				6		
4				1				
		1		3				9
2					1	5		7
		3			7		2	

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम,कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

वर्ग पहेली 6339

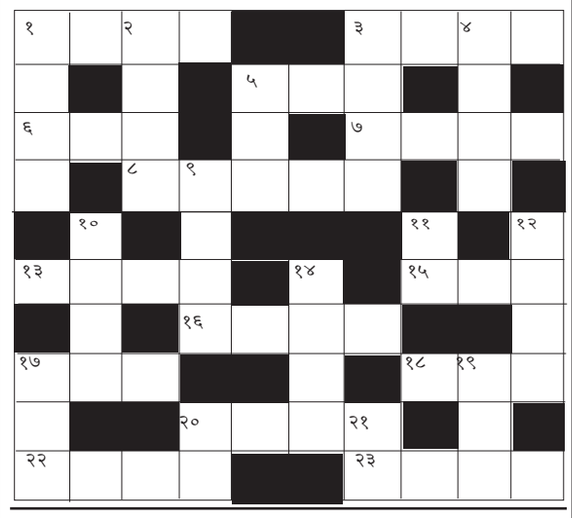

बायें से दायें:-

१. एक प्रसिद्ध पक्षी जिसकी बोली बहुत मधुर होती है
३. विरोधी, दूसरे पक्ष का, प्रतिद्वंद्वी
५. ऊंचाई (उर्दू)
६. वृद्धिकारक
७. पैरों के निशान, नक्शेकदम
८. सारथि, रथ हांकनेवाला
१३. सहसा, अचानक
१५. पराजित,जिस पर किसी ने विजय पा ली हो
१६. अप्रिय (उर्दू)
१७. शांत, शब्दरहित
१८. वर्षा, बरसात
२०. खानाबदोश
२२. गहरा कुआं, नरक (उर्दू)
२३. मामूली, आम

ऊपर से नीचे:-

१. पहेली, किसी वस्तुका ऐसा अनोखा वर्णन, जिसके आधार पर उसका अर्थ बूझने , उसका उत्तर देने में बहुत सोच-विचार करना पड़े
२. जुलाहा
३. उजाला करने वाला, प्रकाश करने वाला
४. पहचान का
५. निमंत्रण
९. धीरे से हथेली का आघात करना
१०. एक राक्षस
११. राजा
१२. हाथों की लकीर
१४. नामुमकिन
१७. कमल
१९. गति, वेग (उर्दू)
२०. प्रहर, तीन घंटे का समय
२१. पृथ्वी, भूमि

वर्ग पहेली-6338

१ ख	ट्टे	२ हो	ना			३ अ	स्त	४ ब	ल
ट		शि		५ वि	लो	प		ल	
६ प	र्सि	या		जि		७ ला	ज	वा	ब
ट		८ र	९ ज	त	कुं	भ		ई	
	१० ह		क				११ भो		१२ अ
१३ मु	ठ	भे	ड़		१४ द		१५ र	ग	ड़
	ध		१६ ना	ग	र	ता			च
१७ श	मीं	ली			वा		१८ यौ	१९ व	न
शां			२० ना	ज	री	२१ न		स	
२२ क	ष्ट	प्र	द			२३ भ	या	न	क

युसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

सुडोकू 6339 का हल

9	7	2	8	4	3	1	5	6
3	1	8	6	7	5	2	9	4
6	4	5	1	2	9	7	8	3
5	8	7	4	9	6	3	1	2
1	3	9	7	5	2	6	4	8
4	2	6	3	1	8	9	7	5
7	5	1	2	3	4	8	6	9
2	6	4	9	8	1	5	3	7
8	9	3	5	6	7	4	2	1

दैनिक पंचांग

mypandit.com 24 hour astrology service

■ बेजान दारूवाला

ग्रह स्थिति : शनिवार 7 अक्टूबर , 2023 आश्विन कृष्ण पक्ष 9

राशिफल

मेष -आज आपका मन बेचैन रहेगा। किसी बात को लेकर कुछ ज्यादा ही इमोशनल रहेंगे। आज किसी के साथ वाद-विवाद में न उतरें। स्वजनों, स्नेहीजनों के साथ विवाद हो सकता है।

वृषभ -आर्थिक कामों में आज कोई अड़चन आ सकती है। मित्रों और रिश्तेदारों के मिलने से मन खुश रहेगा। व्यापार में भागीदारी के काम में आपको लाभ मिलेगा। शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

मिथुन -आपके दिन का आरंभ शारीरिक और मानसिक स्वस्थता से होगा। आप खुश रहेंगे। परिजन और मित्रों के साथ आनंदपूर्वक समय गुजारेंगे। आज खर्च अधिक न हो, इस पर नियंत्रण रखें। आर्थिक लाभ होगा।

कर्क -आज आपके धन की आय कम और व्यय अधिक होगा। आंखों के दर्द रह सकता है। मानसिक चिंता भी रहेगी। वाणी में संयम बनाए रखें। किसी बात को लेकर उलझन मे रह सकते हैं।

सिंह -आज आपके मन में क्रोध और आवेश की भावना रहेगी। लोगों के साथ संभलकर बातचीत करें। स्वास्थ्य की दृष्टि से आज का दिन शुभ नहीं है। मन में चिंता रहेगी। परिजनों के साथ वाद-विवाद हो सकता है।

कन्या -आपकी आज की सुबह आनंदप्रद और लाभप्रद रहेगी। व्यवसाय में लाभ होगा। सामाजिक क्षेत्र में आपकी प्रशंसा होगी। उधार दिए पैसे वापस आ सकते हैं। परिवार में भी आनंद का वातावरण रहेगा।

तुला -आज आपको शारीरिक और मानसिक सुख अच्छा रहेगा। व्यापार में आप उत्साहपूर्वक काम करेंगे। पदोन्नति होगी। सरकारी काम आसानी से पूरे होंगे। सामाजिक दृष्टिकोण से आपका मान-सम्मान बढ़ेगा।

वृश्चिक -आज विरोधियों और प्रतिस्पर्धियों के साथ वाद-विवाद में ना पड़ें। व्यवसाय में परिस्थिति अनुकूल नहीं होगी। संतान के साथ मतभेद हो सकता है। संतान के लिए चिंता रह सकती है। मैरीड कपल के बीच रोमांस बना रहेगा।

धनु -आज आपको हर मामलों में सावधान होना पड़ेगा। क्रोध करने से हानि होने की आशंका बनी रहेगी। शारीरिक अस्वस्थता रह सकती है। बिजनेस में कर्मचारीयों का व्यवहार नकारात्मक रहेगा। संतान के विषय में चिंता सताएगी।

मकर -आज अपने प्रिय दोस्तों या रिश्तेदारों के साथ घूमने-फिरने का मन करेगा। वाहन-सुख मिलेगा तथा मान-सम्मान भी मिलेगा। दोपहर के बाद आपका शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य बिगड़ेगा। धन अधिक खर्च होगा।

कुंभ -आज आपको काम में सफलता मिलेगा। इससे आपका यश बढ़ेगा। शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। सामाजिकरूप से मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। दोपहर के बाद आप मनोरंजन और शॉपिंग आदि में रुचि रखेंगे।

मीन -आज का दिन अच्छी तरह से गुजरेगा। कला के क्षेत्र में आपकी अभिरुचि बढ़ेगी। मित्रों से हुई मुलाकात आनंद देगी। दोस्तों या रिश्तेदारों से कोई उपहार मिल सकता है। घर में सुख-शांति का वातावरण बना रहेगा।

नोट-उपरोक्त राशिफल बेजान दारूवाला द्वारा पूर्वलिखित है।

अमेरिका ने सीरिया में तुर्की ड्रोन को मार गिराया

वाशिंगटन, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिका के रक्षा विभाग ने गुरुवार को कहा कि अमेरिकी सेना ने सीरिया में तुर्की ड्रोन को मार गिराया, क्योंकि इस घटना के समय वह अमेरिकी सेना के समीप आ गया था। रक्षा विभाग के प्रेस सचिव पैट राइडर ने संवाददाताओं से कहा कि अमेरिकी कमांडरों का आकलन था कि सीरिया में तुर्की का एक मानव रहित विमान (यूएवी) अमेरिकी बलों से आधे किलोमीटर से भी कम दूरी पर उड़ान भर रहा था। उन्होंने कहा कि अमेरिकी एफ-16 लड़ाकू विमानों ने आत्मरक्षा में तुर्की के यूएवी को मार गिराया क्योंकि वे ड्रोन को संभावित खतरा मान रहे थे। अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने इस घटना पर चर्चा करने के लिए तुर्की के रक्षा मंत्री यासर गुलेर के साथ फोन पर बातचीत की। श्री ऑस्टिन ने तुर्की के अपने समकक्ष से उत्तरी सीरिया में तनाव कम करने का आग्रह किया। उन्होंने संघर्ष को कम करने और स्थापित सैन्य-से-सैन्य चैनलों के माध्यम से संचार का कठोरता से पालन करने के महत्व पर बल दिया। बयान में कहा गया कि अमेरिकी विदेश मंत्री ने तुर्की की वैध सुरक्षा चिंताओं को स्वीकार किया और किसी भी तरह के जोखिम को रोकने के लिए अमेरिका और तुर्की के बीच करीबी समन्वय की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

सीरिया में कैडेट ग्रेजुएशन सेरेमनी पर ड्रोन हमले में 1 की मौत

दमिश्क, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। सीरिया के होम्स प्रांत में कैडेट ग्रेजुएशन सेरेमनी के दौरान सैन्य अकादमी पर ड्रोन हमला हुआ, जिसमें कम से कम 100 लोग मारे गए। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, सशस्त्र बलों के जनरल कमांड के एक बयान का हवाला देते हुए सीरिया की सरकारी समाचार एजेंसी सना ने कहा कि गुरुवार दोपहर समारोह समाप्त होने के तुरंत बाद विस्फोटकों से लदे कई ड्रोनों ने अकादमी को निशाना बनाया। बयान में कहा गया, 'सशस्त्र बल इस कृत्य को आपराधिक मानता है और पुष्टि करता है कि वह इन आतंकवादी समूहों को पूरी ताकत और दृढ़ संकल्प के साथ जवाब देगा, चाहे वे कहीं भी हों। एक अन्य रिपोर्ट में, सना ने स्वास्थ्य मंत्री हसन अल-गब्बाश के हवाले से कहा कि हमले में 200 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं।

इसमें कहा गया है कि मृतकों में कैडेट्स के परिवार, महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, अब तक किसी भी व्यक्ति या समूह ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। ब्रिटेन स्थित सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स (एसओएचआर) के अनुसार, देश के रक्षा

मंत्री ने समारोह में भाग लिया था, लेकिन हमले से कुछ मिनट पहले ही वो चले गए थे। हमले को 'भयानक' बताते हुए, सीरिया के लिए संयुक्त राष्ट्र के विशेष दूत गीर पेडरसन ने दशकों से चल रहे संघर्ष में सभी पक्षों से संयम बरतने का आह्वान किया है।

बीबीसी ने गुरुवार देर रात राजदूत के हवाले से कहा, 'सभी पक्षों को अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत अपने दायित्वों का सम्मान करना चाहिए और नागरिक बुनियादी ढांचे की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए।

तुर्की सेना ने 26 कुर्द आतंकवादियों को मार गिराया

अंकारा, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। तुर्की रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि उसके बलों ने सीरियाई कुर्द पीपुल्स डिफेंस यूनिट्स (वाईपीजी) के 'हमले' का जवाब दिया और 26 कुर्द आतंकवादियों को मार गिराया। समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने मंत्रालय के एक बयान के हवाले से बताया कि अंकारा की जवाबी कार्रवाई वाईपीजी द्वारा गुरुवार देर रात उत्तरी सीरिया में तुर्की सेना के यूफ्रेट्स शील्ड ऑपरेशन क्षेत्र में दाबिक बेस क्षेत्र पर 'हमला' शुरू करने के बाद हुई। मंत्रालय के अनुसार, तुर्की के युद्धक विमानों ने भी वाईपीजी के खिलाफ हवाई हमले किए और गुरुवार रात ताल रिफात, जजीरा और डेरिक क्षेत्रों में 30 ठिकानों को निशाना बनाया। सेमी-ऑफिशियल अनादोलु एजेंसी ने बताया कि गुरुवार तड़के, राष्ट्रीय खुफिया संगठन (एमआईटी) ने वाईपीजी के हथियारों और गोला-बारूद के गोदामों पर सशस्त्र ड्रोन से हमला किया। रविवार को अंकारा में एक आत्मघाती बम विस्फोट के बाद युद्धग्रस्त देश में सीरियाई कुर्द समूह और तुर्की बलों के बीच तनाव बढ़ गया। प्रतिबंधित कुर्दिस्तान वर्कर्स पार्टी (पीकेके) ने

रविवार को तुर्की के आंतरिक मंत्रालय के सामने हुए हमले की जिम्मेदारी ली, जिसमें एक हमलावर ने खुद को उड़ा लिया और दूसरा पुलिस की गोलीबारी में मारा गया। हमले में दो पुलिस अधिकारी घायल हो गये।

आंतरिक मंत्री अली येरलिकाया ने कहा कि एक अन्य घटनाक्रम में, तुर्की पुलिस ने शुक्रवार को 11 प्रांतों में पीकेके के 75 संदिग्ध सदस्यों को हिरासत में लिया। तुर्की सेना ने रविवार से उत्तरी इराक में पीकेके ठिकानों के खिलाफ तीन हवाई अभियान चलाए हैं।

ब्रिक्स की बदौलत ईरान, यूएई वैश्विक आर्थिक केंद्र बनेगा: गालिबफ

तेहरान, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गालिबफ ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के साथ एक बैठक में कहा कि तेहरान और यूएई एक वैश्विक आर्थिक केंद्र बन सकते हैं, यह अवसर उनके द्विपक्षीय सहयोग तथा ब्रिक्स समूह में सदस्यता से सुनिश्चित किया जा सकता है। तस्नीम समाचार एजेंसी ने श्री गालिबफ के हवाले से कहा, 'हम भविष्य में सभी दिशाओं में एक आश्वस्त कदम उठाने और सभी क्षेत्रों में दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं को विकसित करने का इरादा रखते हैं। दोनों देशों की भौगोलिक स्थिति के कारण, हम दुनिया में सबसे बड़ा आर्थिक केंद्र बन सकते हैं और यह अवसर द्विपक्षीय संबंधों और ब्रिक्स में सदस्यता के माध्यम से दोनों देशों के बीच मौजूद है।' उन्होंने कहा कि यूएई की उनकी यात्रा का उद्देश्य कई अधिकारियों के साथ ईरान और अबू धाबी के बीच विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों, विशेष रूप से खाड़ी क्षेत्र में सहयोग पर चर्चा करना था। अगस्त में जोहान्सबर्ग शिखर सम्मेलन में, अर्जेंटीना, मिस्र, ईरान, इथियोपिया, संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब को एक जनवरी, 2024 से संगठन का पूर्ण सदस्य बनने के लिए आमंत्रित करने के निर्णय की घोषणा की गई थी।

आज का इतिहास

1586-मुग़ल सेना ने कश्मीर में प्रवेश किया।
1737-बंगाल में 20 हजार छोटे जहाज के समुद्र में 40 फुट नीचे डूबने से तीन लाख लोगों की मौत।
1840-विलेम द्वितीय नीदरलैंड का राजा बना।
1868-अमेरिका में कोर्नोल विश्वविद्यालय खुला। इसमें 412 विद्यार्थियों का नामांकन हुआ था जो उस समय की सबसे बड़ी संख्या थी।
1907-भारत के स्वतंत्रता संग्राम में क्रान्तिकारियों की प्रमुख सहयोगी दुर्गा भाभी का जन्म।
1919-गांधीजी की 'नवजीवन' पत्रिका प्रकाशित।
1922-प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी एवं पूर्व लोकसभा अध्यक्ष बली राम भगत का जन्म।
1942-अमेरिका और ब्रिटिश सरकार ने संयुक्त राष्ट्र की स्थापना की घोषणा की।
1950-मदर टेरेसा ने कोलकाता में मिशनरीज ऑफ़ चैरिटी की स्थापना की थी।
1952-चंडीगढ़ पंजाब की राजधानी बना।
1959-सोवियत संघ के अंतरिक्ष यान लूनर-3 द्वारा चंद्रमा के छिपे हिस्से की तस्वीर ली गई।
1977-सोवियत संघ ने चौथे संविधान को अंगीकार किया।
1978-पूर्व उत्कृष्ट भारतीय क्रिकेटर ज़हीर ख़ान का जन्म।
1992-भारत में त्वरित कार्रवाई बल का गठन किया गया।
1997-भारत और रूस सुरक्षा सहयोग 2010 तक बढ़ाने के लिए सहमत।
2000-डब्ल्यूडब्ल्यूएफ-इंडिया ने पहला राजीव गांधी वन्यजीव संरक्षण पुरस्कार हासिल किया।
2001-आतंकवाद के ख़िलाफ़ अमेरिका का ऑपरेशन %एड्योरिंग फ़्रीडम% शुरू।

कार्रवाई पाकिस्तान ने सभी अवैध अप्रवासियों को देश छोड़ने की समय सीमा दी थी

पाकिस्तान ने अवैध अफगानियों को बेदखल करने की प्रक्रिया शुरू की

इस्लामाबाद, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान सरकार ने देश से अवैध अफगान नागरिकों को बाहर निकालने की प्रक्रिया शुरु कर दी है। पाकिस्तान ने हाल ही में एक घोषणा की थी, जिसे उसने लागू करना शुरु कर दिया है। पाकिस्तान ने सभी अवैध अप्रवासियों को देश छोड़ने या गिरफ्तारी और निर्वासन का सामना करने के लिए 1 नवंबर 223 तक की समय सीमा दी थी। पुलिस अधिकारियों ने विभिन्न अफगान शरणार्थी शिविरों और अफगान नागरिकों के रहने वाले अन्य क्षेत्रों पर छापेमारी शुरु कर दी है, और ऐसे सैकड़ों परिवारों को हिरासत में ले लिया है, जिनके पास पाकिस्तान में रहने की स्थिति साबित करने के लिए कोई कानूनी दस्तावेज नहीं था।

अधिकारियों ने इस्लामाबाद और अन्य प्रमुख शहरों में अस्थायी अफगान शरणार्थी शिविरों को हटाना भी शुरू कर दिया है। जिससे अफगानों के पास अपना सामान इकट्ठा करने और अफगानिस्तान में प्रवेश करने के लिए तोरखम सीमा की ओर जाने के लिए कोई अन्य विकल्प नहीं बचा है। कम से कम 20 परिवारों को लेकर कम से कम 16 ट्रक गुरुवार को तोरखम सीमा पर पहुंचे थे, जबकि लगभग 40 और परिवार शुक्रवार को वहां पहुंचे।

एक अधिकारी ने कहा, 'कानूनी आवश्यकताएं पूरी होने के बाद इन परिवारों को, जिनमें लगभग 1,000 लोग शामिल हैं, अफगानिस्तान में प्रवेश करने की अनुमति दी जाएगी।' अधिकारी ने कहा, 'ये निवासी इस्लामाबाद के मार्गल्ला टाउन के पास एक अफगान

शरणार्थी शिविर से हैं, जिसे संघीय सरकार के निर्देश पर राजधानी विकास प्राधिकरण (सीडीए) ने ध्वस्त कर दिया था।' अब तक, कम से कम 503 अफगान शरणार्थियों को जेल भेजा जा चुका है क्योंकि वे देश में अपनी पहचान की स्थिति के प्रमाण के रूप में कोई कानूनी दस्तावेज उपलब्ध कराने में विफल रहे। इस्लामाबाद में एक पुलिस अधिकारी ने कहा, 'विभिन्न अभियानों में कम से कम 1,126 लोगों की जांच की गई। उनमें से 623 लोगों को कानूनी पहचान दस्तावेज प्रस्तुत करने पर रिहा कर दिया गया। हालांकि, उनमें से 503 को आवश्यक दस्तावेज़ नहीं होने के कारण जेल भेज दिया गया।' गिरफ्तार किए गए 503 लोगों को विदेशी अधिनियम की धारा 14 के तहत विभिन्न अदालतों के सामने पेश किया गया। 31 अक्टूबर के बाद सभी अवैध निवासियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू होगी। अवैध अप्रवासियों के खिलाफ कार्रवाई करने का पाकिस्तान का बड़ा फैसला अफगान तालिबान शासन को रास नहीं आया है, जिसने इस फैसले को 'अस्वीकार्य' करार दिया है।

अफगान तालिबान के प्रवक्ता जबीउल्लाह मुजाहिद ने पाकिस्तान सरकार के व्यवहार पर सवाल उठाया और कम से कम 1.7 मिलियन अपंजीकृत अफगान प्रवासियों को अफगानिस्तान वापस भेजने की योजना पर गंभीर चिंता जताई।

दुनिया को जानें

खिवा के प्राचीन शहर का पुनर्जन्म

बीजिंग, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। 'मैं खिवा को देखने के लिए सोने का एक थैला दूंगा।' एक प्राचीन मध्य एशियाई कहावत हजारों साल पुराने शहर के अतीत के गौरव की कहानी बताती है। प्राचीन सिल्क रोड पर यह महत्वपूर्ण पोस्ट स्टेशन कभी एक ऐसा स्थान था, जहां व्यापारी इकट्ठा होते थे। यह पूर्व और पश्चिम के बीच सामान का आदान-प्रदान करने का एक समृद्ध व्यापारिक केंद्र है। वर्ष 2022 में, जब चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने तीसरी बार उज़्बेकिस्तान का दौरा किया, तो उन्होंने राष्ट्रपति मिर्जियोयेव को एक विशेष राष्ट्रीय उपहार भेंट किया ङ्क यानी प्राचीन शहर खिवा के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक अवशेषों का एक लघु मॉडल, जिसे चीन और उज़्बेकिस्तान द्वारा संयुक्त रूप से बहाल किया गया था। इस राष्ट्रीय उपहार के पीछे राष्ट्र प्रमुख की कूटनीति की कहानी है, जिसने चीन और उज़्बेकिस्तान के बीच सभ्यताओं के आदान-प्रदान को बढ़ावा दिया। खिवा प्राचीन शहर मध्य एशिया में चीन की पहली सांस्कृतिक विरासत संरक्षण परियोजना है। यह मध्य एशिया के ख्वारज़्म क्षेत्र में सबसे पूर्ण प्राचीन इमारत परिसर और पूर्वी और पश्चिमी सभ्यताओं के चौराहे की ऐतिहासिक छाप को संरक्षित करता है।

खेल जगत

शुभमन को बुखार,ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलना मुश्किल

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल बुखार से पीड़ित हैं, जिसके कारण उनका आठ अक्तूबर को चेन्नई में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मुकाबले में खेलना मुश्किल है। बुखार की वजह से शुभमन बुधवार और गुरूवार को अभ्यास के लिए नहीं आए थे। टीम प्रबंधन को उम्मीद शुभमन को फ्लू से अधिक कुछ ना हो। बीसीसीआई ने एक आधिकारिक बयान जारी करते हुए कहा, मेडिकल टीम उनकी कड़ी निगरानी और जांच कर रही है, हम उम्मीद करते हैं कि वह जल्दी ठीक हो जाएं। शुभमन 72 की औसत और 105 के स्ट्राइक रेट के साथ इस वर्ष एकदिवसीय मैचों में 1230 रन बनाकर सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। पिछले चार एकदिवसीय मुकाबले में उन्हें दो शतक और एक अर्धशतक बनाया है, जिसमें से दो ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ही आए हैं।

जापान को हरा कर भारत ने हॉकी में जीता सोना

■ सत्येन्द्र पाल सिंह

- 2024 के ओलंपिक के लिए किया क्वॉलिफाई किया
- भारत ने फाइनल में जापान को 5-1 से करारी शिकस्त दे श्रेष्ठता साबित की
- हरमनप्रीत बने अपनी कप्तानी में भारत एशियाई खेलों में स्वर्ण जिताने वाले चौथे कप्तान

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर (देशबन्धु)। कप्तान हरमनप्रीत सिंह के पेनल्टी कॉर्नर पर बेहतरीन ड्रैग फ्लिक पर दागे दो, ऑलराउंडर अमित रोहिदास के एक तथा सबसे अनुभवी आक्रामक सेंटर हाफ मनप्रीत सिंह और नौजवान स्ट्राइकर अभिषेक के एक -एक मैदानी गोल की बदौलत भारत की पुरुष हॉकी टीम ने पिछली विजेता जापान को हंगजू(चीन) में शुक्रवार को एशियाई खेलों के फाइनल मे 5-1 से हरा कर स्वर्ण पदक जीत लिया। भारत ने नौ बरस बार फिर एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने के साथ सीधे 2024 पेरिस में होने वाले ओलंपिक खेलों के क्वॉलिफाई कर लिया। भारत ने इस सुनहरी जीत के साथ जापान के खिलाफ अपनी श्रेष्ठता साबित की। भारत की इस सुनहरी जीत का कोई एक हीरो नहीं था बल्कि पूरी टीम हीरो साबित हुई। भारत के सर्वकालीन महानतम गोलरक्षक दादा शंकर लक्ष्मण (1966, बैंकॉक), धनराज पिल्लै (1998 बैंकॉक) और सरदार सिंह (2014 , इंचियोन) के बाद बतौर ड्रैग फ्लिकर अनुकरणीय खेल दिखाने वाले हरमनप्रीत सिंह अपनी कप्तानी में एशियाई खेलों में भारत को स्वर्ण पदक जिताने वाले चौथे कप्तान बन गए। जापान को भारत ने पूल ए मैच में भी 4-2 से हराया था। भारत ने पूल मैच में 4-0 की बढ़त लेने के बाद उसे बरकरार रखने की कोशिश में आखिरी तीन में दो गोल खाने की गलती से सबक लेकर आखिर तक आक्रामक खेल दिखाया। पराजित जापान के लिए एकमात्र गोल तीसरे और अंतिम पेनल्टी कॉर्नर पर सर्न तनाका ने अचूक ड्रैग फ्लिक से चौथे और आखिरी क्वॉर्टर के छठे मिनट में दागा। आक्रामक सेंटर हाफ मनप्रीत सिंह ने दूसरा क्वॉर्टर खत्म होने से पांच मिनट पहले डी के भीतर रिबाउंड पर गोल कर भारत का खाता खोला। भारत का दूसरे क्वॉर्टर में रणनीति बदल कर गेंद को धैर्य दिखा अपने कब्जे में रखना उसकी तुरुप चाल साबित हुआ। भारत की इस जीत में मध्यपंक्ति में सदाबहार हार्दिक सिंह, मनप्रीत सिंह, जर्मनप्रीत सिंह ,विवेक सागर प्रसाद की तारीफ करनी होगी कि बराबर आक्रामण और किले की चौकसी में टीम की मदद की। दक्षिण कोरिया के खिलाफ सेमीफाइनल में पैर में चोट के कारण भारत को फाइनल के लिए भरोसेमंद फुलबैक और ड्रैग फ्लिकर वरुण कुमार उपलब्ध नहीं थे लेकिन खासतौर पर बड़े जिगरे वाले सुमित ने अपने किले की चौकसी में कप्तान हरमनप्रीत और अमित रोहिदास के साथ दोनों गोलरक्षक पीआर श्रीजेश और कृष्ण पाठक की ही मौका ताड़ आगे बढ़ हमले बोलने में अपने साथी स्ट्राइकरों का पूरा साथ निभाया। भारत के सबसे अनुभवी मिडफील्डर को चीफ कोच क्रेग फुल्टन ने मैच की जरूरत के मुताबिक अग्रिम पंक्ति और मध्यपंक्ति की कड़ी के रूप में ठीक बीच में खिलाकर जापान के हमलों को नाकाम किया।

मनदीप सिंह, अभिषेक , ललित उपाध्याय, सुखजीत सिंह ने लिंकमैन शमशेर सिंह और मध्यपंक्ति में विवेक सागर प्रसाद द्वारा आगे बढ़ाई गेंद को संभाल आक्रामक अंदाज में आगाज किया। सुमित और मनप्रीत सिंह ने अपने किले की चौकसी के साथ मौका ताड़ कर आगे बढ़ कर जापान के गोल पर खुद हमले बोल दबाव बनाने की कोशिश की। भारत के स्ट्राइकर ललित , अभिषेक , गुरजंट और सुखजीत दूसरे क्वॉर्टर में बेहतर तालमेल खेले और दोनों छोर से हमले बोल कर जापान के गोल पर दबाव बनाया। सुखजीत और ललित उपाध्याय परस्पर गेंद को लेते डी में पहुंचे वहां ललित के तेज शॉट पर गेंद जापान के गोलरक्षक कातुमी किटागवा के पैड से लगकर बाहर आई लेकिन वहीं बाएं से तेजी से डी में मनप्रीत सिंह ने जोरदार रिवर्स हिट जमा गोल कर भारत को अंततः दूसरा क्वॉर्टर खत्म होने से पांच मिनट पहले गोल कर 1-0 से आगे कर दिया। कप्तान ड्रैग फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह ने अंततः मिले लगातार तीसरे और पांचवें पेनल्टी कॉर्नर पर तीसरे क्वॉर्टर के दूसरे मिनट में बेहतरीन ड्रैग फ्लिक से गोल कर भारत की बढ़त 2-0 कर दी। ड्रैग फ्लिकर अमित रोहिदास ने चार मिनट बाद मिले छठे पेनल्टी कॉर्नर पर तेज अचूक ड्रैग फ्लिक से गोल कर भारत की बढ़त 3-0 कर दी।भारत के हमलों के नाकाम करने के लिए पूरी जापान की रक्षापंक्ति अपने किले की चौकसी पर लगी दिखी। आक्रामक सेंटर हाफ हार्दिक के दाएं से बेहतरीन क्रास पर अभिषेक ने डी के भीतर संभाल कर मैच का सबसे बेहतरीन मैदानी गोल कर भारत को मैच के 49 वें मिनट में 4-0 से आगे कर उसकी जीत निश्चित कर दी थी। जापान को 51 वें मिनट में लगातार दो पेनल्टी कार्नर मिले मिले इस पर सर्न तनाका ने तिरछे तेज फ्लिक से गोल में डाल कर स्कोर 1-4 कर दिया। युमा नगाई ने दाएं से गेंद को लेकर डी में पहुंच दो बार तेज शॉट जमाए लेकिन इन्हें गोलरक्षक पीआर श्रीजेश ने पैड से रोका रक्षापंक्ति में हरमनप्रीत, अमित रोहिदास ने जरा चूके और इसी का लाभ उठाकर जापान ने लगातार दो पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए। भारत को इसी तरह की ढील का जापान के खिलाफ लीग में मैच 4-0 की बढ़त के बाद दो गोल खाने के रूप में कीमत चुकानी पड़ी थी। अंतिम पूर्व मिनट में फाइनल के आखिरी पेनल्टी कॉर्नर पर कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने अपना दूसरा गोल कर भारत की जीत और स्वर्ण पदक पक्का कर जापान के ताबूत में आखिरी कील ठोक दी।

हॉकी इंडिया ने एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली टीम के हर सदस्य को पांच-पाच लाख रुपये और सपोर्ट स्टाफ के हर सदस्य को ढाई -ढाई लाख रुपये बतौर इनाम देने की घोषणा की।

अफगानिस्तान पाकिस्तान को चार विकेट हराकर फाइनल में पहुंचा

हांगझोउ 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। एशियाई खेलों में पुरुष क्रिकेट दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में शुक्रवार को अफगानिस्तान ने पहले गेंद और फिर नूर अली के 33 गेंदों में 39 रन तथा कप्तान गुलबदीन नईब के नाबाद 26 रन की बदौलत बड़ा उलटफेर करते हुए पाकिस्तान को चार विकेट से हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। फाइनल में शनिवार को अफगानिस्तान और भारत के बीच भिडंत होगी।

अफगानिस्तान 116 रनों के लक्ष्य का पीछा करने मैदान में उतरी लेकिन उसकी शुरूआत अच्छी नहीं रही और उसने चार ओवर तीन गेंदों में अपने तीन विकेट 35 रन के स्कोर पर गंवा दिये। सलामी बल्लेबाज सेदिकुल्लाह अटल को पांच रन को कासिम ने पगबाधा आउट किया। मोहम्मद शहजाद को नौ रन पर अराफ़ात मिन्हास बोल्ड आउट कर पवेलियन का रास्ता दिखा दिया। चौथे ओवर की तीसरी गेंद पर शाहीदुल्लाह को बिना खाते खोले अराफात मिन्हास ने कासित के हाथों कैच आउट करा कर पवेलियन भेज दिया। नूर अली हालांकि 39 रन एक छोर पर डटे रहे। उन्हें हालांकि 12वें ओवर की पांचवी गेंद पर सुफियान मकीम ने हैदर के हाथ कैच आउट करा कर अफगानिस्तान टीम को तगड़ा झटका दिया। इसके बाद अफ़सर जजाई 13 रन को कादिर ने आसिफ के हाथों कैच आउट कराया। छठें विकेट के रूप में करीम जनत तीन रन कादिर की गेंद पर आसिफ को कैच थमा दिया। कप्तान गुलबदीन नईब के नाबाद 26 रन और शराफ़उद्दीन अशरफ छह रन पर नाबाद रहे। दोनों बल्लेबाजों ने 13 गेंदे शेष रहते 116 रन का लक्ष्य पूरा कर पाकिस्तान की फाइनल में पहुंचने की उम्मीदों पर पानी फेर दिया।

पाकिस्तान की ओर से अराफ़ात मिन्हास ने 11 रन देकर दो विकेट और उस्मान क़ादिर ने 20 रन देकर दो विकेट लिये, जबकि सुफियान मक़ीम और क़ासिम अकरम के खाते में एक-एक विकेट आया।

इससे पहले अफगानिस्तान ने टॉस जीतकर पाकिस्तान को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया। पाकिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही और देखते ही देखते विकेटों के पतझड़ के बीच पूरी टीम 18 ओवर में 115 रन बनाकर पवेलियन लौट गयी। पारी के तीसरे ओवर की चौथी गेंद पर शराफउद्दीन ने मिर्ज़ा बेग (4) को रन आउट कर पाकिस्तान को पहला झटका दिया। रोहेल नज़ीर (10) के रूप में पाकिस्तान का दूसरा विकेट गिरा। उन्हें फरीद की गेंद पर शहजाद ने विकेट के पीछे लपका। आठवें ओवर की चौथी गेंद पर ओपनर ओमैर यूसुफ़ 24 रन बनाकर चलते बने। उन्हे अहमद ने सेदिकुल्लाह अटल के हाथों कैच आउट करा दिया। इसके बाद हैदर अली (02) को अहमद ने बोल्ड कर दिया।

कप्तान क़ासिम अकरम नौ रन को जहीर ने अहमद के हाथों कैच आउट कराया। छठें विकेट के रूप में खुशदिल शाह आठ को जनत ने बोल्ड किया। आसिफ़ अली आठ रन का कैच अहमद ने जहीर की गेंद पर पकड़ा। एक समय पाकिस्तान ने 13.2 ओवर में 109 रन पर आठ विकेट गंवा दिये थे। अराफ़ात मिन्हास 13 रन पर आउट हुए उन्हें फरीद की गेंद पर शहजाद लपका। आमेर जमाल 14 रन को नईब ने बोल्ड किया। सुफियान मक़ीम एक रन को फरीद की गेंद पर नईब ने कैच पकड़ा। उस्मान क़ादिर पांच रन बनाकर नाबाद रहे।

अभियान का समापन जापान को हरा कांसा जीत कर करना चाहते हैं : सविता

- चीन की महिला हॉकी टीम ने भारत को सेमीफाइनल में दी 4-0 से शिकस्त
- चीन से हारने के बाद गोल्ड की उम्मीद टूटी

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर (देशबन्धु)। पिछली उपविजेता भारत और पिछली चैंपियन जापान की महिला हॉकी टीमें अजेय रहकर अपने अपने पूल में शीर्ष पर रहने के बाद हंगजू(चीन) में 19 वें एशियाई खेलों में अपने अपने सेमीफाइनल हारने के साथ सीधे 2024 के पेरिस ओलंपिक के लिए क्वॉलिफाई करने का सपना टूटने के बाद अब शनिवार को कांसा जीतने कर सम्मान बचाने के मकसद से उतरेंगी। बृहस्पवितार को सेमीफाइनल में भारतीय टीम मेजबान चीन से 0-4 से जबकि जापान की टीम दक्षिण कोरिया से निर्धारित समय में दो-दो की बराबरी के बाद शूटआउट में 3-4 से हार कर स्वर्ण की होड़ से बाहर हो गई थी। तीन बार चैंपियन रही चीन और पांच बार चैंपियन रही दक्षिण कोरिया की टीमें फाइनल में शनिवार को स्वर्ण जीत सीधे पेरिस ओलंपिक के लिए क्वॉलिफाई करने के मकसद से आमने सामने होंगी।

जापानी महिला हॉकी ने भारत से अब तक 28 में से 15 मैच जीते है। वहीं भारत की टीम जापान से दस मैच ही जीत पाई और तीन मैच ड्रॉ रहे। भारत 2018 के जकार्ता एशियाई खेलों के फाइनल में जापान की महिला हॉकी टीम ने भारत को 2-1 से हरा स्वर्ण पदक जीता था। भारत की कप्तान सविता ने जापान के खिलाफ कांस्य पदक के लिए खेले जाने वाले मैच की बाबत कहा, %हमने हंगजू एशियाई खेलों में अपना अभियान स्वर्ण पदक जीतने के लक्ष्य को जेहन में शुरू किया और पूल चरण में बढिया हॉकी खेली पर बदकिस्मती से हम सेमीफाइनल में हार गए। हम अब अपने अभियान का समापन जापान को हरा कांसा जीतकर सकारात्मक अंदाज में करना चाहते हैं और इसके लिए हम जापान के खिलाफ अपनी पूरी ताकत झोंक देंगे।

भारत की उपकप्तान दीप ग्रेस एक्का ने कहा, हंगजू एशियाई खेलों में बेशक हमारा अभियान खासा उतार-चढ़ाव वाला रहा लेकिन हमारा हौसला अभी भी कायम है। अब हमारा लक्ष्य अब पदक जीत कर स्वदेश वापस लौटना है।

लक्ष्य से पीछे रहना पड़ा महंगा : बटलर

अहमदाबाद, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। एक दिवसीय क्रिकेट वर्ल्ड कप में न्यूजीलैंड से मिली हार पर इंग्लिश कप्तान जोस बटलर ने कहा कि यह कहना गलत होगा कि बेन स्टोक्स की कमी टीम को अखरी बल्कि सच्चाई तो यह है कि प्रतिभावान बल्लेबाजों से लबरेज उनकी टीम को लक्ष्य से कम रन बनाने का खामियाजा हार के तौर पर भुगतना पड़ा।

यह पूछे जाने पर कि क्या विश्व कप के पहले मैच में न्यूजीलैंड के हाथों हार बेन स्टोक्स की गैरमौजूदगी के कारण मिली, बटलर ने गुरुवार रात कहा, नहीं, बिल्कुल नहीं। मुझे लगता है कि बेन एक शीर्ष खिलाड़ी है लेकिन हमारे पास कई शीर्ष खिलाड़ी हैं। ऐसा नहीं है हमारी टीम में केवल बेन ही रन बनाने में सक्षम है। हमारी पूरी टीम में शानदार खिलाड़ी है मगर शायद आज हमारी बल्लेबाजी स्तरीय नहीं रही।

उन्होने कहा, टीम इसलिए हारी क्योंकि खिलाड़ी अपने प्रदर्शन में थोड़े चूक गए और शॉट लगाने में अच्छे नहीं थे और न्यूजीलैंड को कुछ विकेट दे दिए। हम अपने लक्ष्य से काफी पीछे थे, फिर भी 280 रन बनाए, जो दर्शाता है कि हम किस स्तर पर खेल सकते हैं। यह पूछे जाने पर कि उनकी टीम के लिए क्या गलत हुआ, बटलर ने कहा कि वे शायद 330 का स्कोर देख रहे थे जिससे उन्हें दबाव बनाने की अनुमति मिल जाती।

कप्तान ने कहा मुझे लगता है कि बल्ले से हमारे पास रन कम थे। मुझे लगता है कि रोशनी के नीचे विकेट शायद बेहतर हो गया था, लेकिन मुझे लगता है कि हम बल्ले से अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से काफी पीछे रह गए और फिर भी 280 रन बनाए। हम शायद 320, 330 के स्कोर पर विचार कर रहे हैं जिससे हमें कुछ प्रकार का दबाव बनाने की अनुमति मिल जाती। लेकिन मुझे लगा कि उस विकेट पर गलती की गुंजाइश बहुत कम थी और दो बल्लेबाजों ने असाधारण पारियां खेलीं।

मेडल से चूके बजरंग, किरण और अमन ने जीता कांस्य

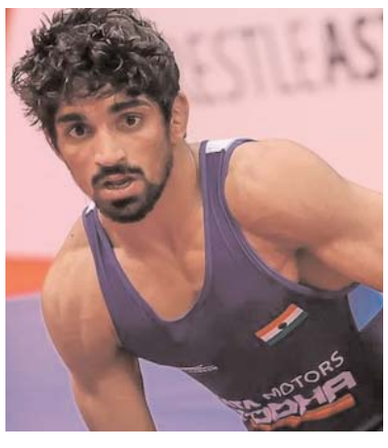

हांगझोऊ, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। किरण बिश्नोई ने शुक्रवार को 19वें एशियाई खेलों में मंगोलिया की अरियुंजरगल गनबट पर 6-3 से जीत के साथ महिलाओं की फ्रीस्टाइल 76 किग्रा में कांस्य पदक जीता।

इससे पहले, किरण ने सेमीफाइनल में झामिला बाकबर्गेनोवा से हारने से पहले जापान की नोडोका यामामोटो को हराया था। बाद में, एशियाई चैंपियनशिप के स्वर्ण पदक विजेता अमन सेहरावत ने पुरुषों की फ्रीस्टाइल 57 किग्रा कांस्य पदक मैच में तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर चीन के लियू मिंगु को 11-0 से हराया।

टोक्यो 2020 के कांस्य पदक विजेता बजरंग पुनिया को यहां भी खाली हाथ रहना पड़ा, क्योंकि वो तकनीकी श्रेष्ठता के कारण पुरुषों की फ्रीस्टाइल 65 किग्रा में जापान के कैकी यामागुची से कांस्य पदक हार गए।

सोनम मलिक ने महिलाओं की फ्रीस्टाइल 62 किग्रा में चीनी प्रतिद्वंद्वी और मौजूदा एशियाई चैंपियन लॉन्ग जिया को 7-5 से हराकर कांस्य पदक जीता।

पाकिस्तान ने नीदरलैंड को दिया 287 रन का लक्ष्य

हैदराबाद 6 अक्टूबर (वार्ता) शुरुआती झटकों के बाद मोहम्मद रिजवान (68) और सऊद शकील (68) के बीच 120 रन की शतकीय साझीदारी की बदौलत ने पाकिस्तान ने शुक्रवार को विश्व कप के अपने पहले मुकाबले में नीदरलैंड के खिलाफ 286 रन बनाये। राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम पर पाकिस्तान एक समय मात्र 38 रन पर फखर जमान (12),इमाम उल हक (15) और बाबर आजम (5) का विकेट गंवा कर मुश्किलों में फंस गया था मगर रिजवान और सऊद ने नीदरलैंड के गेंदबाजों का संयम से सामना करते हुये टीम के स्कोर को 158 रन पर पहुंचाया जबकि बाद में मोहम्मद नवाज (39) और शादाब खान (32) ने स्कोर को चुनौतीपूर्ण बनाने में महती भूमिका निभायी। पुछल्ले शाहीन शाह अफरीदी (13 नाबाद) और हारिस रउफ (16) ने आखिरी ओवरों में तेज रफ्तार से रन बनाने की कोशिश की मगर पूरी टीम 49 ओवर में 286 रन बना कर पवेलियन लौट गयी। रिजवान एक बार फिर पाकिस्तान के लिये संकट मोचक की भूमिका में नजर आये। मुश्किलों के भंवर में फंसी टीम की किश्ती को उन्होने सऊद की मदद से बाहर निकालने में सूझबूझ का परिचय दिया। उन्होने नीदरलैंड की कम अनुभवी गेदबाजी आक्रमण का भरपूर फायदा उठाया और ढीली गेंदों पर बाउंड्री कमायी जबकि विकेट टू विकेट अच्छी गेंदो का सम्मान भी दिया। रिजवान 101 मिनट क्रीज पर टिके रहे और अपनी अर्धशतकीय पारी के दौरान आठ बार गेंद को सीमा रेखा के पार पहुंचाया। सऊद ने उनका भरपूर साथ दिया हालांकि उन्होने क्रीज पर जमने के बाद रिजवान की अपेक्षा तेज गति से रन बटोरे। नीदरलैंड के बास डलीडे (62 रन पर चार विकेट) सर्वाधिक असरदार गेंदबाज बन कर उभरे। उन्होने न सिर्फ रिजवान का कीमती विकेट झटका बल्कि इफ्तिखार अहमद,शादाब खान और हसन अली के विकेट उखाड कर पाकिस्तान को बडे स्कोर की ओर जाने से रोका। कालिन एकरमैन ने बाबर आजम और हासिद रउफ के विकेट झटके।

भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम अब स्वर्ण पदक से एक कदम दूर

■ सत्येन्द्र पाल सिंह

- भारत ने एकतरफा सेमीफाइनल में बांग्लादेश को दी नौ विकेट से शिकस्त
- भारत की जीत में तिलक का तूफानी अर्द्धशतक, सई ने चटकाए तीन विकेट

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर (देशबन्धु)। भारत ने बाएं हाथ के बल्लेबाज तिलक वर्मा के तूफानी अविजित अर्द्धशतक तथा कामचलाउ बाएं हाथ स्पिनर सई किशोर (3/12) की अगुआई में अपने स्पिनरों द्वारा बुने स्पिन के जाल की बदौलत भारत की पुरुष क्रिकेट टीम ने बांग्लादेश को शुक्रवार को हंगजू(चीन) में एशियाई खेलों के बेहद एकतरफा सेमीफाइनल में नौ विकेट से करारी शिकस्त दी। भारत की पुरुष क्रिकेट टीम अब स्वर्ण पदक से बस एक कदम दूर है। भारत की महिला क्रिकेट टीम पहले ही स्वर्ण पदक जीत चुकी है।

स्पिन की मददगार पिच पर बाएं हाथ के स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर सई किशोर (3/12), वाशिंगटन सुंदर(2/15), तिलक वर्मा(1/5), शाहबाज अहमद (1/13) और लेग स्पिनर रवि बिश्नोई (1/26) ने स्पिन का जाल बुनते हुए बांग्लादेश को पहले बल्लेबाजी की दावत देकर निर्धारित 20 ओवर में नौ विकेट पर 96 रन पर रोक दिया। विकेट बल्लेबाज जाकिर अली 29 गेंद खेल एक छक्के की मदद से सबसे ज्यादा अविजित 24 रन बनाए।

जवाब में कप्तान सलामी बल्लेबाज ऋतुराज गायकवाड़ और तिलक वर्मा की दूसरे विकेट की 8.4 ओवर की 97 रन की असमाप्त भागीदारी की बदौलत भारत ने मात्र 9.2 ओवर में एक विकेट खोकर मैच जीत लिया। कप्तान ऋतुराज 26 गेंद खेल कर , तीन छक्कों और चार चौकों की मदद से 40 तथा तिलक वर्मा की 26 गेंदों पर छह छक्कों और दो चौकों की मदद 55 रन बनाकर अविजित रहे। भारत ने नेपाल के खिलाफ क्वॉर्टर फाइनल में शतक जडने वाले सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल (0) का विकेट पारी की चौथी गेंद पर ही खो दिया। जायसवाल ने बांग्लादेश के तेज गेदबाज रिपन मंडल की गेंद को लेग साइड पर फ्लिक करने की कोशिश में पर शॉर्ट फाइन लेग पर मृत्युजंय चौधरी को कैच थमा दिया। जायसवाल के आउट होने के बाद भारत के कप्तान ऋतुराज और तिलक वर्मा ने बांग्लादेश के गेंदबाजों के खिलाफ छक्कों की बारिश कर दी। भारत के इरन दोनों बल्लेबाजों ने कुल नौ छक्के और छह चौके जड़े। इससे पहले बांग्लादेश के सलामी बल्लेबाज परवेज हुसैन एमन (23 रन,32 गेंद, दो छक्के) और रकीबुल हुसैन(14 रन, 6 गेंद, एक छक्का, दो चौके) ही दहाई के अंक में पहुंच पाए। भारत के बाएं हाथ के स्पिनर तिलक वर्मा ने बांग्लादेश के सलामी बल्लेबाज परवेज हुसैन को अपने कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ के हाथों लपकवाया। भारत के सबसे कामयाब ऑफ स्पिनर सई किशोर ने बांग्लादेश के सलामी बल्लेबाज महमदुल हसन जॉय(5) को मिड ऑन पर जायसवाल के हाथों, अफीफ हुसैन(7) को थर्डमैन पर शिवम दुबे के हाथों तथा शाहदत हुसैन(5) को तिलक वर्मा के हाथों कैच करा तथा सुंदर ने कप्तान सैफ हसन(1) और जाकिर हसन(0) को अपने पहले ही ओवर में आखिरी की तीन गेंदों में आउट कर बांग्लादेश के शीर्ष और मध्यक्रम को ऐसा बिरा कि वह संभल ही नहीं पाई।

सार संक्षेप

विश्वकप जीतना है बांग्लादेश का लक्ष्य : चंडिका

धर्मशाला। आईसीसी पुरुष विश्व कप ट्रॉफी के दावेदार पर लगाये जा रहे पूर्वानुमानो के बीच बांग्लादेश के कोच चंडिका हाथरुसिंघे ने शुक्रवार को दावा किया कि उनकी टीम यहां विश्वकप ट्राफी पर कब्जा करने के लिये आयी है। शनिवार को बांग्लादेश यहां के खूबसूरत मैदान पर अफगानिस्तान को टक्कर देगी। यह मैच कल सुबह ।.3 बजे हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में होगा। बांग्लादेश टीम के कोच चंडिका हाथरुसिंघे ने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि धर्मशाला में बांग्लादेश टीम का मैच रोमांच से भरपूर होगा। टीम के कुछ खिलाड़ी धर्मशाला में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने धर्मशाला की पिच को बैटिंग पिच बताया और कहा कि यहां आईपीएल में भी अच्छे स्कोर देखने को मिले थे उन्होंने भविष्यवाणी की कि वनडे वर्ल्ड कप में भी स्कोर अच्छा रह सकता है। उन्होंने कहा कि इस बार बांग्लादेश की टीम न सिर्फ मैच जीतेगी बल्कि फाइनल में पहुंचने की भी कोशिश करेगी। बांग्लादेश टीम में पुराने और अनुभवी खिलाड़ी हैं जिनको नये खिलाड़ियों के अनुभव का साथ मिलेगा।

गोपीचंद ने कांस्य विजेता प्रणय के प्रदर्शन को सराहा

हांगझोउ। यह एक कांस्य पदक है जो अपने वजन के बराबर है, यह सोने जितना अच्छा है। भारत के राष्ट्रीय बैडमिंटन कोच पुलेला गोपीचंद का यह आकलन था कि जिस तरह से एचएस प्रणय ने 41 साल के अंतराल के बाद भारत के लिए कांस्य पदक जीतने के लिए गंभीर पीठ दर्द के बावजूद पिछले दो सप्ताह से संघर्ष किया, वह सराहनीय है। इवेंट से कुछ दिन पहले ट्रेनिंग के दौरान प्रणय को चोट लग गई थी और वह ।े दिनों तक ट्रेनिंग नहीं कर पाए थे। वह हांगझोउ आए और टीम प्रतियोगिता में मजबूत दक्षिण कोरिया पर सेमीफाइनल की जीत में भारत के लिए एक महत्वपूर्ण एकल जीत हासिल की। गुरुवार को उन्होंने पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में मलेशिया के लियो ज़ी जिया पर तीन गेम की कठिन जीत दर्ज की। शुक्रवार को प्रणय सेमीफाइनल में चीन के ली शिफेंग से हार गए, जिससे उनका अभियान कांस्य पदक के साथ समाप्त हुआ। गोपीचंद ने चोट के बावजूद देश के लिए खेलने में लचीलेपन और समर्पण के लिए शीर्ष एकल खिलाड़ी प्रणय की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, हमें यह निर्णय लेना पड़ा और उसे मैच के लिए उतारना पड़ा क्योंकि कोरिया के खिलाफ, में एकल में जीत की उम्मीद कर रहा था। उन्होंने कहा कि गुरुवार को तीन गेम की जीत ने भी प्रणय की ऊर्जा खत्म कर दी और सहयोगी स्टाफ को शुक्रवार के मैच के लिए तैयार होने के लिए वास्तव में उन पर काम करना पड़ा। कोरिया के खिलाफ उस मैच ने शायद उनकी चोट को और खराब कर दिया था। यह अच्छा था कि हमारे पास एक अतिरिक्त दिन था (प्रणय को पहले दौर में बाई मिली थी) जिससे सहयोगी स्टाफ को प्रणय को मैचों के लिए तैयार करने में मदद मिली।

[अर्थ जगत]

पेट्रोल और डीजल की कीमतें यथावत

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में लगातार गिरावट जारी रहने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम शुक्रवार को भी स्थिर रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर पर रहा।

सर्वाधिक बढ़ने वाले शेयर

बजाज फाइनेंस	2.04 प्रतिशत
एलटी	1.68 प्रतिशत
टाइटन	1.50 प्रतिशत
बजाज फिनसर्व	1.30 प्रतिशत
एसबीआई	0.71 प्रतिशत

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

मारुति	2.46 प्रतिशत
एनटीपीसी	1.83 प्रतिशत
टाटा मोटर्स	1.59 प्रतिशत
सन फार्मा	1.48 प्रतिशत
आईसीआईसीआई बैंक	1.23 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	59900
बिदुर	59275
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	30,345
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	74,700
वायदा	72,285
चांदी सिक्का लिवाली	825
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	83.143	83.775
पौंड स्टर्लिंग	103.09	105.45
यूरो	88.51	88.80
चीन युआन	08.24	13.38

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2400-3000
गेहूं दडा	2500-2600
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

चावल

चीनी एस	3640-3740
चीनी एम	3800-3900
मिल डिलीवरी	3520-3620
गुड़	4300-4400

दाल-दलहन

चना	6450-6550
दाल चना	7450-7550
मसूर काली	7800-7900
उड़द दाल	10600-10700
मूंग दाल	9900-10000
अरहर दाल	10400-10500

नीतिगत दरें यथावत, किस्तों में नहीं होगी वृद्धि

मुंबई 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। महंगाई को लक्षित दायर में रखने के लक्ष्य पर नजर टिकाये रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति ने आज विकास अनुमान को यथावत बनाये रखते हुये नीतिगत दरों में लगातार चौथी बार कोई बदलाव नहीं करने का निर्णय लिया, जिससे आम लोगों के घर, कार और अन्य प्रकार के ऋणों की किस्तों में बढोतरी नहीं होगी।

समिति ने रेपो दर को 6.5 प्रतिशत पर यथावत रखने का निर्णय लिया है। चालू वित्त वर्ष में चौथी द्विमासिक तीन दिवसीय बैठक के बाद आज जारी बयान में यह घोषणा की गयी है। रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने यह घोषणा करते हुये कहा कि फिलहाल नीतिगत दरों में कोई बदलाव नहीं की जा रही है लेकिन नीतिगत दरों को यथावत बनाये रखने के बीच समिति ने समयोजन वाले रूख से पीछे हटने का निर्णय लिया है।

समिति के इस निर्णय के बाद फिलहाल नीतिगत दरों में बढोतरी नहीं होगी। रेपो दर 6.5 प्रतिशत, स्टैंडर्ड जमा सुविधा दर (एसडीएफआर) 6.25 प्रतिशत, मार्जिनल स्टैंडिंग सुविधा दर (एमएसएफआर) 6.75 प्रतिशत, बैंक दर 6.75 प्रतिशत, फिक्स्ड रिजर्व रेपो दर 3.35 प्रतिशत, नकद आरक्षित अनुपात 4.50 प्रतिशत, वैधानिक तरलता अनुपात 18 प्रतिशत पर यथावत है।

श्री दास ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था और वित्तीय क्षेत्र वैश्विक आर्थिक गतिविधियों में आयी सुस्ती के बीच सशक्त और मजबूत बना हुआ और यह महंगाई को काबू में करने में सक्षम है। उन्होंने कहा कि चालू वित्त वर्ष में विकास अनुमान को 6.5 प्रतिशत पर यथावत रखा गया है। इसके आधार पर चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में 6.5 प्रतिशत, तीसरी तिमाही में छह प्रतिशत और चौथी तिमाही में यह 5.7 प्रतिशत रह सकती है। अगले वित्त वर्ष की पहली तिमाही में यह 6.6 प्रतिशत रह सकती है।

भारतीय अर्थव्यवस्था और वित्तीय क्षेत्र वैश्विक आर्थिक गतिविधियों में आयी सुस्ती के बीच सशक्त और मजबूत बना हुआ और यह महंगाई को काबू में करने में सक्षम है। चालू वित्त वर्ष में विकास अनुमान को 6.5 प्रतिशत पर यथावत रखा गया है :- शक्तिकांत दास

उन्होंने कहा कि रिजर्व बैंक पूरा ध्यान महंगाई को चार प्रतिशत के लक्षित दायरे में लाने का है। सितंबर में सब्जियों और खाद्य पदार्थ की कीमतों के कारण महंगाई में तेजी आयी थी लेकिन अब उसमें नरमी आने की उम्मीद है। सब्जियों की कीमतों में नरमी के साथ ही रसोई गैस सिलेंडर की कीमतों में की गयी कटौती से भी महंगाई में नरमी आने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि चालू वित्त वर्ष में खुदरा महंगाई के अनुमान को 5.4 प्रतिशत पर यथावत रखा गया है। दूसरी तिमाही में यह 6.4 प्रतिशत, तीसरी तिमाही में 5.6 प्रतिशत और चौथी तिमाही में 5.2 प्रतिशत रहने का अनुमान है। अगले वित्त वर्ष की पहली तिमाही में यह 5.2 प्रतिशत रह सकती है।

श्री दास ने कहा कि समिति ने आम सहमति से रेपो दर को 6.5 प्रतिशत पर रखने का निर्णय लिया है। श्री दास ने कहा कि यह निर्णय खुदरा महंगाई को रिजर्व बैंक के चार प्रतिशत के दायरे में रखने के लक्ष्य के अनुरूप लिया गया है। यह निर्णय विकास को गति देने का काम करेगा। उन्होंने कहा कि रिजर्व बैंक महंगाई और विकास पर करीबी नजर रखे हुये है।

उन्होंने कहा कि पिछले वित्त वर्ष में नीतिगत दरों में की गयी 2.50 प्रतिशत की कटौती का लाभ अब तक पूरा मिला नहीं है। उन्होंने कहा कि समयोजन के रूख को वापस लेने का निर्णय लिया गया है। इसके पक्ष में पांच सदस्यों ने मतदान किया।

उन्होंने कहा कि खरीफ की बुआई में तेजी आयी है। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में खाद्य पदार्थों और ईंधन की कीमतों का महंगाई पर असर दिख सकता है।

उन्होंने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था अभी वैश्विक उठापटक को झेलने में सक्षम है। वित्तीय तंत्र मजबूत बना हुआ है। घरेलू मांग के बल पर अर्थव्यवस्था को गति मिल रही है।

उत्तर प्रदेश सरकार 5.82 लाख मीट्रिक टन श्रीअन्न की खरीद करेगी

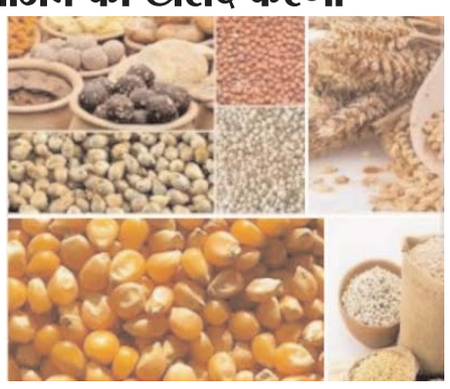

लखनऊ, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में लोगों की सेहत को ध्यान में रखते हुए सरकार मोटे अनाज (श्री अन्न) पर विशेष जोर दे रही है। इस क्रम में योगी सरकार ने नवंबर से दिसंबर 2023 के बीच 3 माह में मोटे अनाज की खरीद का लक्ष्य बढ़ाकर 5.82 लाख मीट्रिक टन कर दिया है।

इसमें सर्वाधिक 5 लाख मीट्रिक टन बाजरा की खरीद की जाएगी, जबकि 30 हजार टन ज्वार (हाइब्रिड), 50 हजार टन मक्का और 2 हजार टन कोदो की खरीद की जाएगी। श्रीअन्न के विक्रय के लिए कृषकों का पंजीकरण विभाग की वेबसाइट पर आरम्भ हो चुका है तथा अब तक 929 कृषकों द्वारा पंजीकरण कराया गया है।

पिछले वर्ष प्रदेश में 8532 किसानों से कुल मिलाकर 0.44 लाख मीट्रिक टन बाजरा की खरीद हुई थी। सरकार के एक प्रवक्ता ने बताया कि प्रदेश में मोटे अनाजों की खरीद प्रक्रिया को अंजाम दिया जा रहा है। इस क्रम में मुख्य रूप से मक्का उत्पादक 29 जनपदों से मक्का क्रय किया जाना प्रस्तावित है।

बाजरा खरीद के लिए प्रदेश के मुख्य बाजरा उत्पादक 40 जिलों से खरीद की जाएगी। प्रदेश में पहली बार मुख्य ज्वार उत्पादक 22 जिलों में ज्वार क्रय किया जाना प्रस्तावित है। इसके अतिरिक्त, माईनर मिलेट्स (कोदो) की खरीद प्रक्रिया को अंजाम देने के लिए जिला सोनभद्र को निर्धारित किया गया है।

विदेशी मुद्रा भंडार 3.8 अरब डॉलर घटकर 586.9 अरब डॉलर पर

मुंबई 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति, स्वर्ण, विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास आरक्षित निधि में कमी आने से 29 सितंबर को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार लगातार चौथे सप्ताह 3.8 अरब कम होकर 586.9 अरब डॉलर रह गया वहीं इसके पिछले सप्ताह यह 2.34 डॉलर घटकर 590.7 अरब डॉलर रहा था।

रिजर्व बैंक की ओर से शुक्रवार को जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, 29 सितंबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 3.13 अरब डॉलर की गिरावट लेकर 520.24 अरब डॉलर रह गयी। इसी तरह इस अवधि में स्वर्ण भंडार 57.6 करोड़ डॉलर की कमी के साथ 43.7 अरब डॉलर पर आ गया।

आलोच्य सप्ताह विशेष आहरण अधिकार में 7.4 करोड़ डॉलर की गिरावट आई और यह घटकर 17.94 अरब डॉलर रह गया। इस अवधि में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास आरक्षित निधि 1.8 करोड़ डॉलर की गिरावट के साथ पांच अरब डॉलर रह गई।

एअर इंडिया ने दिल्ली हवाई अड्डे पर स्पेयर पार्ट्स के लिए भंडारण सुविधा की स्थापित

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। उड़ान संचालन के दौरान कई तकनीकी समस्याओं का सामना करने के बाद, एयर इंडिया ने 1,000,000 से अधिक इंजीनियरिंग स्पेयर के भंडारण की सुविधा के लिए दिल्ली में एक गोदाम सुविधा शुरू की है।

एयरलाइन अधिकारियों के अनुसार, दिल्ली हवाई अड्डे के एयर कार्गो लॉजिस्टिक्स डिवीजन के कार्गो कॉम्प्लेक्स में टर्मिनल 3 के नजदीक स्थित, 54,000 वर्ग फुट (लगभग) में फैला केंद्रीकृत गोदाम, दिल्ली से संचालित होने वाली एयरलाइन की उड़ानों के त्वरित बदलाव में सुधार करेगा।.

कैंपबेल विल्सन, सीईओ और एमडी, एयर इंडिया ने कहा, वेयरहाउस एयर इंडिया के लिए एक प्रमुख मील

का पत्थर है और गुणवत्ता, व्यावसायिकता और निवेश को सुदृढ़ करता है, जिसे बनाने के लिए हम अब प्रतिबद्ध हैं। यह विश्व स्तरीय सुविधा न केवल एयर इंडिया के बेड़े और परिचालन दक्षता को बढ़ावा देगी, बल्कि भारत के विमानन पारिस्थितिकी तंत्र को भी मजबूत करेगी।

विल्सन ने कहा, गोदाम हमें अपने विमान के पुर्जों तक अधिक निकटता से पहुंच प्रदान करेगा और उन पर बेहतर नियंत्रण प्रदान करेगा, जिससे हम किसी भी इंजीनियरिंग आवश्यकता को तुरंत पूरा कर सकेंगे - जिससे उड़ानों की समयपालन में सुधार होगा।

अधिकारी ने कहा, यह गोदाम दिल्ली और मुंबई में फैले 16 सबस्केल और बिखरे हुए स्थानों को एक समेकित अत्याधुनिक में एकीकृत करके एक केंद्रीकृत स्थान से एयर इंडिया, एयर इंडिया एक्सप्रेस और एआईएक्स कनेक्ट बेड़े के रखरखाव और सेवा के लिए इंजीनियरिंग संसाधन आवश्यकताओं को पूरा करेगा। यह सुविधा पूरे भारत में परिचालन के लिए एक हब और फीडर नेटवर्क के रूप में कार्य करेगी।

सार संक्षेप

बिसलरी ने लॉन्च किया 'वेदिका हिमालयन स्पार्कलिंग वाटर'

मुंबई। बिसलरी इंटरनेशनल की प्रीमियम बेवरेज कैटेगरी 'वेदिका हिमालयन स्प्रिंग वाटर' ने 'वेदिका हिमालयन स्पार्कलिंग वाटर' को लॉन्च कर अपनी प्रीमियम कैटेगरी का विस्तार किया है। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि यह खनिजों के संतुलित कंपोजिशन का व्यवस्थित मिश्रण है। यह मिश्रण ताजगी देगा। यह प्रीमियम लक्जरी पेशकश एक ज्यादा स्वस्थ विकल्प की चाहत रखने वाले उपभोक्ताओं के लिये खासतौर से तैयार की गई है। उ एमएल की कांच की बोतलों में पैक वेदिका हिमालयन स्पार्कलिंग वाटर गुणवत्ता की गारंटी देता है। यह स्पार्कलिंग वाटर वितरण के चैनलों की एक व्यापक श्रृंखला में उपलब्ध होगा, जिसमें होरेका, आधुनिक एवं सामान्य ट्रेड, क्यू-कॉमर्स आदि पर उपलब्ध है। बिसलरी इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड की उपाध्यक्ष जयंती खान चौहान ने कहा, वेदिका हिमालयन स्पार्कलिंग वॉटर के साथ, हम पेय पदार्थों की दुनिया में नवीनता और परिष्कार का संगम ला रहे हैं। हमारा लक्ष्य उपभोक्ताओं को हमारे स्रोत, वेदिका स्प्रिंग में निहित शुद्धता का सहज संगम प्रस्तुत करना है। इस प्रकार उत्तम इफ़रवेसेन्स एक स्फूर्तिदायक विकल्प प्रदान करता है जो आधुनिक जीवन शैली के साथ सहजता से मेल खाता है। इसके अलावा, त्यौहारों का मौसम आने के साथ स्पार्कलिंग वाटर को लॉन्च करना आदर्श है, क्योंकि एक पेय जो अक्सर उत्सवों और विशेष अवसरों से जुड़ा होता है, इस प्रकार उपभोक्ताओं के लिए एक रोमांचक विकल्प प्रदान करता है।

त्योहारी सीजन के लिए एक लाख से अधिक नौकरियां पैदा करेगा अमेज़न इंडिया

नई दिल्ली। अमेज़न इंडिया त्योहारी सीजन को देखते हुए अपने परिचालन नेटवर्क में १,, से अधिक नौकरी के अवसर पैदा करने जा रहा है। अमेज़न इंडिया जिन शहरों में यह अवसर पैदा करने जा रहा है उनमें मुंबई, दिल्ली, पुणे, बेंगलुरु, हैदराबाद, कोलकाता, लखनऊ और चेन्नई जैसे शहरों में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष नौकरियां शामिल हैं। अमेज़न के परिचालन, एपीएसी, मीना लाटम और डब्ल्यूडब्ल्यू ग्राहक सेवा प्रमुख अखिल सक्सेना ने कहा, हम अपनी पूर्ति, वितरण और ग्राहक सेवा क्षमताओं को मजबूत करने और हमारे साथ खरीदारी करने के इच्छुक लाखों ग्राहकों के लिए एक शानदार खरीदारी अनुभव सुनिश्चित करने के लिए एक लाख से अधिक के कार्यबल का स्वागत कर रहे हैं। 8 अक्टूबर से शुरू होने वाले अमेज़न ग्रेट इंडियन फेस्टिवल से पहले 7 अक्टूबर से प्राइम ग्राहकों तक जल्दी पहुंच के साथ अमेज़न इंडिया ने पहले से ही इन नए कर्मचारियों में से अधिकांश को अपने मौजूदा नेटवर्क में शामिल कर लिया है, जहां वे पैक शिप लेंगे और ग्राहकों के ऑर्डर वितरित करेंगे। कंपनी ने कहा कि नई नियुक्तियों में ग्राहक सेवा सहयोगी भी शामिल हैं, जिनमें से कुछ वर्चुअल ग्राहक सेवा मॉडल का हिस्सा हैं, जिसका उद्देश्य देश भर में अपने फुटप्रिंट को मजबूत करते हुए एक बेहतर ग्राहक अनुभव प्रदान करना है। अमेज़न इंडिया के १५ राज्यों में पूर्ति केंद्र फैले हुए हैं, जो विक्रेता इन्वेंट्री के लिए 43 मिलियन क्यूबिक फीट भंडारण स्थान प्रदान करते हैं।

आर्थिक विकास अनुमान के यथावत रहने से झूमा बाजार

मुंबई 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। विश्व बाजार की तेजी के बीच रिजर्व बैंक (आरबीआई) के चालू वित्त वर्ष में आर्थिक विकास अनुमान के यथावत रहने से उत्साहित निवेशकों की चौतरफा लिवाली की बदौलत आज शेयर बाजार झूम उठा। बीएसई का संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 364.06 अंक अर्थात 0.55 प्रतिशत की छलांग लगाकर 65995.63 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 107.75 अंक यानी 0.55 प्रतिशत की उड़ान भरकर 19653.50 अंक पर पहुंच गया। इसी तरह बीएसई की मझौली और छोटी कंपनियों में भी लिवाली का जोर रहा, जिससे बाजार को बल मिला। इस दौरान मिडकैप 0.66 प्रतिशत की तेजी लेकर 32,077.66 अंक और स्मॉलकैप 0.56 प्रतिशत मजबूत होकर 37,860.58 अंक पर रहा।

इस दौरान बीएसई में कुल 3801 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिसमें से 2312 में तेजी जबकि 1334 में गिरावट रही वहीं 155 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह निफ्टी की 39 कंपनियों में लिवाली जबकि 10 में बिकवाली हुई वहीं एक के भाव स्थिर रहे।

आरबीआई ने आज चालू वित्त वर्ष की चौथी द्वमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा में नीतिगत दरों के साथ ही चालू वित्त वर्ष के आर्थिक विकास अनुमान को भी यथावत रखा। इससे निवेश धारणा सकारात्मक रही, जिससे बीएसई के दूरसंचार के 0.35 प्रतिशत की गिरावट को छोड़कर शेष 19 समूहों में तेजी का रुख रहा। इस दौरान रियल्टी 3.01, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 1.47, कमोडिटीज 0.56, सीडी 0.63, एफएमसीजी 0.41, वित्तीय सेवाएं 0.78, हेल्थकेयर 0.49, आईटी 0.71,

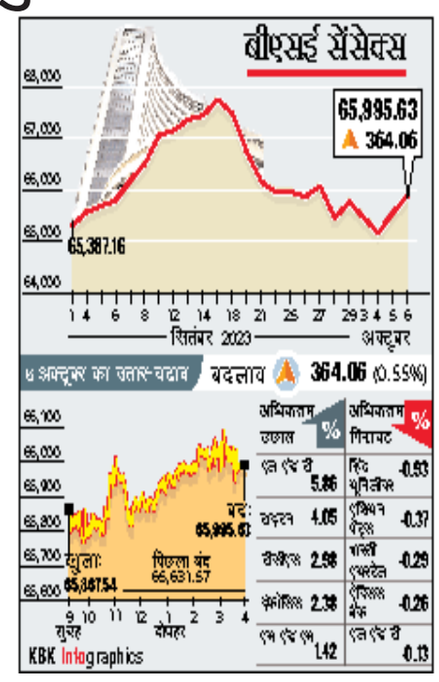

यूटिलिटीज 0.44, धातु 0.40, टेक 0.55 और सर्विसेज समूह के शेयर 1.12 प्रतिशत की बढ़त पर रहे।

अंतर्राष्ट्रीय बाजार में भी तेजी रही। इस दौरान ब्रिटेन का एफटीएसई 0.36, जर्मनी का डैक्स 0.66, हांगकांग का हैंगसेंग 1.58 और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.10 प्रतिशत मजबूत रहा जबकि जापान के निक्केई में 0.26 प्रतिशत की बढ़त रही। शुरूआती कारोबार में सेंसेक्स 236 अंक की तेजी लेकर 65,867.54 अंक पर खुला लेकिन बिकवाली के दबाव में थोड़ी देर बाद ही 65,762.33 अंक के निचले स्तर तक उतर गया। इसके बाद लिवाली शुरू होने से यह लगातार बढ़ता हुआ कारोबार के अंतिम चरण में 66,095.81 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंचा। अंत में पिछले दिवस के 65,631.57 अंक के मुकाबले 0.55 प्रतिशत चढ़कर 65,995.63 अंक पर रहा। इसी तरह निफ्टी 75 अंक बढ़कर 19,621.20 अंक पर खुला और सत्र के दौरान 19,589.40 अंक के निचले जबकि 19,675.75 अंक के उच्चतम स्तर पर रहा। अंत में पिछले सत्र के 19,545.75 अंक की तुलना में 0.55 प्रतिशत मजबूत होकर 19,653.50 अंक पर पहुंच गया।

इस दौरान सेंसेक्स की तेजी पर रही 23 कंपनियों में से बजाज फिनसर्व ने सबसे अधिक 5.86 प्रतिशत का मुनाफा कमाया। साथ ही बजाज फाइनेंस 4.05, टाइटन 2.98, इंडसइंड बैंक 2.38, आईटीसी 1.42, जेएसडब्ल्यूएस स्टील 1.26, इंफोसिस 1.10, टीसीएस 0.87, मारुति 0.81, एनटीपीसी 0.79, टाटा स्टील 0.52, आईसीआईसीआई बैंक 0.47, टाटा मोटर्स 0.41, एसबीआई 0.31, रिलायंस 0.18 और एचसीएल टेक के शेयर 0.02 प्रतिशत की बढ़त पर रहे। वहीं, हिंदुस्तान यूनीलीवर 0.93, एशियन पेंट 0.37, भारती एयरटेल 0.29, एक्सिस बैंक 0.26, एलटी 0.13, एचडीएफसी बैंक 0.11 और नेस्ले इंडिया ने 0.03 प्रतिशत का नुकसान उठाया।

जोयालुकास विस्तार पर करेगा 2400 करोड़ का निवेश

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। आभूषणों के रिटेल नेटवर्क का संचालन करने वाली कंपनी जोयालुकास इंडिया लिमिटेड ने अगले दो वर्षों में करीब 2400 करोड़ रुपये के निवेश से 40 नये स्टोर शुरू करने की योजना बनायी है।

कंपनी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक जॉय अलुकास ने यहां यह जानकारी देते हुये कहा कि अभी देश विदेश में कुल मिलाकर 160 स्टोर संचालित किये जा रहे हैं और वित्त वर्ष 2024-25 तक 40 नये स्टोर शुरू करने की योजना है जिनमें से अधिकांश स्टोर देश में ही खोले जायेंगे। अभी देश से बाहर 60 स्टोर है और उनमें से अधिकांश स्टोर खाड़ी देशों में है। यह समूह भारत सहित दुनिया के 11 देशों में कारोबार कर रहा है। समूह के 9000 हजार से अधिक कर्मचारी है।

उन्होंने बताया कि एक स्टोर को शुरू करने पर करीब 60 करोड़ रुपये का निवेश करना पड़ता है। इस तरह से अगले वित्त वर्ष तक उनका समूह इस पर करीब 2400 करोड़ रुपये का निवेश करने जा रहा है। इसके साथ ही कंपनी बाजार से पूंजी जुटाने के उद्देश्य से प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने की तैयारी कर रही है जिसके बाद टियर दो और तीन शहरों में तेजी से विस्तार करने की योजना है क्योंकि आभूषणों पर हॉलमार्किंग किये जाने और सरकार की नीतियों से संगठित व्यापार को बल मिला है जिससे ब्रांडेड आभूषणों की मांग में तेजी आ रही है।

उन्होंने कहा कि पिछले वित्त वर्ष में उनके समूह का कुल कारोबार 21 हजार करोड़ रुपये का रहा है जिसके वित्त वर्ष 2024-25 तक बढ़कर 30 हजार करोड़ रुपये पर पहुंचने का अनुमान है। उन्होंने कहा कि भारतीय कारोबार में 20 प्रतिशत से अधिक की बढोतरी देखी जा रही है, हालांकि विदेशी कारोबार में चालू वित्त वर्ष में अभी 10 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी है। उन्होंने कहा कि देश में अब त्योहारी सीजन शुरू होने वाला है और इस दौरान आभूषणों की मांग में हर वर्ष तेजी रहती है।

जिंसों में टिकाव

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। विदेशी बाजारों के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर मांग कमजोर रहने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेल समेत सभी जिंसों में टिकाव रहा।

तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में अक्टूबर का पाम ऑयल वायदा एक रिंगिट फिसलकर 3565 रिंगिट प्रति टन पर आ गया। वहीं, अक्टूबर का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.32 सेंट की तेजी लेकर 55.60 सेंट प्रति पौंड बोला गया। इस दौरान घरेलू बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा। सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।

गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चीनी और के भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर पड़े रहे।

दाल-दलहन : दाल-दलहन बाजार में टिकाव रहा। इस दौरान चना, दाल चना, मसूर दाल, मूंग दाल, उड़द दाल और अरहर दाल में कोई बदलाव नहीं हुआ और वे पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टीके रहे।

अनाज : अनाज मंडी में भाव स्थिर रहे। इस दौरान चावल और गेहूं के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।

दाल-दलहन : चना 6200-6300, दाल चना 7200-7300, मसूर काली 7550-7650, मूंग दाल 9750-9850, उड़द दाल 10000-10100, अरहर दाल 10000-10100 रुपये प्रति क्विंटल रहे।

सर्ज फेरारी ग्रुप ने संयुक्त उद्यम बायोमेम्ब्रेन सिस्टम्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड लॉन्च करने की घोषणा की

मुंबई, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। सर्ज फेरारी ग्रुप ने अगस्त्य इन्वेंशन प्राइवेट लिमिटेड के साथ मिलकर बायोमेम्ब्रेन सिस्टम्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के नाम से एक संयुक्त उद्यम के लॉन्च की घोषणा की, जो बायोगैस भंडारण के लिए मजबूत और कुशल रोकथाम समाधान पेश करने वाली एक विशेष कंपनी होगी। नई कंपनी को सर्ज फेरारी समूह की कंपनी डीबीडीएस (डॉयचे बायोगैस डच-सिस्टम) की तकनीकी विशेषज्ञता का समर्थन प्राप्त होगा, जिसका मुख्यालय जर्मनी में है और जिसके पास बायोगैस रूफिंग और भंडारण समाधान में एक दशक से अधिक का अंतरराष्ट्रीय अनुभव और विशेषज्ञता है।

अगस्त्य इन्वेंशन लचीला रोकथाम समाधान विकसित करने में माहिर है जबकि डीबीडीएस डाइजेस्टर छतों तथा बाहरी गैस भंडारण समाधान के विकास, निर्माण और इंस्टालेशन में एक स्थापित कंपनी है। सर्ज फेरारी समूह पर्यावरण और ऊर्जा के क्षेत्र में विविध अनुप्रयोगों के लिए तकनीकी झिल्ली और कपड़ों की एक पूरी श्रृंखला का दावा करता है।

बायोमेम्ब्रेन सिस्टम्स इंडिया का लक्ष्य भारतीय बाजार में स्मार्ट बायोगैस स्टोरेज सॉल्यूशन को अधिक सुलभ और किफायती बनाना है। भार्गव वाडिया इस नई इकाई के महाप्रबंधक होंगे। नई इकाई, बायोमेम्ब्रेन सिस्टम्स

इंडिया प्राइवेट लिमिटेड बायोगैस प्रोजेक्ट कवरिंग के डिजाइन, उत्पादन और स्थापना में अपनी विशेषज्ञता लाएगी। उनके उत्पाद पोर्टफोलियो में डबल मेम्ब्रेन डाइजेस्टर बैलून, ग्राउंड माउंटेड स्टैंडअलोन गैस स्टोरेज बैलून और सिंगल मेम्ब्रेन स्टोरेज बैलून शामिल हैं।

प्रत्येक परियोजना को एक खास आवश्यकता की पूर्ति के लिए सावधानीपूर्वक डिज़ाइन किया गया है और हवा, बारिश आदि जैसे स्थानीय पर्यावरणीय कारकों का सामना करने के लिए अनुकूलित किया गया है। अनुकूलन झिल्ली समाधानों की दीर्घायु और स्थायित्व को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाएगा और डिज़ाइन संरचनात्मक स्थिरता और कम गैस पारगम्यता सुनिश्चित करेगा। नए उद्यम के बारे में बताते हुए सर्ज फेरारी ग्रुप के एशिया प्रशांत तथा मध्य पूर्व एशिया क्षेत्र के मुख्य बिक्री एवं विपणन अधिकारी और वरिष्ठ उपाध्यक्ष नितिन गोविला ने कहा, भारत पर्यावरणीय चिंताओं और सरकार के मजबूत दबाव से प्रेरित हरित ऊर्जा क्रांति देख रहा है। सर्ज फेरारी समूह का मानना है कि यह उभरते भारतीय बायोगैस बाजार में बायोगैस रूफिंग और भंडारण समाधान में अपनी जानकारी उतारने का सही समय है। सर्ज फेरारी समूह को विश्वास है कि सही कार्यान्वयन भागीदार के साथ वह अपने ग्राहकों को स्मार्ट और टिकाऊ गैस भंडारण समाधान प्रदान करने में सक्षम होगा। अगस्त्य इन्वेंशन के निदेशक अनिल झावर ने कहा, अगस्त्य की ताकत लचीले रोकथाम समाधान हैं, और हम छोटे से बड़े पैमाने पर बायोगैस भंडारण समाधान की पेशकश करने के लिए संक्रमण के दौर में हैं। हमारा स्थानीय ढांचा और निर्माण के बारे में जानकारी फैब्रिक और बायोगैस रूफिंग वैल्यू चेन विशेषज्ञता में सर्ज फेरारी समूह की ताकत का पूरक है। सर्ज फेरारी ग्रुप में बिजनेस सॉल्यूशंस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष हेनरिक लेउर ने कहा, डीबीडीएस छत्र के तहत दुनिया भर में निष्पादित परियोजनाओं के साथ बायोगैस रूफिंग और भंडारण समाधान में हमारे पास लंबे समय से विशेषज्ञता है।

मस्तूरी में गुंडागर्दी से परेशान नागरिकों ने किया नगर बंद

बिलासपुर, 6 अक्टूबर (देशबन्धु)। मस्तूरी में आए दिन मारपीट, गुंडागर्दी, जबरन वसूली, छात्राओं के साथ छेड़छाड़ और इन सामाजिक तत्वों के खिलाफ पुलिस की कार्यवाही न होने के विरोध में शुक्रवार को मस्तूरी बंद का आह्वान किया गया। मस्तूरी के ग्रामीणों ने कांग्रेस नेता और उसके साथियों पर स्कूली छात्राओं से छेड़खानी और चौपाटी में गुमटी, ठेला वालों से आए दिन मारपीट, गुंडागर्दी का आरोप लगाया है। यह बदमाश अक्सर स्कूल छूटने के समय रास्ते में खड़े हो जाते हैं और आने वाली छात्राओं के साथ गंदे इशारे, छेड़छाड़ और अश्लील व्यवहार करते हैं। मना करने पर गाली गलौज मारपीट इनका काम है।

पुलिस थाना मस्तुरी ग्राम मोहतरा के नागरिक बदमाशों से परेशान है। 2 अक्टूबर सोमवार को शाम 4 बजे जोन्धरा चौक मस्तूरी में सहोरण यादव होटल के सामने विश्वजीत सिंह अनंत, बलजीत सिंह अनंत, देवेश उर्फ निक्कू अपने 25 से 30 साथियों के साथ हथियारों से लैस होकर पहुंचे, जिन्होंने राकेश कुमार निरनेजक पर रॉड, लाठी, पत्थर आदि के साथ ताबड़तोड़ हमला कर दिया, जिससे राकेश निरजक के सर और शरीर के अन्य हिस्सों पर गंभीर चोट आई। घायल राकेश अस्पताल में भर्ती है। पीड़ित पक्ष इसकी शिकायत थाने में ना कर पाए इसलिए बदमाश हथियारों के साथ थाने के गेट पर खड़े हो गए। जिनमें डर से पीड़ित परिवार और ग्रामीण एफआईआर दर्ज न कर सके। आरोप कि इसके बावजूद मस्तूरी पुलिस मूक दर्शक बनकर देखती रही। इधर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ बेहद मामूली धाराओं के तहत मामला दर्ज किया। उल्टे पीड़ित और घायल के खिलाफ भी आरोपियों के कहने पर काउंटर एफआईआर दर्ज कर लिया, वह भी तब जब राकेश निरनेजक घायल अवस्था में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अकलतरा में अपना इलाज करा रहा था। आरोपियों ने अपनी रसूख के दम पर मारपीट की घटना के 24 घंटे बाद एफआईआर दर्ज कराया है इसलिए पुलिस की भूमिका पर संदेह जताया जा रहा है। इससे ग्रामीण आक्रोशित हो गए। आरोपी विश्वजीत सिंह अनंत इलाके का आदतन अपराधी है। उसके खिलाफ कई मामले दर्ज है।

- थाने का किया घेराव
- आरोपियों के खिलाफ की गई कार्रवाई की मांग

वर्तमान में ग्राम पंचायत मस्तूरी के बाजार का ठेका उसके पास है, इसलिए वह अपने साथी पेशेवर अपराधियों के साथ अक्सर अवैध वसूली, मारपीट छेड़छाड़ जैसे अपराध करता रहता है। कन्या शाला के छात्राओं के साथ छेड़खानी करना, स्कूल के पास तेज हॉर्न बजाना आए दिन की बात है मना करने पर यह लोग खुद को विश्वजीत सिंह अनंत का भाई और दोस्त कहते हैं। यह लोग विश्वजीत सिंह अनंत को सतनामी बघवा खतर हैं, जिसका खौफ दिखाकर आम लोगों को डराया जाता है। आरोप है कि यह बदमाश आसपास चौपाटी में लगने वाले गरीबों के दुकान और ठेलो में मुफ्त का नाश्ता करते हैं और पैसे मांगने पर मारपीट की जाती है इनके द्वारा धौंस दिखाया जाता है कि हम सतनामी बघवा के भाई और दोस्त हैं, इतना सबके बावजूद आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई न होने से नाराज ग्रामीणों ने शुक्रवार को मस्तूरी बन्द का आह्वान किया। अस्पताल और आपातकालीन प्रतिष्ठानों को छोड़कर स्वस्फूर्त ढंग से पूरा मस्तूरी इसदिन बन्द रहा।

पुलिस को भी शिकायत दर्ज कर कार्रवाई की मांग की गई है। इधर एसपी संतोष कुमार सिंह ने कहा कि नियमानुसार आरंभिक रूप से दोनों ही पक्षो की ओर से शिकायत ली गई है लेकिन बाद में जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इधर मस्तूरी के लोगों ने कहा की गुंडागर्दी, लूटपाट और गरीबों को सताने वाले यह लोग दावा करते हैं कि उनका संबंध सत्तारूढ़ पार्टी से है। अगर यह सच है तो पार्टी को भी ऐसे तत्वों के खिलाफ नकेल कसना होगा, अन्यथा उन्हें आगामी चुनाव में इन लोगों की वजह से नुकसान होना तय है।

पचरीघाट बैराज व इंदिरा सेतु से पुराने पुल तक की सड़क 15 दिनों में होगी तैयार

अरपा बेसिन विकास प्राधिकरण की बैठक संपन्न

बिलासपुर, 6 अक्टूबर (देशबन्धु)। अरपा बेसिन विकास प्राधिकरण के कार्यालय में प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अभय नारायण राय की अध्यक्षता, सदस्य महेश दुबे, नरेन्द्र बोलर की उपस्थिति में बेसिन विकास प्राधिकरण की मासिक बैठक संपन्न हुई। जिसमें आज दिनांक तक हुए कार्यो की प्रगति का ब्यौरा जल संसाधन विभाग खारंग डिविजन, बिलासपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड, वन विभाग के अधिकारी प्रगति रिपोर्ट के साथ उपस्थित हुए। जल संसाधन विभाग के कार्यपालन अभियंता एस. के. सराफ ने बैठक के दौरान जानकारी प्रस्तुत की। 15 दिनों के अंदर पचरीघाट बैराज पूर्ण होकर एवं एप्रोच रोड को जोड़ने का कार्य पूरा कर लिया जायेगा। गेट लगाने सहित सभी कार्य प्रगति पर हैं। उन्होंने यह भी बताया कि ठेकेदार की धीमी गति से कार्य एवं बरसात के वजह से काम प्रभावति हुआ, अब काम पूर्ण गति से चल रहा है। बिलासपुर स्मार्ट सिटी के परियोजना अधिकारी सुरेश बरूआ ने बताया कि शिशु मंदिर से लेकर इंदिरा सेतु तक की सड़क का कार्य प्रगति पर है, बहुत जल्द यह सड़क जनता को समर्पित की जायेगी। नगर निगम आयुक्त कुणाल दुदावत जी ने ठेकेदारों को काम बढ़ाने हेतु निर्देशित कर दिया है। उन्होंने वर्तमान में चल रहे रिवर व्यू पर लगे चैपाटी से हो रही दिक्कतों को लेकर बताया कि गोड़पारा एवं सिम्स से आने वाले रास्ते बहुत जल्द नदी किनारें बनाई गई सड़को से जोड़ दिया जायेगा जिससे यातायात प्रभावित नहीं होगा। पचरीघाट में बनाये जा रहे गार्डन एवं स्मार्ट सिटी के अन्य कार्य भी प्रगति की ओर है। वन विभाग के अधिकारियों ने अरपा के किनारे एवं संबंधित नालों पर किये गये वृक्षारोपण कार्यो की जानकारी दी एवं नरवा के माध्यम से नदी में बरसात के पानी को लाने की योजना की प्रगति की जानकारी दी।

उपाध्यक्ष अभय नारायण राय ने बताया कि दोनों बैराज एवं स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के द्वारा बनाये जा रहे तट संवर्धन एवं सड़क निर्माण के कार्यो से बहुत जल्द अरपा नदी का पुराना स्वरूप वापस लौटेगा। आगे चलकर निर्माण कार्य के तहत कुछ-कुछ दूरी पर नदी पर घाट का निर्माण किया जायेगा जिससे लोग तीज-त्योहारों एवं विशेष पर्व पर नदी का उपयोग सरलता से कर सकेंगे। इस बीच में सुंदर उद्यान के साथ मंच एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम, मनोरंजन कार्यक्रम हेतु विशेष मंच बनाने की योजना है। बिलासपुर सिंधु समाज एवं कबीर समाज ने नदी किनारे घाट बनाने हेतु मुख्यमंत्री एवं जिला प्रशासन से अनुमति एवं जमीन की मांग की है। उस प्रक्रिया को भी आज की बैठक में आगे बढ़ाया गया है। अभय नारायण राय ने बताया कि आज की बैठक में प्रगति की समीक्षा की जानकारी जिला प्रशासन को भेजी जा रही है। मुख्यमंत्री के सलाहकार प्रदीप शर्मा को भी जानकारी से अवगत कराया गया है। बहुत जल्द माननीय प्रदीप शर्मा एवं जिलाधीश के उपस्थिति में बैठक बुलाने का निर्णय लिया गया है।बैठक में सदस्य महेश दुबे, नरेन्द्र बोलर ने भी कार्य की प्रगति को लेकर अपनी बाते रखी एवं सुझाव दिया। प्राधिकरण के सदस्यो ने कार्य मे हो रहे विलम्ब को लेकर नाराजगी जताई। आज कि बैठक में बिलासपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड की ओर से परियोजना अधिकारी सुरेश बरूआ, योजना प्रबंधक गोपाल ठाकुर, सहायक प्रबंधक मनीष यादव, वन परिक्षेत्र अधिकारी पल्लव नायक, जल संसाधन विभाग खारंग डिविजन से एस.के.सराफ, डी.आर.शर्मा, राकेश कुमार सोनी, आर.पी.साहू, सहायक मानचित्रकार गहिरे उपस्थित थे।

रेल-संक्षेप

सारनाथ 6 से एक घंटा देरी से होगी रवाना

बिलासपुर, 6 अक्टूबर (देशबन्धु)। उतर पूर्व रेलवे के छपरा रेल्वे स्टेशन मे आधुनिकीकरण का कार्य किया जा रहा हैं। यह कार्य 6 से 28 अक्टूबर तक किया जाएगा। इस कार्य के लिए कुछ गाड़ियों का परिचालन प्रभाबित रहेगा। इस कार्य के फलस्वरुप दक्षिण पूर्व मध्य रेल्वे मे आने वाली 15159 छपरा-दुर्ग सारनाथ एक्सप्रेस को 6 से 28 अक्टूबर तक (सोमवार को छोड़कर) छपरा से एक घंटा देरी से रवाना की जाएगी।

दुर्ग-हटिया के मध्य द्वि-साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन के परिचालन में विस्तार

बिलासपुर, 6 अक्टूबर (देशबन्धु)। रेल यात्रियो की सुविधाओ को ध्यान में रखते हुये रेल प्रशासन के द्वारा दुर्ग-हटिया-दुर्ग के मध्य चल रही है। यह गाड़ी 08185 / 08186 हटिया-दुर्ग-हटिया द्वि-साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल की सुविधा 29 सितम्बर तक चल रही है। 08185 हटिया-दुर्ग द्वि-साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन का परिचालन 17 अक्टूबर, 2023 से 28 दिसम्बर, 2023 तक विस्तार किया गया है। इसी प्रकार विपरीत दिशा में भी 08186 दुर्ग-हटिया द्वि-साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन का परिचालन 18 अक्टूबर, 2023 से 29 दिसम्बर, 2023 तक विस्तार किया गया है।

रद्द की गयी चार ट्रेनों का पुनः परिचालन

बिलासपुर, 6 अक्टूबर (देशबन्धु)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे नागपुर रेल मंडल के राजनांदगाँव-कलमना रेल खंड के बीच में तीसरी लाइन को आमगांव रेलवे स्टेशन से जोडने का कार्य के लिए इलेक्ट्रोनिक इंटरलोकिंग का कार्य किया गया है। इस इलेक्ट्रोनिक इंटरलोंकिंग कार्य में प्री-नॉन इंटरलोंकिंग का कार्य 7 से 10 अक्टूबर, तक एवं नॉन इंटरलोंकिंग का कार्य 11 से 14 अक्टूबर तक किया जायेगा। रेल यात्रियों की सुविधाओ को ध्यान में रखते हुये रेल प्रशासन के द्वारा रद्द की गयी चार गाड़ियो का पुन: परिचालन किया जा रहा है, जिसकी जानकारी इस प्रकार है-12880 भूनेश्वर-कुर्ला एक्सप्रेस,12879 कुर्ला-भूनेश्वर एक्सप्रेस, 20813 पूरी-जोधपुर एक्सप्रेस, 20814 जोधपुर-पूरी एक्सप्रेस।

खरसिया समपार आवश्यक मरम्मत कार्य के लिए बंद रहेगी

बिलासपुर, 6 अक्टूबर (देशबन्धु)। रेलवे प्रशासन द्वारा दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर मंडल के अंतर्गत खरसिया-झाराडीह स्टेशनों के मध्य किमी 620/21-23 पर स्थित मानव सहित समपार संख्या 313 (खरसिया फाटक) को दिनांक 10 अक्टूबर रात 10 बजे से 11 अक्टूबर सुबह 11 बजे तक एवं 11 अक्टूबर रात 10 बजे से दिनांक 12 अक्टूबर सुबह 10 बजे तक आवश्यक मरम्मत कार्य हेतु सड़क यातायात के लिए बंद करने का निर्णय लिया गया है। उक्त समपार पर मरम्मत कार्य के दौरान यातायात के लिए वैकल्पिक व्यवस्था पास में ही स्थित बानीपाथर फ्लाईओवर ब्रिज एवं झाराडीह फाटक से उपलब्ध है।

राउरकेला किया जाएगा नॉन इंटरलॉकिंग कार्य,ट्रेनों का परिचालन प्रभावित

बिलासपुर, 6 अक्टूबर (देशबन्धु)। दक्षिण पूर्व रेलवे के चक्रधरपुर रेल मण्डल के अंतर्गत राउरकेला स्टेशन का यार्ड का आधुनिकीकरण एवं तीसरी रेल लाइन को जोड़ने का कार्य किया जाएगा। इस नॉन इंटरलॉकिंग कार्य को करने के लिए कुछ ट्रेनों का परिचालन 4 से 14 अक्टूबर तक प्रभावित रहेगा। इस कार्य के फलस्वरुप कुछ गाड़ियों को रद्द किया जा रहा है। रद्द होने वाली ट्रेनें-4, 09, एवं 11 अक्टूबर को पटना से चलने वाली 03253 पटना-सिकंदराबाद स्पेशल रद्द रहेगी। 11 अक्टूबर को हैदराबाद से चलने वाली 07255 हैदराबाद-पटना स्पेशल रद्द रहेगी। 13 अक्टूबर सिकंदराबाद से चलने वाली 07256 सिकंदराबाद-पटना स्पेशल रद्द रहेगी। 10 अक्टूबर को रक्सौल से चलने वाली 07052 रक्सौल-हैदराबाद स्पेशल रद्द रहेगी। 7 एवं 14 अक्टूबर को हैदराबाद से चलने वाली 07051 हैदराबाद -दरभंगा स्पेशल रद्द रहेगी।

लोक सेवा सदस्य के रूप में संत कुमार नेताम को दी गई बड़ी जिम्मेदारी

बिलासपुर, 6 अक्टूबर (देशबन्धु)। बिलासपुर के आदिवासी नेता संत कुमार नेताम को छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (पीएससी) का सदस्य मनोनीत किया गया है। इस संबंध में राजपत्र में भी सूचना प्रकाशित की गई है।

संत कुमार नेताम बिलासपुर नगर निगम के अंतर्गत वार्ड नंबर 3 उसलापुर सकरी के निवासी हैं। इंजीनियरिंग की डिग्री धारी संत कुमार नेताम आदिवासी समाज के हितों के लिए लंबे समय से सक्रिय रहे हैं। उन्होंने आदिवासी विकास परिषद युवा प्रभाग के लिए भी कार्य किया। संत कुमार नेताम पूर्व मुख्यमंत्री अजीत जोगी की जाति के मामले में याचिकाकर्ता भी रहे हैं। इस दौरान वे काफी चर्चा में रहे। इस मुद्दे पर वे लगातार सक्रिय भी रहे। संत कुमार नेताम ऐसे इंजीनियर हैं, जिनके सहपाठी सरकारी विभागों में चीफ इंजीनियर तक की पद पर पहुंचे। लेकिन संत कुमार नेताम अपने समाज के लिए लगातार सक्रिय रहे। छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश के कई दिग्गज आदिवासी नेताओं के साथ उनके सीधे संपर्क रहे। एक सहज, सरल ,मिलनसार और सादगी के साथ जिंदगी बिताने की वजह से भी वे लोगों के बीच अपनी एक अलग पहचान रखते हैं। लोक सेवा सदस्य के रूप में उन्हें बड़ी जिम्मेदारी दी गई है।

निगम में शामिल नए क्षेत्रों में 28 करोड़ के लागत से होगा जल प्रबंधन का कार्य,पेयजल के लिए मिलेगा शुद्ध पानी

15 वें वित्त आयोग के तहत बिलासपुर नगर निगम को मिली मंजूरी

निगम में शामिल 7 नए क्षेत्रों में बिछाई जाएगी पाइपलाइन व पानी टंकी का निर्माण

नवीन ग्रामीण क्षेत्रों में तेजी से हो रहे विकास कार्य

बिलासपुर, 6 अक्टूबर (देशबन्धु)। बिलासपुर नगर पालिक निगम को जल प्रबंधन कार्य के लिए एक बड़ी सौगात मिली है। निगम सीमा में शामिल नवीन क्षेत्रों में पीने के शुद्ध पानी के लिए 28 करोड़ 93 लाख के कार्यों को शासन से मंजूरी मिली है। 15 वें वित्त आयोग टाईड ग्रांट जल प्रबंधन अंतर्गत कार्य की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। निगम सीमा में शामिल घुरू,खमतराई, बहतराई लिंगियाडीह, बिजौर कोनी और सकरी में इस मद के तहत कार्य किए जाएंगे। जल प्रबंधन कार्य के तहत नवीन क्षेत्रों में पाइपलाइन बिछाने और पानी टंकी बनाया जाएगा,इसके लिए नगर निगम द्वारा कार्य योजना तैयार की जाएगी। निगम में शामिल नवीन क्षेत्रों में पानी की बड़ी योजना पर काम होने से एक बड़ी आबादी को इसका लाभ मिलेगा।

निगम में शामिल ग्रामीण क्षेत्रों में तेजी से हो रहे विकास कार्य

नगर निगम सीमा में शामिल ग्रामीण क्षेत्रों में बहुत तेजी के साथ अधोसंरचना के कार्य किए जा रहे हैं। पूर्व में 21 करोड़ की लागत से सभी पुराने ग्राम पंचायतों में सड़क,पानी और बिजली के काम किए गए है। जिसमें प्रत्येक पूर्व ग्राम पंचायतों में डेढ़-डेढ़ करोड़ के कार्य किए गए है। इसके अलावा नवीन क्षेत्रों में मैकेनाइज्ड और मैन्युअल साफ-सफाई के लिए भी टेंडर जारी कर दिया गया है।

प्रशासकीय स्वीकृति मिली है-कमिश्नर

निगम कमिश्नर श्री कुणाल दुदावत ने बताया की 7 नवीन क्षेत्र में जल प्रबंधन कार्य के लिए 15 वें वित्त से 28 करोड़ 93 लाख के कार्यों की प्रशासकीय स्वीकृति मिली है,शीघ्र ही इस पर कार्य प्रारंभ किए जाएंगे।

पीएससी के घोटालेबाजों को बचाने की कोशिश में लगी है कांग्रेस-कुमावत

बिलासपुर, 6 अक्टूबर (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और कांग्रेस पार्टी छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग के घोटालेबाजों को बचाने की पुरजोर कोशिश करने लगे हैं।

भाजपा बिलासपुर के जिलाध्यक्ष रामदेव कुमावत ने पीएससी घोटाले में कांग्रेस सरकार की संलिप्तता बताते हुए कहा कि मुख्यमंत्री एक जगह कहते हैं कि पीएससी घोटाले के संबंध में उन्हें कोई शिकायत नहीं मिली है और शिकायत मिलने पर जांच कर कार्रवाई करेंगे। दूसरी तरफ सक्ती के कार्यक्रम में दावा करते हैं कि पीएससी में गड़बड़ी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। अब मुख्यमंत्री पहले यह बताएं कि क्या सरकार ने पीएससी की गड़बडियों को लेकर किसी जांच की घोषणा की है? जब जांच हो ही नहीं रही है तो दोषी कौन पाए जाएंगे? रही बात शिकायत मिलने की तो मामला हाइकोर्ट तक पहुंच चुका है, मीडिया में गड़बडियों के कई किस्से आ चुके हैं।

इसके बाद उन्हें किससे और कैसी शिकायत का इंतजार है। कुल मिलाकर मुख्यमंत्री और कांग्रेस पीएससी घोटाले को ठंडे बस्ते में डालकर रफादफा कर दोषियों को बचाने का प्रयास ही कर रहे हैं। श्री कुमावत ने कहा कि पीएससी का परिणाम आने के बाद ही यह सच्चाई सबके सामने आ गई थी कि सरकारी भर्ती में पैसा और भाई भतीजावाद का बोलबाला है। मुख्यमंत्री से जब पत्रकारों और भाजपा ने सवाल किया तब भूपेश बघेल ने इस विषय को हल्के में लिया था।

इस कारण भी प्रदेश की भूपेश सरकार के द्वारा ठगे गए लाखों युवा अक्रोशित हैं। इस बात की चिंता जब माननीय उच्च न्यायालय ने जताई तब भी भूपेश सरकार ने सीजीपीएससी की गड़बडियों की जांच करने की कोई घोषणा नहीं की।

वे कहते रहे, कोई शिकायत उन्हें गड़बड़ी की प्राप्त नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिलासपुर में लोक सेवा आयोग में हुई गड़बडियों के बारे में बात की और दोषियों को भाजपा सरकार के द्वारा दंडित किए जाने का ऐलान किया तब कहीं जाकर मुख्यमंत्री भी दोषियों पर कार्रवाई करने की बात कहने लगे हैं।

रजनीश ने सतनामी समाज के लोगों को दिलाई भाजपा की सदस्यता

बिलासपुर,6 अक्टूबर (देशबन्धु)। भारतीय जनता पार्टी से बेलतरा के विधायक रजनीश कुमार सिंह की सक्रियता व समाज के प्रति उनकी प्रतिबद्धता से प्रभावित होकर ग्राम पंचायत सेंदरी के सतनामी समाज से लगभग पचास लोगों ने भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की. विधानसभा बेलतरा में सतनामी समाज हमेशा से निर्णायक भूमिका में रहें हैं इन्हें कांग्रेस और बहुजन समाज पार्टी के परंपरागत वोट के रूप में देखा जाता है परंतु बीते विधानसभा चुनाव में रजनीश कुमार सिंह अनुसूचित जाति के वोट का एक बड़ा हिस्सा लेने में सफल रहे हैं और यही वह कारण है जिससे उन्होंने चुनाव में अप्रत्याशित बढ़त हासिल किया.संगठनात्मक पृष्ठभूमि वाले विधायक रजनीश अपने कार्यकाल में भाजपा के गैर परंपरागत वोटों को साधने में जुटे रहे ग्राम पंचायत सेंदरी के सतनामी समाज की ही बात की जाए तो उन्होंने समाज के प्रमुख लोगों से जीवंत सम्पर्क बनाए रखा उन्होंने ने सतनामी समाज के लिए अपने ही विधायक मद से पांच लाख रुपए लागत से सामुदायिक भवन का निर्माण कराया साथ ही मिनिमाता बस्ती में दो लाख पचास हजार रूपए की राशि से आहता निर्माण के कार्य की स्वीकृति प्रदान की आज ग्राम पंचायत सेंदरी में सतनामी समाज के प्रमुखों सहित समाज के पचास लोगों ने भाजपा की विधिवत सदस्यता लेकर आने वाले चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में प्रचार करने की शपथ ली।

नागपुर-शहडोल दैनिक एक्सप्रेस ट्रेन का नियमित परिचालन

व्हाया कटनी-जबलपुर-नैनपुर-छिंदवाड़ा मार्ग से चलेगी

बिलासपुर, 6 अक्टूबर (देशबन्धु)। रेलवे प्रशासन द्वारा शहडोल क्षेत्र के लोगों की बहूप्रतीक्षित मांग को पूरा करते हुये इस क्षेत्र के यात्रियों की सुविधा हेतु नागपुर एवं शहडोल के मध्य 11201/11202 नागपुर-शहडोल-नागपुर ट्रेन का नियमित परिचालन शुरू किया जा रहा है। इस ट्रेन का विधिवत शुभारंभ शहडोल रेलवे स्टेशन से उदघाटन स्पेशल के रूप में दिनांक 05 अक्टूबर 2023 को किया गया था 7

इस गाड़ी के शुरू होने से इस क्षेत्र के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवा हेतु महानगर नागपुर के लिए तीव्र गति के साथ सुगमता से पहुंचने की सीधी सुविधा मिलेगी। साथ ही पूरे क्षेत्र में व्यापारिक तथा आर्थिक गतिविधियों के उन्नयन में इस ट्रेन की महत्वपूर्ण भूमिका सिद्ध होगी। यात्रियों के परिवहन के साथ ही इस क्षेत्र के विभिन्न उत्पादों का भी परिवहन संभव हो सकेगा। छात्रों को बेहतर उच्च शिक्षा के लिए नागपुर तक पहुंच आसान होगा। नागपुर दक्षिण भारत में प्रवेश का प्रथम द्वार है। इस ट्रेन सेवा ने इस द्वार पर सीधे दस्तक दी है, अब इस क्षेत्र से दक्षिण भारत की यात्रा करना और आसान हो जाएगा।

गाड़ी संख्या 11201/11202 नागपुर-शहडोल-नागपुर एक्सप्रेस का नियमित परिचालन 08 अक्टूबर 2023 से किया जाएगा। गाड़ी संख्या 11201 नागपुर-शहडोल एक्सप्रेस, नागपुर से 08 अक्टूबर 2023 से प्रतिदिन 08.00 बजे छूटेगी तथा 22.00 बजे शहडोल पहुंचेगी 7 इसी प्रकार गाड़ी संख्या 11202 शहडोल-नागपुर एक्सप्रेस, शहडोल से 09 अक्टूबर 2023 से प्रतिदिन 05.00 बजे छूटेगी तथा 18.00 बजे नागपुर पहुंचेगी 7 यह गाड़ी 01 एसएलआरडी, 01 एसएलआर, 05 सामान्य, 07 स्लीपर, 03 एसी-3 तथा 01 एसी-2 सहित कुल 18 कोचों के साथ चलेगी।

NECC
07.10.2023 अंडा मुर्गी काकरेल
फार्म 515 85 170
चिल्हर 6.25 100 195
डिलीवरी 530 सैकड़ा
दर्जन अंडा 75 रु.
मुर्गी खाद प्रति ट्राली 1000 रू.
CSPFA

प्रकाशक मुद्रक एवं सम्पादक- राजीव रंजन श्रीवास्तव द्वारा पत्रकार प्रकाशन, प्रा.लि. के लिए पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि. प्रेस में मुद्रित एवं गर्ल्स कॉलेज के पास, जरहाभाटा, बिलासपुर से प्रकाशित। प्रेस पंजीयन- 52158/91 डाक पंजीयन 112-002/2002 सी जी फोन- 07752 422771, 428159 फैक्स नं. 415188